शर्मा हार्डওয়াৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 12 | अंक : 255 | गुवाहाटी | बुधवार, 22 अप्रैल, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

उत्तर भारत में लू का प्रचंड प्रहार पेज 2 | गौहाटी हाईकोर्ट ने कांग्रेस नेता पवन खेड़ा की जमानत याचिका पर फैसला ... पेज 3 | तपती धूप में बिना रुके, बिना थके महिलाओं ने दिखाया सपा, कांग्रेस को आईना पेज 5 | बीसीसीआई एक साथ दो टी20 टीमें उतरने की योजना बना रहा पेज 7

गुवाहाटी में जलभराव के बीच आज तीन शव बरामद

गुवाहाटी (हि.स.)। राजधानी गुवाहाटी में एक दिन की मूसलाधार बरसात के चलते व्यापक स्तर पर जलभराव के बीच मंगलवार को 3 शव बरामद हुए हैं। इसके साथ ही एक दिन की बरसात के कारण गुवाहाटी के अलग-अलग हिस्सों से मिले कुल शवों की संख्या 4 हो गई है। जानकारी के अनुसार, आज सुबह साउकुची में राजधानी के हाथीगांव के नटबोमा क्षेत्र निवासी आख्तर अली का शव वशिष्ठ नदी से बरामद हुआ था। इसी बीच दूसरा शव ज्योतिकुची इलाके में मरा भरलु नदी में बरामद हुआ। जिसकी पहचान राजधानी के दातालपारा निवासी असीम कलिता के रूप में हुई है। जबकि, तीसरा शव पामही के लाचितगढ़ में माधुर्य राभा के घर के पास बरामद हुआ। अंतिम सूचना मिलने तक शव की पहचान नहीं हो पायी थी। इसी तरह राजधानी के मालीगांव इलाके में 19 अप्रैल को भारी बरसात और व्यापक स्तर पर जलभराव के बीच पायल नाथ नामक महिला नाले में डूब गयी। महिला का शव 20 अप्रैल की सुबह नाले से बरामद किया गया। बीते 19 अप्रैल को हुई मूसलाधार बरसात के बाद गुवाहाटी में व्यापक स्तर पर जलभराव के चलते फुटपाथ पर खुले मेनहोल में डूबने से मौत हुई। मामले की जांच जारी है। पुलिस टीम और फॉरेंसिक टीम घटनास्थल पर पहुंच कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए गुवाहाटी मेडिकल कालेज एंड अस्पताल (जीएमसीएच) भेज दिया। एक दिन की बरसात में 4 लोगों की मौत ने प्रशासन की तैयारियों की पोल खोल दी है। इन घटनाओं को लेकर राजनीतिक दलों के साथ अन्य संगठनों ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसके लिए दोषी लोगों की पहचान कर उन्हें दंडित करने की मांग की है।

पश्चिम बंगाल-तमिलनाडु में थमा चुनाव प्रचार, कल मतदान

नई दिल्ली। तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में 23 अप्रैल को होने वाले मतदान से 48 घंटे पहले मंगलवार शाम को चुनाव प्रचार थम गया। पश्चिम बंगाल में पहले चरण में 152 विधानसभा सीटों पर वोटिंग होनी है, जबकि तमिलनाडु में सभी 234 सीटों के लिए मतदान होने हैं। इसको लेकर चुनाव आयोग ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। यहां तक कि सोशल मीडिया पर भी कड़ी निगरानी रखी जा रही है। चुनाव प्रचार थमने से पहले दोनों राज्यों में शीर्ष नेताओं और उम्मीदवारों ने समर्थकों को आकर्षित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। वहीं, चुनाव प्रचार थमने के बाद अब कोई भी राजनीतिक दल अपने उम्मीदवार के समर्थन में जनसभा या रैली नहीं कर सकेगा। पहले बात करते हैं पश्चिम बंगाल की तो यहां इस बार दो चरणों में चुनाव संपन्न कराया जाना है। पहले चरण में 152 सीटों पर मतदान होना है। इस चरण में कुल 1,478 उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। वहीं, तीन करोड़ 60 लाख 77 हजार 171 मतदाता उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला करेंगे। इन मतदाताओं में एक करोड़ 75 लाख 77 हजार 210 महिलाएं अपने मत का इस्तेमाल करेंगी। आरक्षण को लेकर बने माहौल के बीच इस बार पश्चिम बंगाल में महिलाओं की भूमिका काफी अहम मानी जा रही है। बंगाल में पहले चरण में जहां मतदान होने हैं, उनमें उत्तर बंगाल के आठ, दक्षिण बंगाल के तीन व जंगलमहल अंचल के पांच जिले शामिल हैं। इनमें मुर्शिदाबाद की 22, -शेष पृष्ठ दो पर

असम में नई सरकार बनने के बाद सीमा वार्ता फिर से शुरू होगी : मेघालय के उपमुख्यमंत्री

शिलांग। मेघालय के उपमुख्यमंत्री स्नियावभलंग धर ने मंगलवार को कहा कि पड़ोसी राज्य असम में नई सरकार बनने के बाद सीमा विवाद पर असम के साथ बातचीत फिर से शुरू होगी। पत्रकारों से बात करते हुए धर ने कहा कि वार्ता का अगला दौर असम द्वारा अपनी क्षेत्रीय समितियों के गठन पर निर्भर करेगा। उन्होंने कहा कि अपने पक्ष से संवाद एक सतत प्रक्रिया है। आइए असम में नई सरकार बनने तक इंतजार करें, और फिर हम चर्चा जारी रखेंगे। यह बिल्कुल स्पष्ट है। उन्होंने आगे कहा कि फिलहाल हमें यह नहीं पता कि उनकी तरफ से अध्यक्ष कौन होगा क्योंकि नई सरकार का गठन अभी बाकी है। असम में -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री हेट स्पीच मामला :

सरकार ने कोर्ट को अगली सुनवाई तक जवाब दाखिल करने का आश्वासन दिया

गुवाहाटी। असम सरकार ने मंगलवार को गौहाटी उच्च न्यायालय को आश्वासन दिया कि मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा पर *घृणास्पद भाषण* देने का आरोप लगाने वाली कई जनहित याचिकाओं के संबंध में वह अगली सुनवाई तक अपना जवाब दाखिल कर देगी। मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति आशुतोष कुमार और न्यायमूर्ति अरुण देव चौधरी की खंडपीठ ने मामले की सुनवाई 28 मई को तय की। पीठ ने कहा कि राज्य की ओर से यह कहा गया है कि अगली तारीख तक अनिवार्य रूप से जवाब दाखिल कर दिया जाएगा और इसकी एक प्रति याचिकाकर्ताओं के वकीलों को अग्रिम रूप से दी जाएगी। मुख्यमंत्री पर घृणास्पद भाषण देने का आरोप लगाने वाली तीन अलग-अलग जनहित याचिकाओं पर खंडपीठ ने 26 फरवरी को सुनवाई की और इस मामले में शर्मा, केंद्र सरकार, -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

हमारा कर्तव्य हैं की हम हर उस व्यक्ति का होंसला बढ़ाए, जो अपने ऊंचे विचारों पर जीवन व्यतीत करने के लिए संग्रह कर रहा है।

- स्वामी विवेकानंद

खड़गे का विवादित बयान, पीएम मोदी को पहले कहा आतंकी, बाद में देने लगे सफाई

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर एक चौंकाने वाला आरोप लगाते हुए उन्हें आतंकवादी कहा। उन्होंने आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनावों के लिए भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए के साथ गठबंधन करने के लिए एआईएडीएमके की कड़ी आलोचना की। कांग्रेस सहित डीएमके के नेतृत्व वाले गठबंधन के लिए चेन्नई में प्रचार कर रहे खड़गे ने सवाल उठाया कि एआईएडीएमके ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ गठबंधन कैसे किया, जिन पर उन्होंने आतंकवादी होने का आरोप लगाया और कहा कि उनकी पार्टी समानता और न्याय में विश्वास नहीं करती। खड़गे ने कहा कि वे (एआईएडीएमके) मोदी के साथ कैसे जुड़ सकते हैं? वह एक आतंकवादी है। और वह जो समानता में विश्वास नहीं करते। -शेष पृष्ठ दो पर

केरल के पटाखा निर्माण फैक्टरी में विस्फोट 13 लोगों की मौत, पीएम मोदी ने जताया दुख

त्रिशूर। केरल के त्रिशूर जिले के मुंडथिक्कोडु इलाके में मंगलवार को एक पटाखा निर्माण यूनिट में भीषण विस्फोट गया। इस विस्फोट में 13 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए। यह हादसा उस समय हुआ जब शहर में आयोजित होने वाले वार्षिक हिंदू मंदिर उत्सव त्रिशूर पूरम की तैयारियां चल रही थीं। इस घटना पर पीएम मोदी ने दुख जताया है। घटनास्थल पर पहुंचे राज्य सरकार के एक अधिकारी ने बताया कि विस्फोट के समय यूनिट में करीब 40 लोग काम कर रहे थे, क्योंकि आयोजकों द्वारा कर्मचारियों के लिए दोपहर का भोजन लाया गया था। अधिकारी ने कहा, हमें सूचना मिली है कि सात लोग वहां से भागने में सफल रहे। बताया जा रहा है कि यह विस्फोट उस पटाखा इकाई में हुआ, जहां त्रिशूर पूरम के थिरुवंबाडी गुट के लिए आतिशबाजी के सैंपल तैयार किए जा रहे थे। इस घटना में अब तक 13 लोगों की मौत हो चुकी है और 5 लोगों की हालत बेहद ही गंभीर बताई जा रही है। सूत्रों के मुताबिक, घटनास्थल पर बड़ी मात्रा में विस्फोटक सामग्री रखी हुई थी, जिसमें आग लगने के बाद जोरदार धमाका हुआ। प्रारंभिक जानकारी में लगभग 40 लोगों -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

भूकंप के झटकों से कांपा मणिपुर, असम-नगालैंड में भी हिली धरती

नई दिल्ली। मंगलवार की सुबह मणिपुर के कई हिस्सों में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। भूकंप का केंद्र मणिपुर के कामजोंग जिले में था। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 5.2 रही। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के मुताबिक यह भूकंप सुबह 5:59 बजे आया। इससे कामजोंग और उसके आस-पास के इलाकों में रहने -शेष पृष्ठ दो पर

ईरानी टीवी का स्क्रीन अलर्ट जारी, पाकिस्तान नहीं गया कोई प्रतिनिधिमंडल

तेहरान। ईरान के सरकारी टेलीविजन चैनल ने मंगलवार को स्क्रीन पर एक *अलर्ट* जारी कर कहा कि ईरान का कोई प्रतिनिधिमंडल अब तक इस्लामाबाद नहीं गया है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब अमेरिका के साथ संभावित वार्ता को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं। स्क्रीन पर जारी यह अलर्ट ईरान की -शेष पृष्ठ दो पर

बंगाल को भ्रष्टाचार, घुसपैठ और गुंडागर्दी से मुक्त कराने का चुनाव : शाह

आसनसोल (हि.स.)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कुल्टी विधानसभा सभा सीट के उम्मीदवार डा. अजय पोद्दार के समर्थन में बलतोडिया गणेश पूजा मैदान में जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने आसनसोल में एक जनसभा को संबोधित करते हुए राज्य की ममता सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने जनता से सवाल करते हुए कहा कि क्या वे राज्य में बदलाव चाहते हैं, सिंडिकेट राज खत्म करना चाहते हैं और बंगाल को घुसपैठियों से मुक्त बनाना चाहते हैं या नहीं। उन्होंने कहा कि आसनसोल की यह पवित्र भूमि कभी उद्योग और श्रम की पहचान रही है, जहां से पूरे देश और दुनिया में लोहा जाता था लेकिन -शेष पृष्ठ दो पर

गौहाटी उच्च न्यायालय ने असम को भैंसों की लड़ाई रोकने का आदेश दिया

गुवाहाटी। गौहाटी उच्च न्यायालय ने असम सरकार को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि राज्य में भैंसों की लड़ाई (मोह-जूज) न हो और अगले आदेश तक ऐसे आयोजनों के आयोजकों के खिलाफ उचित दंडात्मक कार्रवाई शुरू की जाए। न्यायमूर्ति अंजन मोनी कलिता ने 4 अप्रैल को इस मामले की सुनवाई की। मंगलवार (21 अप्रैल, 2026) को जारी अंतरिम आदेश, पीपल फॉर द एथिकल ट्रीटमेंट ऑफ एनिमल्स इंडिया (पीईटीए इंडिया) द्वारा दायर एक रिट याचिका के बाद पारित किया गया था, जिसमें जनवरी में माघ बिहू के दौरान असम के विभिन्न जिलों में आयोजित अवैध भैंसों की लड़ाई का हवाला दिया गया था। न्यायालय ने टिप्पणी की कि असम में भैंसों की लड़ाई को पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 के वैधानिक प्रावधानों के तहत अनुमति नहीं दी जा सकती है, और इस तरह के आयोजनों का कोई भी भविष्य में आयोजन बाध्यकारी न्यायिक मिसालों का उल्लंघन -शेष पृष्ठ दो पर

आयात घटाना और प्रदूषण कम करना सरकार की प्राथमिकता : गडकरी

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवाक तो कहा कि देश का परिवहन पारिस्थितिकी तंत्र आधुनिक, सुरक्षित और टिकाऊ बनाने की दिशा में सरकार तेजी से काम कर रही है। सरकार का उद्देश्य आयात कम करना, सस्ता और प्रदूषण मुक्त परिवहन उपलब्ध कराना तथा इसे स्वदेशी बनाना है। गडकरी ने यहां इंडिया हैबिटाट सेंटर में इंडियन फेडरेशन ऑफ ग्रीन एनर्जी (आईएफजीई) के *ग्रीन ट्रांसपोर्ट कॉन्क्लेव: सस्टेनेबल और ग्रीन मोबिलिटी के भविष्य की ओर तेजी* कार्यक्रम में कहा कि -शेष पृष्ठ दो पर

रुपए को बूस्ट करने में नाकाम रहा करेंसी मार्केट, दो दिनों में 57 पैसे की आई गिरावट

नई दिल्ली। करेंसी मार्केट में लगातार दूसरे दिन डॉलर के मुकाबले रुपए में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। आंकड़ों को देखें तो इन दो दिनों में डॉलर के मुबाबले रुपए में 50 पैसे से ज्यादा की गिरावट देखने को मिल चुकी है। खास बात तो ये है कि अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता की उम्मीदें बढ़ गई है। वहीं दूसरी ओर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट देखने को मिली है। उसके बाद भी रुपए में गिरावट का सिलसिला रुकने का नाम नहीं ले रहा है। जिसकी वजह से डॉलर के मुकाबजे में 93.50 के लेवल के करीब पहुंच गया है। खास बात तो ये है कि हाल ही में रुपए को उठाने के लिए कुछ उपाए किए थे। उसके बाद भी रुपए को सपोर्ट नहीं किया है। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर रुपए को लेकर किस तरह के आंकड़े देखने को मिल रहे हैं। मंगलवार को रुपया 32 पैसे गिरकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 93.48 (अस्थायी) पर बंद हुआ। इस गिरावट की वजह अमेरिकी करेंसी की मजबूती और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव के साथ-साथ पश्चिम एशिया में शांति वार्ता की प्रगति को लेकर बनी -शेष पृष्ठ दो पर

शहबाज-मुनीर के लिए नोबेल पुरस्कार मांग रहे हैं पाकिस्तानी, प्रस्ताव किया गया पेश

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में हलचल मची हुई है। अमेरिका और ईरान ने संकेत दिया है कि वे इस्लामाबाद में नए दौर की युद्धविराम वार्ता में शामिल होंगे। अधिकारियों की ये टिप्पणियां ऐसे समय में आई हैं, जब न तो अमेरिका और न ही ईरान ने सार्वजनिक रूप से वार्ता के समय की पुष्टि की है। वहीं, ईरानी सरकारी टेलीविजन ने इस बात से इनकार किया है कि उनके देश का कोई अधिकारी पहले से ही पाकिस्तान की राजधानी में मौजूद है। अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता को लेकर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और आर्मी चीफ आसिम मुनीर की तारीफें हो रही हैं। पाकिस्तानी मीडिया और सोशल मीडिया पर इन दोनों के लिए नोबेल शांति पुरस्कार की मांग जोर पकड़ रही है। पाकिस्तान ने इसे अपनी मध्यस्था का परिणाम बताया और पाकिस्तान में खबर आते ही मीडिया और सोशल मीडिया में खुशी का माहौल बन गया। मीडिया में खुशी का माहौल बन गया। टीवी डिबेट्स में इसे पाकिस्तान की बड़ी कूटनीतिक जीत बताया गया। सभी पैनलिस्ट ने कहा कि शहबाज शरीफ और -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

उत्तर भारत में लू का प्रचंड प्रहार

दिल्ली-यूपी-बिहार में अलर्ट, राजस्थान में आसमान से बरसेगी आग

नई दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने देश के कई हिस्सों में लू की चेतावनी जारी की है। दिल्ली में मंगलवार को तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार चला गया। आईएमडी के वैज्ञानिक अखिल श्रीवास्तव ने बताया कि दिल्ली में आज 40 से 42 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज होने की उम्मीद है। शहर के कुछ हिस्सों के लिए 22-24 अप्रैल तक अलग-अलग जगहों पर लू की चेतावनी जारी की गई है। हरियाणा में लू और गर्म रातों का अलर्ट जारी किया गया है। आने वाले दिनों में उत्तरी और मध्य भारत के बड़े हिस्सों में लू की स्थिति बनी रहने की संभावना है। साथ ही अन्य क्षेत्रों में मौसम से जुड़े गंभीर अलर्ट भी जारी किए गए हैं। आईएमडी के मुताबिक, पंजाब और हरियाणा में अगले चार दिनों तक, पूर्वी यूपी में अगले पांच दिनों तक और कल से पश्चिमी यूपी में लू की स्थिति बने रहने की संभालना है। मध्य भारत में, मध्य प्रदेश में कल से लू की स्थिति देखी जा सकती है। छत्तीसगढ़ में भी अगले तीन दिनों तक ऐसी ही स्थिति रहने की संभावना है। बिहार, गंगा से सटे पश्चिम बंगाल और पूर्वी बंगाल में भी अगले दो दिनों तक लू की स्थिति रहने की संभावना है। उन्होने बताया कि दक्षिण भारत के तटीय इलाकों में गर्म और उमस भरा मौसम रहने की उम्मीद है, जबकि, अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय के लिए भारी बारिश का पूर्वानुमान जारी किया गया है। जिसको देखते हुए येलो अलर्ट जारी किया गया है। आईएमडी के अनुसार, विदर्भ के अधिकांश हिस्सों, मराठवाड़ा और मध्य प्रदेश के कई इलाकों तथा छत्तीसगढ़, तेलंगाना और उत्तर प्रदेश के कई स्थानों पर अधिकतम तापमान 40 से 45 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया। आईएमडी ने बताया कि ओडिशा के अंदरूरी हिस्सों, रायलसीमा, झारखंड, राजस्थान और गुजरात में कुछ जगहों पर ऐसी ही स्थितियां देखी गईं, जबकि देश के ज्यादातर दूसरे हिस्सों में तापमान 36 से 40 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र और पूर्वोत्तर भारत के कुछ हिस्सों को छोड़कर, जहां तापमान 36 डिग्री सेल्सियस ने नीचे था। सबसे अधिक तापमान उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में तापमान 44.4 सेंटीग्रेड दर्ज किया गया। मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, हिमाचल प्रदेश, बिहार, उत्तराखंड और छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से काफी ज्यादा था। झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश, दिल्ली-एनसीआर, पंजाब, जम्मू कश्मीर, मध्य प्रदेश और केरल सहित कई अन्य हिस्सों में भी तापमान सामान्य से काफी ज्यादा रहा। राजस्थान, महाराष्ट्र, कर्नाटक और अन्य क्षेत्रों के कुछ हिस्सों में तापमान सामान्य से ज्यादा दर्ज किया गया, आने वाले समय में यहां प्रचंड गर्मी पड़ने के आसार हैं। जबकि अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, गुजरात, तटीय कर्नाटक और लक्षद्वीप में मौसम लगभग सामान्य बना रहा।

किसी भी परिस्थिति में सीलबंद कमरों को नहीं खोला जाए

मतगणना से पहले ईसी ने दिया निर्देश

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने मंगलवार को केरल के सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों और रिटर्निंग अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं। वह मतगणना के दिन से पहले किसी भी परिस्थिति में कोई भी स्ट्रांग रूम न खोलें। केरल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी रतन यू केलकर ने कोझिकोड के पेरामब्रा निर्वाचन क्षेत्र में सोमवार को ईवीएम रखने वाले एक स्ट्रांग रूम के खोले जाने की खबरों और पलक्कड़ के नेनमारा निर्वाचन क्षेत्र में एक और स्ट्रांग रूम खोलने की कथित योजनाओं के बाद यह निर्देश जारी किया। यह दोहराया गया है कि किसी भी परिस्थिति में इंडेक्स कार्ड तैयार करने या ईएनसीओआरई पोर्टल में डेटा सत्यापित करने के उद्देश्य से किसी भी मजबूत कमरे या बिना सील वाले कमरे को खोला या उसमें प्रवेश नहीं किया जाएगा। केलकर के कार्यालय द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि चुनावी प्रक्रिया की अखंडता, पारदर्शिता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी संबंधित अधिकारियों को इन निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। सोमवार को कोझिकोड जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया था कि कोई भी स्ट्रांग रूम नहीं खोला गया था। कलेक्टर स्नेहल कुमार सिंह, जो जिला चुनाव अधिकारी भी हैं। उन्होंने कहा था कि मतदान अभिलेखों के सत्यापन और अद्यतन के लिए उम्मीदवारों के एजेंटों की उपस्थिति में जेडीटी इस्लाम हायर सेकेंडरी स्कूल में एक बिना सील वाला सामग्री कक्ष खोला गया था। अधिकारी ने एक बयान में कहा था कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) और वीवीपीएटी को केंद्रीय पर्यवेक्षकों और उम्मीदवारों के एजेंटों की निगरानी में भवन की पहली मंजिल पर एक सीलबंद मजबूत कमरे में सुरक्षित रूप से रखा गया था और उस कमरे को खोला नहीं गया था। हालांकि, कांग्रेस और पार्टी के नेतृत्व वाले यूडीएफ के नेताओं ने आरोप लगाया था कि यह घटना चुनाव नियमों का उल्लंघन है। राज्य की 140 विधानसभा सीटों पर 9 अप्रैल को हुए विधानसभा चुनावों के परिणाम 4 मई को घोषित किए जाएंगे।

छयगांव में पेड़ गिरने से युवक की मौत

कामरूप (हिंस)। जिले के छयगांव के गाछगुमी क्षेत्र में एक बेहद दुखद घटना सामने आई, जहां बीती रात बिहू कार्यक्रम का आनंद ले रहे एक युवक की पेड़ की डाल गिरने से मौत हो गई। मृत युवक की पहचान जामबारी निवासी भास्कर कलिता के रूप में हुई है। वह स्थानीय स्तर पर आयोजित बिहू समारोह में शामिल होकर कार्यक्रम का आनंद ले रहा था। प्राप्त जानकारी के अनुसार, देर रात तेज आंधी-तूफान के दौरान एक पेड़ की डाल अचानक टूटकर युवक के ऊपर गिर गई, जिससे उसकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। इस अचानक हुई घटना से पूरे इलाके में शोक का माहौल व्याप्त है। उधर गुवाहाटी के बशिष्ठ नदी से एक युवक का शव बरामद होने से इलाके में सनसनी फैल गई। आशंका जताई जा रही है कि शव नाले या मैनहोल के जरिए बहकर नदी तक पहुंचा होगा। स्थानीय लोगों ने आज बताया कि मृतक की पहचान हाथीगांव के नटबोमा क्षेत्र निवासी आख्तर अली के रूप में हुई है। वह रविवार से लापता बताया जा रहा था।

2000 साल के प्रयोगों के बाद दुनिया थकी अब भारत की राह देख रही : भागवत

अगरतला। त्रिपुरा की राजधानी अगरतला में एक धार्मिक कार्यक्रम के दौरान मोहन भागवत ने दुनिया की मौजूदा स्थिति और भारत की भूमिका को लेकर बड़ा बयान दिया। वे मां सौंदर्य चिन्मयी मंदिर के प्रतिष्ठा और कुंभाभिषेक कार्यक्रम में शामिल हुए थे, जहां उन्होंने अपने संबोधन में पिछले करीब 2000 वर्षों के वैश्विक इतिहास और उसके अनुभवों का जिक्र किया। अपने भाषण में उन्होंने कहा कि दुनिया ने अलग-अलग व्यवस्थाओं को अपनाकर प्रयोग किए। पहले राजाओं को सारी शक्ति दी गई, लेकिन समय के साथ कई शासक अपनी ही जनता का शोषण करने लगे। इसके बाद लोगों ने ईश्वर को सर्वोच्च मानकर भक्ति आधारित धर्मों को अपनाया, लेकिन शांति की तलाश में शुरू हुए ये रास्ते भी कई बार हिंसा और खून-खराबे में बदल गए। आरएसएस प्रमुख ने आगे कहा कि इसके बाद विज्ञान का दौर आया, जहां लोगों ने यह मानना शुरू किया कि केवल वही सच है जिसे प्रयोगशाला में साबित किया जा सके। इस दौरान विज्ञान ने इंसानों को कई सुख-सुविधाएं दीं, लेकिन असली संतोष आज भी नहीं मिल पाया। उन्होंने कहा कि आज भी समाज में दुख, परिवारों का टूटना, अपराध और युद्ध जैसी समस्याएं बनी हुई हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जितना विकास हो रहा है, उतना ही पर्यावरण को नुकसान पहुंच रहा है। अपने संबोधन के आखिरी में उन्होंने कहा कि इतने लंबे समय तक कई प्रयोगों के बाद अब दुनिया भारत की परंपराओं और ज्ञान की ओर उम्मीद से देख रही है।

22 हजार रोहिंग्याओं के लिए मसीहा बना सऊदी दबाव बनाकर बांग्लादेश से दिलाई नागरिकता

ढाका। म्यांमार से भगाए गए 22 हजार रोहिंग्याओं के लिए सऊदी अरब मसीहा बन गया है। दरअसल, सऊदी के कहने पर बांग्लादेश ने 22 हजार रोहिंग्या शरणार्थियों को बांग्लादेश का पासपोर्ट दिया है। इसकी जानकारी खुद बांग्लादेश के गृह मंत्री सलाहुद्दीन अहमद ने दी है। अहमद के मुताबिक जो लोग बांग्लादेश से वैध तरीके से सऊदी कमाने के लिए गए हैं, उन्हें हमने पासपोर्ट दिया है। ताकि, वहां पर वे ठीक से रह पाएं। दूसरी तरफ सऊदी सरकार का कहना है कि अभी भी बांग्लादेश से गए 69 हजार रोहिंग्या शरणार्थी उनके यहां बिना पासपोर्ट के रह रहे हैं। बांग्लादेश में सऊदी के राजदूत ने इन सभी के लिए तुरंत पासपोर्ट व्यवस्था करने की मांग की है। इससे पहले मंगलवार को सऊदी के दबाव में आकर पाकिस्तान ने सूडान को हथियार नहीं देने का फैसला किया था। सूडान इस वक्त गृह युद्ध में उलझा हुआ है। सऊदी अरब में लगभग 1 लाख रोहिंग्या नागरिक बांग्लादेश से गए थे। बिना पासपोर्ट के इन सभी रोहिंग्या नागरिकों की निगरानी सऊदी के लिए आसान नहीं है। सऊदी चाहता है कि इन सभी के पास वैध (लीगल) दस्तावेज हों, ताकि उन्हें पूरे सऊदी में आसानी से ट्रेस किया जा सके। साथ ही, इन रोहिंग्या लोगों को भी पूरे सऊदी में ठीक से काम करने में सुविधा हो। सऊदी को यह चिंता भी है कि यदि अभी बांग्लादेश उन्हें पासपोर्ट नहीं देता, तो भविष्य में उन्हें वापस भेजना मुश्किल हो सकता है। बांग्लादेश किसी भी कीमत पर उन्हें स्वीकार नहीं करेगा, जिससे सऊदी की परेशानी बढ़ सकती है। इसी वजह से सऊदी दबाव डालकर इन सभी का पासपोर्ट बनवाना चाहता है। सऊदी अरब विजन 2030 पर काम कर रहा है। इसके तहत अवैध नागरिकों को सऊदी अरब से बाहर निकाला जा रहा है। सऊदी का कहना है कि यहां इमिग्रेशन को लेकर कठोर कानून लागू किए जाएंगे। ऐसी स्थिति में ये लगभग 1 लाख रोहिंग्या सऊदी के लिए बड़ी चिंता का विषय बने हुए हैं।

पृष्ठ एक का शेष

पश्चिम बंगाल-तमिलनाडु ...

कूचबिहार की 9, जलपाईगुड़ी की 7, अलीपुरद्वार की 5, कलिंपोंग की एक, दार्जिलिंग की 5, उत्तर दिनाजपुर की 9, दक्षिण दिनाजपुर की 6, मालदा की 12, बीरभूम की 11, पश्चिम बर्द्धमान की 9, पूर्व मेदिनीपुर की 16, पश्चिम मेदिनीपुर की 15, झारग्राम की 4, पुरुलिया की 9 और बांकुड़ा की 12 सीटें शामिल हैं। तमिलनाडु की बात करें तो राज्य में सभी सीटों पर एक चरण में ही चुनाव संपन्न कराया जाना है। 23 अप्रैल को ही सभी 234 सीटों पर मतदान होना है। तमिलनाडु में इस बार 4,023 उम्मीदवार मैदान में हैं। चुनाव में कुल 5.73 करोड़ मतदाता अपने मत का इस्तेमाल कर उम्मीदवारों की किस्मत लिखेंगे। इस बार चुनाव में सबकी निगाहें अभिनेता से नेता बने विजय की पार्टी टीवीके पर टिकी हैं, क्योंकि कई सीटों पर उनको लोगों का काफी समर्थन मिल रहा है, इसलिए चुनाव में उनकी भूमिका काफी अहम हो सकती है।

असम में नई सरकार बनने ...

9 अप्रैल को 126 सदस्यीय विधानसभा के लिए मतदान हुआ, वोटों की गिनती 4 मई को होनी है। इस सवाल पर कि क्या इस मुद्दे को 2028 में मेघालय विधानसभा चुनाव से पहले हल किया जा सकता है, धर ने कहा कि इसकी कोई निश्चित समयसीमा नहीं है। उन्होंने कहा कि हम हमेशा इस मुद्दे को सुलझाने की कोशिश कर रहे हैं। चूंकि इसमें दोनों राज्य शामिल हैं, इसलिए हम इस मुद्दे को जल्द से जल्द सुलझाने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन यह इतना आसान नहीं है। उन्होंने कहा कि मैं यह नहीं कह सकता कि हम इसे दो साल में हल कर पाएंगे या दो महीने में, लेकिन हम इसे जल्द से जल्द हल करने की पूरी कोशिश करेंगे। पूर्वोत्तर के दोनों राज्यों ने 2022 में सीमा पर विवाद के 12 क्षेत्रों में से छह के लिए समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए थे, जिससे दशकों से चले आ रहे दावों और प्रतिदावों का अंत हो गया था। शिलांग हवाई अड्डे के विस्तार परियोजना के बारे में धर ने कहा कि निविदा पहले ही आवंटित की जा चुकी है और काम जल्द ही शुरू होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि परियोजना 18 महीनों के भीतर पूरी होने की संभावना है। देखते हैं। ऐसा लगता है कि ठेकेदार द्वारा काम पूरा करने का समय 18 महीने है, धर ने कहा कि और बताया कि राज्य सरकार केंद्र से ठेकेदार और निर्माण योजना के बारे में जानकारी मांग रही है। उन्होंने कहा कि मैंने परिवहन आयुक्त से उनसे संपर्क करने को कहा है, क्योंकि हम जानना चाहते हैं कि ठेकेदार कौन है और किस प्रकार का निर्माण कार्य होगा। शायद अगले महीने तक हमें ठेकेदार का नाम, उनकी दर और कार्य पूरा होने की समयसीमा पता चल जाएगी।

सरकार ने कोर्ट को ...

राज्य सरकार और पुलिस महानिदेशक को नोटिस जारी किया। इस संबंध में सुनवाई राज्य विधानसभा चुनाव के कार्यक्रम की घोषणा से पहले हुई थी। मतदान नौ अप्रैल को हुआ और मतगणना चार मई को होगी। साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित साहित्यकार हिरेन गोहाईं, पूर्व डीजीपी हरेकृष्ण डेका और वरिष्ठ पत्रकार परेश मलाकर ने 24 फरवरी को एक याचिका दायर की थी। भाकपा और माकपा ने भी 21 फरवरी को अलग-अलग याचिकाएं दायर की थीं। माकपा ने अपनी याचिका में भाजपा को भी प्रतिवादी बनाया था, लेकिन उच्च न्यायालय ने फिलहाल भाजपा को नोटिस जारी करने से इनकार कर दिया था।

खड़गे का विवादित...

उसकी पार्टी समानता और न्याय में विश्वास नहीं करती। और ये लोग उनके साथ जुड़ रहे हैं, इसका मतलब है कि वे लोकतंत्र को कमजोर कर रहे हैं। एआईएडीएमके-भाजपा गठबंधन पर उनका तीखा हमला तमिलनाडु चुनाव के प्रचार के आखिरी दिन आया है, जिसके लिए मतदान 23 अप्रैल को होगा। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि भाजपा जैसी पार्टी के साथ हाथ मिलाकर एआईएडीएमके लोकतंत्र और अन्नादुरई, कामराज, पेरियारज्और बाबासाहेब अंबेडकर के दर्शन को कमजोर कर रही है। हालांकि, खड़गे ने वादा किया कि कांग्रेस-डीएमके गठबंधन तमिलनाडु में कल्याण, समावेशी विकास, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सुलभ स्वास्थ्य सेवा प्रदान करना जारी रखेगा। प्रधानमंत्री मोदी पर लगाए गए अपने आतंकवादी वाले बयान पर स्पष्टीकरण मांगे जाने पर, खड़गे ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी विरोधियों को आतंकित करते हैं क्योंकि केंद्रीय एजेंसियां भाजपा के साथ मिलीभगत करके काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि मैं यह स्पष्ट करना चाहता था कि प्रधानमंत्री मोदी हमेशा हमें धमकाते हैं। मैंने आपको बताया था कि आयकर विभाग, ईडी और अन्य संस्थाएं उनके नियंत्रण में हैं। मैंने कभी नहीं कहा कि वह आतंकवादी हैं। वह हमें डरा रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी पर अपनी टिप्पणी को स्पष्ट करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि वह (प्रधानमंत्री मोदी) जनता और राजनीतिक दलों को डरा रहे हैं। मैंने कभी नहीं कहा कि वह आतंकवादी हैं... मेरा मतलब यह है, और मैं स्पष्ट करना चाहता हूं, कि मोदी हमेशा धमकी देते हैं। ईडी, आयकर और सीबीआई जैसी संस्थाएं उनके नियंत्रण में हैं। वह परिसीमन को भी अपने हाथ में लेना चाहते हैं।

केरल के पटाखा ...

के घायल होने की बात सामने आई थी, जिनमें से कम से कम आठ की हालत गंभीर बताई गई थी। घटना के तुरंत बाद एंबुलेंस मौके पर पहुंचीं और प्रशासन ने त्रिशूर मेडिकल कॉलेज सहित आसपास के अस्पतालों को अलर्ट पर रहने के निर्देश दिए, ताकि आपात स्थिति से निपटा जा सके। विस्फोट के बाद इलाके में घना धुआं और आग फैल गई, जिससे बचाव कार्यों में भी कठिनाई आई। घटनास्थल पर मौजूद अधजले और बिना फटे विस्फोटकों के कारण राहत एवं बचाव कार्य प्रभावित हुआ। पुलिस और आपातकालीन सेवाओं की टीमें मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित करने में जुट गईं। विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि इसकी आवाज कई किलोमीटर दूर तक सुनी गई, जिससे धमाके की तीव्रता और वहां मौजूद विस्फोटक सामग्री के पैमाने का अंदाजा लगाया जा सकता है। राज्य संचालित केआईएलए के कर्मचारियों ने बताया कि उन्होंने तेज धमाके की आवाज सुनी और पहले उन्हें लगा कि यह भूकंप है। एक अधिकारी ने बताया कि बाद में जब हम चाय के लिए बाहर आए, तब हमें पता चला कि यह विस्फोट था।यह हादसा त्रिशूर पूरम की तैयारियों के चरम के दौरान हुआ है, जब एक दिन पहले ही ध्वजारोहण के साथ उत्सव की औपचारिक शुरुआत हुई थी। फिलहाल विस्फोट के सटीक कारणों की पुष्टि नहीं हो सकी है, लेकिन जांच में पटाखा सामग्री के भंडारण और हैंडलिंग में सुरक्षा मानकों की अनदेखी की आशंका पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। विस्फोट के बाद आसपास के इलाकों में दहशत का माहौल है और कुछ समय के लिए जनजीवन भी प्रभावित हुआ है। प्रशासन अब पटाखा निर्माण और भंडारण से जुड़े सुरक्षा प्रोटोकॉल की समीक्षा करने की तैयारी में है, क्योंकि त्रिशूर पूरम के दौरान बड़े पैमाने पर आतिशबाजी होती है, जिसके लिए सख्त निगरानी और नियमों का पालन जरूरी होता है। फायर ब्रिगेड और पुलिस की टीमें अभी भी मौके पर राहत और बचाव कार्य में जुटी हुई हैं और हालात को काबू में लाने का प्रयास कर रही हैं। इलाके को पूरी तरह घेर लिया गया है और प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे अगली सूचना तक घटनास्थल के आसपास न जाएं। जिले के वरिष्ठ अधिकारी हालात पर लगातार नजर बनाए हुए हैं, जबकि मेडिकल टीमें घायलों का इलाज आपात आधार पर कर रही हैं।

बंगाल को भ्रष्टाचार...

वर्तमान सरकार ने यहां के उद्योगों को बंद करने का काम किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह चुनाव केवल किसी प्रत्याशी या कार्यकर्ता को जिताने का नहीं बल्कि पूरे बंगाल को भ्रष्टाचार, घुसपैठ और गुंडागर्दी से मुक्त कराने का चुनाव है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे मतदान के दिन कमल के निशान पर बटन दबाकर भाजपा की सरकार बनाएं। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति खराब है और महिलाओं पर अत्याचार की घटनाएं बढ़ी हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार बनने पर महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी और अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। गृहमंत्री ने वादा किया कि राज्य में अवैध खनन बंद किया जाएगा, रोजगार के नए अवसर पैदा किए जाएंगे और सरकारी योजनाओं को पारदर्शी तरीके से लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार बनने पर बेरोजगारों को हर महीने आर्थिक सहायता दी जाएगी, गर्भवती महिलाओं को सहयोग मिलेगा और महिलाओं के लिए बस यात्रा मुफ्त की जाएगी। साथ ही, आयुष्मान भारत योजना को प्रभावी रूप से लागू कर गरीबों को पांच लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसानों को अधिक आर्थिक सहायता दी जाएगी और युवाओं को व्यवसाय शुरू करने के लिए ऋण सुविधा प्रदान की जाएगी। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि सरकारी नौकरियों में पारदर्शिता लाई जाएगी और बिना किसी भ्रष्टाचार के नियुक्तियां की जाएंगी। गृहमंत्री ने राज्य सरकार पर विभिन्न घोटालों के आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा सरकार बनने के बाद दोषियों को कानून के तहत सजा दी जाएगी। उन्होंने कहा कि भाजपा गरीबों की किसी भी योजना को बंद नहीं करेगी बल्कि नई योजनाएं शुरू करेगी। साथ ही, सीमाओं की सुरक्षा को मजबूत किया जाएगा ताकि घुसपैठ पूरी तरह रोकी जा सके। उन्होंने कहा कि बंगाल का मुख्यमंत्री बंगाल का ही होगा और बाहरी व्यक्ति के मुख्यमंत्री बनने की अफवाहें गलत हैं। उन्होंने लोगों से एकजुट होकर बदलाव के लिए मतदान करने की अपील की और कहा कि भाजपा सरकार बनने पर राज्य में विकास, सुरक्षा और पारदर्शिता सुनिश्चित की जाएगी। मौके पर जिलाध्यक्ष देवतनु भट्टाचार्या, केशव पोद्धार, उपासना उपाध्याय मौजूद थे।

गौहाटी उच्च न्यायालय ने ...

करेगा। पेटा इंडिया ने गौहाटी उच्च न्यायालय में भैंसों के साथ कथित क्रूरता के नए फोटोग्राफिक साक्ष्य प्रस्तुत किए थे। इन दस्तावेजों में भैंसों के खुले घाव दिखाए गए थे, जिन्हें अक्सर आयोजनों के दौरान मोटी लाठियों से पीटा जाता था और नाक की रस्सियों से खींचकर लड़ने के लिए मजबूर किया जाता था, जिसके परिणामस्वरूप उन्हें चोटें आती थीं। पेटा इंडिया ने हुई घटनाओं के लिए जवाबदेही और तत्काल कार्रवाई की मांग की और गौहाटी उच्च न्यायालय के आदेशों और एनिमल वेलफेयर बोर्ड ऑफ इंडिया बनाम ए. नागराजा मामले में सर्वोच्च न्यायालय के फैसले की अवहेलना करते हुए भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए तत्काल हस्तक्षेप की मांग की। दिसंबर 2024 में, पेटा इंडिया द्वारा दायर याचिकाओं पर कार्रवाई करते हुए, गौहाटी उच्च न्यायालय ने असम सरकार की 27 दिसंबर, 2023 की मानक संचालन प्रक्रिया को रद्द कर दिया, जिसमें जनवरी में एक विशिष्ट अवधि के दौरान भैंस और बुलबुल पक्षियों की लड़ाई की अनुमति दी गई थी। उच्च न्यायालय ने आगे कहा कि मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) सर्वोच्च न्यायालय के मई 2014 के फैसले का उल्लंघन करती है, जो जानवरों के ऐसे तमाशों पर रोक लगाती है जिनमें अंतर्निहित क्रूरता शामिल हो। हम गौहाटी उच्च न्यायालय के आभारी हैं कि उन्होंने यह स्पष्ट कर दिया है कि भैंसों को दुर्व्यवहार से बचाया जाना चाहिए। डरे हुए जानवरों को सार्वजनिक तमाशे के लिए बेरहमी से पीटना आधुनिक समाज में स्वीकार्य नहीं है, पेटा इंडिया के वरिष्ठ नीति और कानूनी सलाहकार विक्रम चंद्रवंशी ने कहा।

आयात घटाना और प्रदूषण...

आज देश में कुल ईंधन की जरूरत का 87 फीसदी आयात किया जाता है, जिसकी कीमत लगभग 22 लाख करोड़ रुपए है। पश्चिम एशिया संकट के चलते इस आयात पर निर्भरता के परिणाम देश को भुगतने पड़ रहे हैं। आत्मनिर्भर बनना ही सबसे बड़ा उद्देश्य है। नई तकनीक आने से पुराने उद्योगों में असुरक्षा की भावना पैदा होती है, इसके बावजूद आयात कम करना बेहद कठिन है। उन्होंने कहा कि इस आयात को रोकने के लिए दो चीजें हैं जिनका समाधान सरकार के पास नहीं है। जनसंख्या और ऑटोमोबाइल की तेजी से बढ़ती संख्या। कई घरों में चार लोग रहते हैं लेकिन गाड़ियों की संख्या सात या आठ होती है। स्क्रैपिंग नीति से अच्छे परिणाम मिल रहे हैं क्योंकि देश में कचरे की मात्रा बहुत बढ़ गई है। एल्यूमीनियम, तांबा, प्लास्टिक, रबर और स्टील का आयात होता है। यदि इनका पुनर्चक्रण किया जाए तो ऑटोमोबाइल की लागत 30 फीसदी तक कम हो जाती है। गडकरी ने कहा कि जब लागत कम होगी तो दोपहिया वाहनों का निर्यात और बढ़ेगा। वर्तमान में देश की सभी स्वदेशी दोपहिया वाहन कंपनियां कुल निर्माण का 50 फीसदी निर्यात करती हैं। यह सेक्टर रोजगार देने वाला बड़ा क्षेत्र है और 4.5 करोड़ युवाओं को रोजगार देता है। साथ ही यह उद्योग जीएसटी के रूप में सबसे अधिक कर राजस्व देता है और सबसे ज्यादा निर्यात करने वाला उद्योग भी है। उन्होंने कहा कि भारत को आर्थिक महाशक्ति बनाने में इस सेक्टर का बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा कि आज प्रदूषण हमारी सबसे बड़ी समस्या है। अर्थव्यवस्था, पारिस्थितिकी तंत्र और नैतिकता अगर बिगड़ जाए तो स्थिति बहुत खराब हो जाती है। ज्ञान से समृद्धि और कचरे से समृद्धि, दोनों का उपयोग करके हमें आगे जाना होगा। इससे एक से दूसरा और दूसरे से तीसरा रास्ता बन जाएगा। टिकाऊ विकास की दिशा में देश आगे बढ़ेगा।

रुपए को बूस्ट करने ...

अनिश्चितताएं थीं। फॉरेक्स विश्लेषकों ने बताया कि घरेलू शेयर बाजारों में तेजी के बावजूद लोकल करेंसी को कोई सहारा नहीं मिला। इस पर रिजर्व बैंक के उस हालिया फैसले का भी कुछ असर पड़ा, जिसके तहत उसने नॉन-डिलीवरेबल फॉरवर्ड बाजारों में सट्टेबाजी पर लगी पाबंदियों में ढील दी थी। इंटरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में, रुपया 93.25 पर खुला। दिन के कारोबार के दौरान यह गिरकर 93.63 के निचले स्तर तक पहुंच गया, लेकिन सत्र के अंत में 32 पैसे की गिरावट के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 93.48 (अस्थायी) पर बंद हुआ। सोमवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 25 पैसे की गिरावट के साथ 93.16 पर बंद हुआ था। इसका मतलब है कि रुपए में डॉलर के मुकाबले 57 पैसे की गिरावट देखने को मिल चुकी है। इससे पिछले दो सत्रों में करेंसी ने 47 पैसे की बढ़त हासिल की थी। सोमवार को रिजर्व बैंक ने 1 अप्रैल को जारी उन गाइडलाइंस को आंशिक रूप से वापस ले लिया, जिनका मकसद रुपए में होने वाली अत्यधिक सट्टेबाजी पर रोक लगाना था। बैंकिंग रेगुलेटर ने नॉन-डिलीवरेबल फॉरवर्ड बाजारों में *नेट ओपन पोजिशंस* की सीमा 10 करोड़ डॉलर (100 मिलियन यूएसडी) तय कर दी थी और बैंकों को 10 अप्रैल तक इसका पालन करने का निर्देश दिया था। संशोधित निर्देशों के तहत, अधिकृत डीलर या बैंक अब भारत में रहने वाले या अनिवासी उपयोगकर्ताओं को भारतीय रुपए (आईएनआर) से जुड़े नॉन-डिलीवरेबल डेरिवेटिव अनुबंध फिर से पेश कर सकते हैं। हालांकि, उन्हें *संबंधित-पक्ष लेनदेन* से जुड़ी कुछ पाबंदियों का पालन करना होगा। इसके अलावा, *नेट ओपन पोजिशन* पर लगी 10 करोड़ डॉलर की सीमा अभी भी लागू रहेगी। मिराए एसेट शेयरखान के रिसर्च एनालिस्ट अनुज चौधरी ने बताया कि अमेरिका-ईरान वार्ता को लेकर बनी अनिश्चितता और कच्चे तेल की कीमतों में आई तेजी के कारण रुपए में गिरावट दर्ज की गई। डॉलर की मजबूती ने भी रुपए पर दबाव डाला। हालांकि, ग्लोबल मार्केट्स में आई तेजी ने रुपए को और ज्यादा गिरने से कुछ हद तक बचा लिया। चौधरी ने कहा कि व्यापारी अमेरिका से जारी होने वाले रिटेल सेल और एडीपी रोजगार परिवर्तन के आंकड़ों से संकेत ले सकते हैं। यूएसडी-आईएनआर स्पॉट प्राइस के 93.30 रुपए से 93।90 रुपए के दायरे में कारोबार करने की उम्मीद है। इस बीच, डॉलर इंडेक्स—जो छह प्रमुख मुद्राओं की एक टोकरी के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को मापता है—0.19 प्रतिशत बढ़कर 98.09 पर पहुंच गया। ब्रेंट क्रूड, जो तेल का वैश्विक बेंचमार्क है, वायदा कारोबार में 0.70 प्रतिशत की गिरावट के साथ 94।81 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। विश्लेषकों ने कच्चे तेल की कीमतों में इस उतार-चढ़ाव की वजह होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल की आपूर्ति में रुकावटों को लेकर बनी लगातार चिंताओं को बताया। इसके अलावा, अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष-विराम समझौता बुधवार को समाप्त होने वाला है। ताजा घटनाक्रम में, ईरान के मुख्य वार्ताकार ने मंगलवार को कहा कि तेहरान धमकियों के दबाव में बातचीत नहीं करेगा, जबकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिया कि उन्हें ईरान के साथ संघर्ष खत्म करने की कोई जल्दी नहीं है। घरेलू शेयर बाजारों में, 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 753.03 अंक या 0.96 प्रतिशत की बढ़त के साथ 79,273.33 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 211.75 अंक या 0.87 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,576.60 पर पहुंच गया। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने सोमवार को लगभग 1,059.93 करोड़ रुपए के शेयर बेचे।

शहबाज-मुनीर के लिए ...

आसिम मुनी नोबेल शांति पुरस्कार के सबसे ज्यादा उम्मीदवार हैं। कई लोगों ने दुनिया के नेताओं से अपील की कि वे इन्हें नॉमिनेट करें। अब तो खैबर पख्तूनख्वा विधानसभा में मंगलवार को एक प्रस्ताव पेश किया गया, जिसमें प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और रक्षा बलों के प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर को कूटनीति के माध्यम से क्षेत्रीय तनाव कम करने में उनकी भूमिका के मद्देनजर नोबेल शांति पुरस्कार के लिए अनुशंसित किया गया। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) की विधायक फराह खान ने यह प्रस्ताव विधानसभा सचिवालय को दिया। इसमें वैश्विक और क्षेत्रीय स्तर पर बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के समय पाकिस्तान की *जिम्मेदार, विवेकपूर्ण और सक्रिय कूटनीतिक भागीदारी* की सराहना की गई है। प्रस्ताव की विषयवस्तु के अनुसार, क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय दोनों स्तर पर शांति को बढ़ावा देने और उसे बनाए रखने में पाकिस्तान के योगदान को स्वीकार किया गया है। इसमें शहबाज शरीफ और आसिम मुनीर के नेतृत्व की सराहना की गई है, जिसमें उनके दूरदर्शी नेतृत्व, रणनीतिक दूरदर्शिता और अथक कूटनीतिक प्रयासों को रेखांकित किया गया है। प्रस्ताव में दावा किया गया है कि पाकिस्तान ने अपनी वैश्विक स्थिति को मजबूत किया है और एक जिम्मेदार, शांतिप्रिय और सुलह को बढ़ावा देने वाले राष्ट्र के रूप में उभरा है, साथ ही अपनी कूटनीतिक भूमिका के लिए अंतरराष्ट्रीय पहचान बनाई है। इसमें कहा गया है कि देश के प्रयासों ने संभावित वैश्विक संकट को टालने और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर दबाव को कम करने में योगदान दिया। प्रस्ताव का समापन यह कहते हुए किया गया है कि शहबाज शरीफ और आसिम मुनीर के योगदान को स्वीकार करते हुए उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामांकित किया जाए। इस बीच, राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि सदन में इस प्रस्ताव पर चर्चा होने की संभावना कम है, क्योंकि बहुमत पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के पास है और वह इसका विरोध कर सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर प्रस्ताव पेश भी किया जाता है, तो उसके पारित होने की संभावना न के बराबर है। जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ प्रमुख इमरान खान ने 2022 में मुनीर की सेना प्रमुख के रूप में नियुक्ति का विरोध किया था। शहबाज और मुनीर के लिए नोबेल शांति पुरस्कार की मांग संबंधी इसी तरह का एक प्रस्ताव पंजाब विधानसभा ने 16 अप्रैल को सर्वसम्मति से पारित किया था।

भूकंप के झटकों से ...

वाले लोग दहशत में आ गए। झटके महसूस होते ही लोग अपने घरों से बाहर भाग गए। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के मुताबिक, भूकंप का केंद्र अक्षांश: 24.703 एन, देशांतर: 94.415 ई पर 62 किलोमीटर की गहराई में था। झटके इतने तेज थे कि इसका असर नगालैंड और असम में भी देखा गया। हालांकि अभी तक किसी से हताहत होने या किसी बड़े नुकसान की खबर नहीं है। इसके पहले सोमवार को भी उत्तराखंड में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। सोमवार की रात 8:32 बजेपौड़ी गढ़वाल में 3.0 तीव्रता का भूकंप आया था। इसका केंद्र 10 किलोमीटर की गहराई में था। वहीं सोमवार की सुबह जापान में भी 7.4 तीव्रता का भूकंप आया। तब जापान के समंदर में 80 सेमी तक ऊंची लहरें उठी थीं, जो तटों से टकराई थी। जापान में सुनामी का भी अलर्ट जारी किया गया है।

ईरानी टीवी का स्क्रीन ...

धर्मतांत्रिक व्यवस्था के भीतर संभवत: जारी उस आंतरिक बहस को दर्शाता है जिसमें वह सप्ताहांत में अमेरिकी नौसेना द्वारा एक ईरानी कंटेनर पोत पर कब्जा किए जाने पर अपनी प्रतिक्रिया को लेकर विचार कर रहा है। ईरान की धर्म आधारित व्यवस्था में कट्टरपंथी नेता सरकारी टेलीविजन को लंबे समय से नियंत्रित करते रहे हैं। अब तक किसी अधिकारी ने यह स्वीकार नहीं किया है कि कोई प्रतिनिधिमंडल इस्लामाबाद जाएगा। पाकिस्तान के इस्लामाबाद में संभावित वार्ता के लिए अधिकारियों ने पहले से तैयारी कर ली है। यदि युद्धविराम के लिए दूसरे दौर की वार्ता होती है तो अमेरिका के उपराष्ट्रपति जे डी वेंस के इन वार्ताओं के लिए अमेरिकी दल का नेतृत्व करने की संभावना है।

एआई से अश्लील वीडियो बनाकर वायरल करने वाला आरोपी गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। क्राइम ब्रांच के साइबर सेल ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीक का उपयोग कर अश्लील वीडियो तैयार कर उसे वायरल करने के आरोप में एक साइबर अपराधी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान माधव बर्मन के रूप में हुई है, जो गुवाहाटी के बिरुबाड़ी इलाके का निवासी है। उसे प्राग न्यूज चैनल के स्वत्वाधिकारी संजीव नारायण द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर पकड़ा गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, आरोपी ने एआई टूल्स का इस्तेमाल कर संजीव नारायण और मर्मिता मित्रा का आपत्तिजनक वीडियो तैयार किया था। बाद में इस वीडियो को एक फेसबुक पेज पर अपलोड कर वायरल किया गया, जिससे व्यापक चिंता उत्पन्न हुई। घटना के बाद संजीव नारायण ने क्राइम ब्रांच का रुख किया, जिसके बाद मामले की जांच शुरू की गई और आरोपी को गिरफ्तार किया गया। आरोपी माधव बर्मन को पानबाजार स्थित क्राइम ब्रांच थाने में लाया गया और मामले की आगे की जांच जारी है।

गौहाटी हाईकोर्ट ने कांग्रेस नेता पवन खेड़ा की जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित रखा

गुवाहाटी (हिंस)। गौहाटी उच्च न्यायालय ने कांग्रेस नेता पवन खेड़ा की अग्रिम जमानत याचिका पर मंगलवार को फैसला सुरक्षित रख लिया। यह मामला असम के मुख्यमंत्री की पत्नी पर कथित मानहानिकारक टिप्पणी से जुड़ा है। न्यायमूर्ति पार्थिव ज्योति सैकिया की एकल पीठ ने दोनों पक्षों की दलीलें तीन घंटे से अधिक समय तक सुनने के बाद आदेश सुरक्षित रखा। वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने दलील दी कि उनके मुवक्किल के फरार होने की कोई आशंका नहीं है और इस मामले में हिरासत में पूछताछ की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि मामला राजनीतिक प्रतिशोध से प्रेरित है और इसके संदर्भ में मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के बयानों

का उल्लेख किया। वहीं, असम के महाधिवक्ता देबजीत लोन सैकिया ने याचिका का विरोध करते हुए कहा कि मामला केवल मानहानि तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें धोखाधड़ी और जालसाजी जैसे गंभीर आरोप भी शामिल हैं। उन्होंने खेड़ा को संभावित रूप से फरार होने वाला बताते हुए अंतरिम राहत देने का विरोध किया। यह मामला रिनिकी भुइयां शर्मा द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर दर्ज किया गया है। उल्लेखनीय है कि खेड़ा ने भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज मामले में अग्रिम जमानत के लिए हाईकोर्ट का रुख किया था। इससे पहले तेलंगाना हाई कोर्ट ने उन्हें सात दिनों की ट्रांजिट अग्रिम जमानत दी थी, जिसे बाद में उच्चतम न्यायालय ने स्थगित कर दिया।

लुकू मियां हत्याकांड में चार मुख्य आरोपी गिरफ्तार, हथियार बरामद

कछार (हिंस)। जिले के जिरिघाट थाना क्षेत्र में हुए लुकू मियां हत्याकांड में पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए चार मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई को मामले की जांच में अहम प्रगति माना जा रहा है। कछार पुलिस मुख्यालय द्वारा मंगलवार को दी गई आधिकारिक जानकारी के अनुसार पुलिस द्वारा की गई तलाशी के दौरान आरोपियों के पास से हथियार और अन्य सामग्री बरामद की गई। बरामद सामान में दो फैक्ट्री निर्मित 12 बोर की राइफल, एक .22 पिस्तौल, 12 बोर की चार गोलियां, .22 की चार गोलियां तथा तीन मोबाइल फोन शामिल हैं। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सहारुल हक लस्कर (27) पुत्र नुरुल हक लस्कर, साजुल इस्लाम लस्कर (26) पुत्र ऐनुद्दीन लस्कर, बाबुल हक चौधरी (34) पुत्र स्वर्गीय अहमद बस्क चौधरी-सभी निवासी जिरिघाट थाना क्षेत्र, कछार-और सुजान अख्तर लस्कर (18) पुत्र ऐनुल हक लस्कर, निवासी सोनाबारीघाट दक्षिण कृष्णापुर, रंगिरखारी थाना क्षेत्र, कछार के रूप में हुई है। ज्ञात हो कि कछार जिले में जमीन का एक पुराना विवाद सोमवार को जानलेवा बन गया। जिरीघाट पुलिस थाने के अंतर्गत आने वाले कदमतल्ला गांव में कथित तौर पर 60 वर्षीय लुकू मियां को गोली मार दी गई और बाद में पीट-पीटकर उसकी हत्या कर दी गई। बताया जा रहा है कि सोमवार को कुछ हथियारबंद लोग उसके घर आए थे। हमलावरों ने उसे घर से बाहर बुलाया और फिर लाठियों से हमला करने से पहले उसे गोली मार दी। उसने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। पुलिस को शक है कि यह हत्या इलाके में जमीन के एक लंबे समय से चले आ रहे विवाद का नतीजा है, जिसके चलते कुछ समय से वहां तनाव बना हुआ था। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, मामले की विस्तृत जांच जारी है और इस हत्याकांड के पीछे के कारणों तथा अन्य संभावित कड़ियों का पता लगाया जा रहा है।

महिला आरक्षण पर भाजपा पर बरसीं दिव्या मदेरणा

श्याम प्रकाश सिंह

गुवाहाटी। कांग्रेस नेता एवं राजस्थान की पूर्व विधायिका दिव्या मदेरणा ने गुवाहाटी के राजीव भवन में संवाददाता सम्मेलन कर भाजपा पर महिला आरक्षण और परिसीमन को लेकर तीखा हमला बोला। असम प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में मंगलवार को आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि 2023 में पारित महिला आरक्षण विधेयक को तुरंत लागू किया जाए, जिस पर कांग्रेस समर्थन देगी। मदेरणा ने आरोप लगाया कि भाजपा महिला आरक्षण के नाम पर परिसीमन को आगे बढ़ाना चाहती है। उन्होंने 2011 के आंकड़ों के आधार पर परिसीमन का विरोध करते हुए इसे जनता के साथ धोखा बताया और कहा कि सरकार महिलाओं के मुद्दों पर गंभीर नहीं है।

मंगलदै में युवक-युवती का शव बरामद

दरंग (हिंस)। असम के मंगलदै के बरुवापाड़ा क्षेत्र में एक सनसनीखेज घटना सामने आई है, जहां एक युवक और एक युवती का शव संदिग्ध अवस्था में बरामद किया गया। पुलिस ने आज बताया कि मृत युवक की पहचान आजिजुल के रूप में हुई है, जो इस्लामपुर का निवासी था, जबकि युवती बरुवापाड़ा इलाके की रहने वाली बताई गई है। दोनों के शव युवती के घर से बरामद होने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दोनों के बीच लंबे समय से प्रेम संबंध था। प्रारंभिक तौर पर प्रेम संबंध के चलते आत्महत्या की आशंका जताई जा रही है, हालांकि वास्तविक कारण का अभी तक पता नहीं चल पाया है। सूचना मिलते ही मंगलदै पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है।

असम प्रदेश भाजपा कांग्रेस के महिला-विरोधी रवैए के खिलाफ राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन की तैयारी में जुटी

गुवाहाटी (हिंस)। कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन के कड़े विरोध में, जिसने भारत में महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को आगे बढ़ाने में खुद को एक बाधा के रूप में पेश किया है, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पूरे देश में लगातार विरोध प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित कर रही है। असम में भी प्रदेश भाजपा 23 अप्रैल को पूरे राज्य में *महिला आक्रोश* विरोध-प्रदर्शन करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। पार्टी कार्यकर्ताओं ने सभी स्तरों पर (ज़िला, मंडल और बूथ) इस आंदोलन की जबरदस्त सफलता सुनिश्चित करने के लिए पहले ही खुद को लामबंद कर लिया है। विरोध प्रदर्शन कार्यक्रम को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए, प्रदेश भाजपा ने 26 नेताओं को विशेष जिम्मेदारियां सौंपी हैं, जिनमें गुवाहाटी से सांसद बिजुली कलिता मेधी, बीटीसी की कार्यकारी सदस्य रेखा रानी दास बोड़ो, पूर्व सांसद क्वीन ओझा और पार्टी के महासचिव अनूप बर्मन शामिल हैं। प्रदेश अध्यक्ष और दरंग-उदालगुरी निर्वाचन क्षेत्र से सांसद दिलीप सैकिया ने पार्टी मुख्यालय में गुवाहाटी महानगर ज़िले के पदाधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण *बैठक* में तैयारियों की व्यक्तिगत रूप से समीक्षा की है। उन्होंने सभी महिलाओं से कांग्रेस के महिला-विरोधी फैसलों के खिलाफ एकजुट होने का आह्वान किया है और पार्टी कार्यकर्ताओं को एक मजबूत और निर्णायक प्रतिरोध खड़ा करने का निर्देश दिया है। प्रदेश भाजपा मुख्यालय, अटल बिहारी वाजपेयी भवन से मंगलवार को जारी एक बयान में, पार्टी प्रवक्ता प्रांजल कलिता ने जोर देकर कहा कि देश और उसके लोगों के लिए शुरू की गई हर कल्याणकारी पहल का विरोध करना कांग्रेस पार्टी की एक अंतर्निहित संस्कृति बन गई है। *नारी बंधन (संशोधन) विधेयक, 2026* का विरोध करके, कांग्रेस ने न केवल महिला सशक्तिकरण के खिलाफ रुख अपनाया है, बल्कि लगातार राष्ट्रीय हितों के विपरीत भी काम किया है। उन्होंने कहा कि इससे पहले, कांग्रेस ने अनुच्छेद 370 को हटाने, सीएए, राम मंदिर के निर्माण, तीन तलाक को खत्म करने, नक्सलवाद के सफाए, सर्जिकल स्ट्राइक, हवाई हमले और ऑपरेशन सिंदूर जैसे ऐतिहासिक फैसलों का विरोध किया है। फिलहाल, संसद की 74 महिला सदस्यों में से 31 भाजपा से हैं, जबकि कांग्रेस के पास सिर्फ 14 महिला सांसद हैं। इस भारी अंतर के बावजूद कांग्रेस और उससे जुड़ा वामपंथी खेमा, महिलाओं के लिए आरक्षण का समर्थन करने के बजाए, भाजपा पर राजनीतिक मकसद से हमले करने में लगा है; इन हमलों में अक्सर महिलाओं को निशाना बनाते हुए अपमानजनक और अशोभनीय टिप्पणियां भी की जाती हैं। प्रवक्ता ने कहा कि महिलाओं को सशक्त बनाना और समाज में उन्हें उनका उचित स्थान दिलाना हमेशा से ही भाजपा का एक मुख्य उद्देश्य रहा है। पार्टी महिलाओं के विकास, गरिमा और अधिकारों को आगे बढ़ाने के लिए पूरी तरह से दृढ़ और प्रतिबद्ध है।

मैं जिंदा हूं, मेरी मौत नहीं हुई, मृतक लौटा घर

चराईदेव (हिंस)। एक बेहद चौंकाने वाली और रहस्यमय घटना में, मृत घोषित किया गया एक युवक अगले ही दिन जीवित अपने घर लौट आया, जिससे पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। मंगलवार को मिली जानकारी के अनुसार, चराईदेव जिला मुख्यालय शहर सोनारी निवासी विजय कुर्मी नामक युवक की मौत होने की सूचना पुलिस द्वारा बीते रविवार को उसके बड़े भाई को दी गई थी। इसके बाद परिजनों ने अस्पताल से शव लाकर अंतिम संस्कार भी कर दिया। लेकिन घटना ने नाटकीय मोड़ तब ले लिया जब अगले ही दिन यानी 20 अप्रैल को विजय कुर्मी खुद साइकिल चलाकर अपने घर पहुंच गया। उसे सामने देखकर परिवार के सदस्य स्तब्ध रह गए और उन्हें कुछ समझ में नहीं आया। इस घटना के प्रकाश में आने के बाद पूरे क्षेत्र में तीव्र चर्चा और हैरानी का माहौल है। सबसे बड़ा सवाल यह बना हुआ है कि विजय के भाई बिनोद कुर्मी ने आखिर किसके शव का अंतिम संस्कार किया। फिलहाल इस मामले को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है और घटना ने पहचान प्रक्रिया तथा संबंधित व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। फिलहाल मामले की जांच जारी है।

असम में राष्ट्रीय सिविल सेवा दिवस का आयोजन, ईमानदारी व निष्पक्षता पर जोर

गुवाहाटी (हिंस)। असम प्रशासनिक स्टाफ कॉलेज में मंगलवार को राष्ट्रीय सिविल सेवा दिवस 2026 का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन असम सरकार के कार्मिक विभाग तथा प्रशासनिक सुधार, प्रशिक्षण, पेंशन एवं लोक शिकायत विभाग द्वारा किया गया। कार्यक्रम में असम के मुख्य सचिव डॉ. रवि कोटा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में सिविल सेवा दिवस के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि यह दिन शासन में सिविल सेवकों की भूमिका पर चिंतन का अवसर प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि संविधान निर्माताओं ने सिविल सेवाओं को शासन में एकता, अखंडता और निरंतरता सुनिश्चित करने वाली संस्था के रूप में परिकल्पित किया था। संवैधानिक

व्यवस्था का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि सिविल सेवा प्रणाली मेरिट, निष्पक्षता, संस्थागत ईमानदारी और जवाबदेही के सिद्धांतों पर आधारित है। उन्होंने सरदार वल्लभभाई पटेल के विचारों का उल्लेख करते हुए स्वतंत्र और निष्पक्ष सिविल सेवा की आवश्यकता पर जोर दिया। साथ ही डॉ. भीमराव आंबेडकर के योगदान का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने लोक सेवा आयोग जैसी संस्थाओं के माध्यम से नियम आधारित और मेरिट आधारित प्रणाली को स्थापित किया। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में सरकारें बदल सकती हैं, लेकिन सिविल सेवकों की भूमिका स्थायी रहती है। उन्होंने अधिकारियों से अपने कर्तव्यों के निर्वहन में पेशेवरिता, निष्पक्षता और संवैधानिक मूल्यों के पालन पर बल देने का आह्वान किया। मुख्य सचिव ने कहा कि सिविल सेवाएं एक समन्वित प्रणाली के रूप में कार्य करती हैं, जिसमें सभी की भूमिकाएं परस्पर जुड़ी होती हैं। उन्होंने पदस्थापन और कैरियर प्रगति से जुड़े मुद्दों पर कहा कि अधिकारियों को पदों की धारणा से अधिक सेवा और जिम्मेदारियों पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि वास्तविक संतुष्टि जनसेवा के प्रति समर्पण से मिलती है। उन्होंने यह भी कहा कि सार्वजनिक सेवा में निरंतर प्रयास और प्रतिबद्धता की आवश्यकता होती है तथा चुनौतीपूर्ण कार्य सीखने और सुधार के अवसर प्रदान करते हैं। बदलते शासन परिदृश्य के अनुरूप खुद को ढालने और कार्यान्वयन तथा परिणामों पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता पर भी उन्होंने जोर दिया। अंत में उन्होंने अधिकारियों से अपने कर्तव्यों के निर्वहन में ईमानदारी, निष्पक्षता, साहस और चरित्र के मूल्यों को बनाए रखने का आह्वान किया। इस अवसर पर विशेष मुख्य सचिव एमके यादव, अतिरिक्त मुख्य सचिव मुकेश साहू, प्रधान सचिव जीडी त्रिपाठी, आयुक्त एवं सचिव एमएस मणिवन्नन सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में अधिकारियों ने जनसेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पुनः दोहराया।

डिगबोई में युवक की मौत के बाद हिंसक विरोध, वाहनों में लगाई आग

तिनसुकिया (हिंस)। डिगबोई में एक युवक की मौत के बाद स्थानीय लोगों का गुस्सा फूट पड़ा और सड़कों पर उग्र विरोध प्रदर्शन देखने को मिला। आक्रोशित लोगों ने दो वाहनों को आग के हवाले कर दिया।

मृतक की पहचान आकाश तिवारी के रूप में हुई है। घटना के बाद बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर उतर आए और विरोध प्रदर्शन किया, जिससे इलाके में तनाव का माहौल बन गया। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच तीखी झड़प भी हुई, जिससे स्थिति और अधिक बिगड़ गई। पुलिस ने हालात को नियंत्रित करने की कोशिश की, लेकिन प्रदर्शनकारियों का विरोध जारी रहा। इस मामले में आकाश सिंह नामक व्यक्ति के खिलाफ हत्या का आरोप लगाया गया है। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है और इलाके में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त बल तैनात किया गया है।

नागशंकर स्थित रेलवे लाइन के किनारे शव बरामद

विश्वनाथ (विभास)। आज सुबह करीब 5 बजे नागशंकर में एक सुनसान जगह रेलवे फाटक के पास रेलवे लाइन के किनारे एक शव मिला। कर्मचारियों ने तुरंत रेलवे के उच्च अधिकारियों और विभागीय अधिकारियों को इसकी सूचना दी, जिसके बाद सतिया पुलिस थाने के कर्मी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव के साथ मिले पहचान पत्र के आधार पर मृतक की पहचान बिहार के पटना निवासी जगदीश मिश्रा के रूप में की हैं शुरुआती जांच से पता चला है कि यह घटना एक दुर्घटना हो सकती है या फिर आत्महत्या भी हो सकती है है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

रंगिया : रंगाली बिहू के अवसर पर अभामामस का ऑनलाइन प्रतियोगिता

रंगिया (विभास)। रंगाली बिहू के उपलक्ष्य में अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की रंगिया शाखा द्वारा एक विशेष ऑनलाइन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। बिहू नृत्य के रील बनाने वाली इस प्रतियोगिता को कुल चार शाखाओं में आयोजित किया गया। जिसमें कई प्रतियोगियों ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में साईं सामर्थ्य दिक्षीत, समृद्धि गुप्ता, सौम्या सीकरिया और पूजा लुंडिया विजयी हुईं। संयोजक सुषमा सिकरीया, नीलम अग्रवाल और अंजली अग्रवाल की अगुवाई में आयोजित इस प्रतियोगिता के निर्णायक के रूप में अंतर्राष्ट्रीय लोक कलाकार तथा विशिष्ट बिहू प्रशिक्षक रूपम दास उपस्थित रहे। वहीं कार्यक्रम में उपस्थित वरिष्ठ महिला विद्या शर्मा, मंजू शर्मा के साथ सम्मेलन की सदस्य मोनिका अग्रवाल और गुड्डी सिंघानिया ने विजेताओं को ट्रॉफी और प्रशस्ति पत्र प्रदान किए। वहीं शाखा अध्यक्ष अरुणा अग्रवाल, सचिव संगीता सीकरिया के साथ गुंजन लुंडिया ने विजेताओं को बधाई दी।

विधायक भवेश कलिता ने रंगिया में *थेराप्यूटिक योग वेलनेस सेंटर* का किया उद्घाटन

रंगिया (विभास)। आज रंगिया में खैराबारी रोड के पास मुरारा में *थेराप्यूटिक योग वेलनेस सेंटर* नामक एक नए योग चिकित्सा केंद्र उद्घाटन किया गया। सेंटर का उद्घाटन रंगिया के विधायक भवेश कलिता ने कई मेहमानों और स्थानीय लोगों की मौजूदगी में किया। इस मौके पर उन्होंने अपने भाषण में कहा कि योग एक पुरानी भारतीय शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक प्रैक्टिस है। इसका मुख्य मकसद शरीर, मन और आत्मा के बीच तालमेल बिठाना है। योग की जरूरत और फायदों को समझते हुए अब पूरी दुनिया इसे अपना रही है। योग आज की बिजी लाइफस्टाइल में किसी व्यक्ति को हेल्दी और मेंटली मजबूत रहने में मदद कर सकता है। योग सिर्फ एक व्यायाम नहीं है-यह जीने का एक तरीका है। बताया गया है कि नए बने इस सेंटर का मकसद घुटने का दर्द, जोड़ों का दर्द, कंधे का दर्द, स्ट्रेस, एंग्जायटी, साइटिका, माइग्रेन और डायबिटीज जैसी विभिन्न बीमारियों के लिए योग चिकित्सा के जरिए इलाज देना है। उम्मीद जताई गई है कि इससे

रंगिया और उसके आस-पास के इलाकों के लोगों के स्वास्थ्य को प्राकृतिक और असरदार तरीके से बेहतर बनाने में अहम भूमिका निभाएगी। वहीं मिली जानकारी के अनुसार इस योग चिकित्सा केंद्र को रामचरण डेका चलाएंगे, जिन्हें योग के क्षेत्र में पिछले 25 साल से भी अधिक का तजुर्बा है। वे पिछले 10 सालों से एनएफ रेलवे सेंट्रल हॉस्पिटल, मालीगांव में थेराप्यूटिक योग इंस्ट्रक्टर के तौर पर और सेवा भारती ईस्टर्न रीजन के योग हेड के तौर पर काम कर रहे हैं। उनके नेतृत्व में, नॉर्थ ईस्ट इंडिया में एक हजार से ज्यादा लोगों को पहले ही योग टीचर के तौर पर ट्रेनिंग दी जा चुकी है। इसके अलावा इस योग केंद्र में प्रोफेशनल योग इंस्ट्रक्टर और थेराप्यूटिक योग और माइंडफुलनेस मेडिटेशन के एक्सपर्ट विश्जीत काकोती भी शामिल हैं। इस मौके पर स्वयं सेवक संघ, रंगिया नगर के संघ चालक दिलीप लहकर सहित कई गणमान्य लोग शामिल रहे।

धुबड़ी शहर में सड़क और नाला निर्माण कार्य में निम्नस्तर के सामग्री इस्तेमाल करने का आरोप

धुबड़ी (विभास)। धुबड़ी शहर में सड़क और नाला निर्माण के लिए 12 मार्च 2023 को क्षेत्र के विधायक नजरुल हक और नगर पालिका की अध्यक्षता में आधारशिला रखी गई। यह आधारशिला मुख्यमंत्री की विशेष योजना के तहत जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यालय से न्यू मार्केट तक 8.82 किलोमीटर लंबी सड़क और नाला निर्माण के लिए 3 करोड़ 50 लाख 50000 रुपए आवंटित किए गए थे। हालांकि दो साल बीत जाने के बाद भी ठेकेदार और विभागीय लापरवाही के कारण काम अभी तक पूरा नहीं हो पाया है। वहीं शहर के सचेत नागरिकों का आरोप है कि ठेकेदार बहुत धीमी गति से काम कर रहा है, जिसके कारण शहर के जगह-जगह कीचड़ और पानी जमा हो गया है। इससे आम आदमियों का यातायात में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है और आए दिन कुछ ना कुछ दुर्घटनाएं हो रही है। इसके अलावा नाला निर्माण के इस्तेमाल की जा रही निर्माण सामग्री निम्नस्तर की सीमेंट, लोहा आदि इस्तेमाल किए जा रहे हैं। धुबड़ी शहर के सचेत नागरिकों ने इस घटिया निर्माण कार्य के खिलाफ आवाज बुलंद करना शुरू कर दिया है। आम लोगों ने मांग की है कि उक्त सड़क निर्माण कार्य जल्द से जल्द और सही गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाए।

संपादकीय

ट्रंप ईमानदार वार्ता करें

यदि अमरीकी की राष्ट्रपति ट्रंप के भीतर कोई 'इनसान' मौजूद है, तो उसे उत्प्रेरक की भूमिका अदा करनी चाहिए और ट्रंप के मानस में इनसानियत के प्रति सोचने का एहसास पैदा करना चाहिए। ईरान युद्ध अब बिल्कुल खत्म होना चाहिए। बहुत विनाश और विध्वंस हो चुका है। बेशक ईरान सार्वजनिक तौर पर कबूल न करे, लेकिन वह कब्रिस्तान-सा हो चुका है। घोर आर्थिक संकट की स्थिति है। दूसरी तरफ अमरीकी कांग्रेस (संसद) का एक मजबूत पक्ष और अमरीका की ही बहुतायत जनता राष्ट्रपति ट्रंप पर युद्ध खत्म करने का चौतरफा दबाव डाल रहे हैं। ईरान का परिष्कृत यूरेनियम कब्जाने की नाकामी के कारण दुनिया को 'फिरौती' के लिए विवश नहीं किया जा सकता। गौरतलब यह है कि बीते साल वैश्विक अर्थव्यवस्था की विकास-दर 3.4 फीसदी थी। ट्रंप के टैरिफवाद के बावजूद यह बढ़ोतरी साधारण थी। जनवरी में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने आकलन दिया था कि 2026 में भी कमोबेश विकास-दर 3.4 फीसदी ही रहेगी। अब उसने अपना आकलन संशोधित कर कहा है कि अर्थव्यवस्था घट कर 3.1 फीसदी हो सकती है, लेकिन आईएमएफ के ही मुख्य अर्थशास्त्री का आकलन 2.5 फीसदी तक लुढ़कने का है। आखिर यह गिरावट क्यों है? क्योंकि ईरान युद्ध बुनियादी तौर पर अब भी जारी है और होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग की तालाबंदी, नाकाबंदी की गई है। नतीजतन सैकड़ों देशों के तेल-गैस, खाद, अन्य उपयोगी सामानों की आवाजाही ठप है। होर्मुज बंद होने के कारण और तेल-गैस ठिकानों के, ईरानी हमलों में, क्षतिग्रस्त होने के कारण खाड़ी देशों ने उत्पादन ही कम कर दिया है। एक अनुमान है कि 50 करोड़ बैरल तेल का उत्पादन कम किया गया है, जिसकी कीमत 50 अरब डॉलर बताई जा रही है। कोई भी देश एलएनजी होर्मुज के पार नहीं भेज पा रहा है, नतीजतन उर्वरक, अल्युमीनियम, हीलियम, सल्फर आदि की घोर कमी सामने आई है। खाद 300 डॉलर प्रति टन महंगी हो गई है। तांबा और निकल (सफेद चांदी जैसी धातु) के उत्पादन भी प्रभावित हुए हैं। निकल का इस्तेमाल स्टेनलेस स्टील और सिक्के बनाने में होता है। बहरहाल यदि जंग जारी रही, तो वैश्विक अर्थव्यवस्था की विकास-दर मात्र 2 फीसदी हो सकती है। यदि राष्ट्रपति ट्रंप के भीतर दुनिया के प्रति चिंताएं और सरोकार हैं, तो उन्हें ईरान के साथ सार्थक, ईमानदाराना बातचीत करनी चाहिए। अपने प्रतिनिधिमंडल को ऐसे ही निर्देश देने चाहिए, जिससे समझौता हो सके। ट्रंप को बार-बार ईरान के सभी बिजली संयंत्र, पुल, रेल नेटवर्क को तबाह, बर्बाद करने के बयानों से बचना चाहिए। राष्ट्रपति स्तर का कोई भी व्यक्ति ऐसी भाषा नहीं बोलता। यह साम्राज्यवाद की भाषा है। ट्रंप को शेष दुनिया के विशेषज्ञ और नेतागण 'सनकी', 'मानसिक विक्षिप्त', 'बेवकूफ' मान रहे हैं, तो उसकी बुनियादी वजह यही है कि वह दुनिया को अपना 'गुलाम' बना लेना चाहते हैं। अमरीका और इजरायल ईरान के करीब 90,000 घर मिट्टी-मलबा कर चुके हैं। सैकड़ों अस्पताल और स्कूल जमींदोज कर दिए गए हैं। इजरायल का प्रधानमंत्री तो 'आदमहंता' है। न जाने विनाश और विध्वंस से उसे क्या सुकून मिलता है या कौनसी सुरक्षा निहित है! ईरान कुल 25 लाख करोड़ रुपए का नुकसान आंक रहा है, लिहाजा अमरीका समेत सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कतर आदि खाड़ी देशों से भी ईरान मुआवजा मांग रहा है। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम की रपट है कि ईरान युद्ध से करीब 25 लाख लोग गरीबी की चपेट में आ चुके हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि 51 दिन के बाद अब भी युद्ध समाप्त कर दिया जाए, तो भी तेल-गैस के दाम 2030 से पहले सामान्य स्तर पर लौटना मुश्किल हैं। होर्मुज के सामान्य होने में ही तीन माह लगेंगे। वहां अब भी 128 टैंकर फंसे हैं, जिनमें 16 करोड़ बैरल तेल है। बाजार के भी 13-14 जहाज, टैंकर होर्मुज में फंसे हैं। दो जहाजों पर तो गोलीबारी भी हो चुकी है। युद्ध से चौतरफा संकट पैदा हुए हैं। विश्व इतिहास का सबसे घोर ऊर्जा-संकट झेल रहा है। ऐसे में राष्ट्रपति ट्रंप चाहें, तो जंग खत्म हो सकता है।

ईरान का परिष्कृत यूरेनियम कब्जाने की नाकामी के कारण दुनिया को 'फिरौती' के लिए विवश नहीं किया जा सकता। गौरतलब यह है कि बीते साल वैश्विक अर्थव्यवस्था की विकास-दर 3.4 फीसदी थी। ट्रंप के टैरिफवाद के बावजूद यह बढ़ोतरी साधारण थी। जनवरी में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने आकलन दिया था कि 2026 में भी कमोबेश विकास-दर 3.4 फीसदी ही रहेगी। अब उसने अपना आकलन संशोधित कर कहा है कि अर्थव्यवस्था घट कर 3.1 फीसदी हो सकती है, लेकिन आईएमएफ के ही मुख्य अर्थशास्त्री का आकलन 2.5 फीसदी तक लुढ़कने का है। आखिर यह गिरावट क्यों है? क्योंकि ईरान युद्ध बुनियादी तौर पर अब भी जारी है और होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग की तालाबंदी, नाकाबंदी की गई है। नतीजतन सैकड़ों देशों के तेल-गैस, खाद, अन्य उपयोगी सामानों की आवाजाही ठप है। होर्मुज बंद होने के कारण और तेल-गैस ठिकानों के, ईरानी हमलों में, क्षतिग्रस्त होने के कारण खाड़ी देशों ने उत्पादन ही कम कर दिया है। एक अनुमान है कि 50 करोड़ बैरल तेल का उत्पादन कम किया गया है, जिसकी कीमत 50 अरब डॉलर बताई जा रही है। कोई भी देश एलएनजी होर्मुज के पार नहीं भेज पा रहा है, नतीजतन उर्वरक, अल्युमीनियम, हीलियम, सल्फर आदि की घोर कमी सामने आई है।

कुछ अलग

झाल मूड़ी खाओ

राजनीति के 'ज्वारभाटा' में मुझे धर्मेन्द्र की फिल्म 'ज्वारभाटा' का 'दाल-रोटी खाओ' वाला गीत याद आ रहा है। मेरा दिल गा रहा है, 'झाल मूड़ी खाओ, प्रभु के गुण गाओ।' लेकिन दिल 'मोर' मांगता है। अंग्रेजी वाला मोर। मोर कहने पर हो सकता है कि आपके दिमाग में लोक कल्याण मार्ग पर बने प्रधान सेवक के सरकारी आवास का वह चित्र कौंध जाए, जिसमें उन्होंने मोर को दाना खिलाया था। एक तो हमारे मदरलैंड में साल भर चलने वाले चुनावों को जीतने की प्रधान सेवक की अदम्य लालसा, दूजे हमारे फादरलैंड के पीएम बीबी और अमेरिका के कोलम्बस डोनाल्ड डक द्वारा थोपा गया ईरान युद्ध चैन नहीं लेने दे रहा, उसके बीच एपस्टीन फाइल का कहर। ऐसे में बेचारा आदमी बंगाल के चुनावों में रैली से वक्त निकाल कर अपनी जेब दस रुपए खर्च करके झाल मूड़ी भी न खाए तो क्या करे। मुझे तो डर था कि गोदी चैनल चीख-चीख कर यह न बताने लग जाएं कि ब्रेकिंग न्यूज, ब्रेकिंग न्यूज- 'आजादी के बाद पहली बार किसी पीएम ने अपनी जेब से दस रुपए खर्च करके एक गरीब की दुकान पर झाल मूड़ी खाया।' दरअसल प्रधान सेवक देश को संदेश देना चाहते थे कि देश में महंगाई पर केन्द्र सरकार का पूरा नियंत्रण है। किसी विपक्षी दल द्वारा शासित प्रदेश में भी एक गरीब दस रुपए खर्च करके झाल मूड़ी खा सकता है। इस नेक काम में बेरोजगारी भी आड़े नहीं आती। अगर गरीब को काम न भी मिले तो वह भीख मांग कर झाल मूड़ी खा सकता है। हमारे प्रधान सेवक ने भी पैंतीस साल भिक्षा मांग कर खाया था। लेकिन प्रधान सेवक के इतने सहज और सुलभ होने के बावजूद लोग उनका पीछा नहीं छोड़ रहे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के लिए यह पहला अवसर है जब कोई विधेयक पारित होने से लोकसभा में वंचित रह गया

महिला आरक्षण की फिर वही परिणति क्यों

अवधेश कुमार

लगभग 12 वर्षों के शासनकाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के लिए यह पहला अवसर है जब कोई विधेयक पारित होने से लोकसभा में वंचित रह गया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने घोषणा किया कि विधेयक के पक्ष में 298 तथा विरोध में 230 मत पड़े। हालांकि सदन के बहुमत में विधायक के पक्ष में वोट डाला किंतु संविधान संशोधन विधेयक होने के कारण दो तिहाई बहुमत यानी चाहिए था और इसलिए यह पारित नहीं हो सका। यानी कुल 528 लोकसभा सदस्य उपस्थित थे तो 352 सदस्यों का समर्थन चाहिए था वैसे उपस्थिति से 34 ज्यादा सांसदों ने सरकार के पक्ष में वोट डाला। अगर सामान्य विधेयक होता तो पारित हो गया होता। 1996 से महिलाओं को लोकसभा और राज्य की विधानसभा में आरक्षण देने का मामला लटका हुआ है और विरोधी किसी न किसी बहाने इसमें अड़चन डालते आ रहे हैं। किसी का तर्क कुछ भी हो निष्कर्ष यही है वही प्रक्रिया फिर दोहराई गई है। अब इसमें गुणात्मक अंतर यह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार ने सितंबर 2023 में नारी शक्ति वंदन अधिनियम के नाम से 33% महिलाओं के आरक्षण का कानून संसद द्वारा पारित करवा लिया है। इसलिए उसको लागू तो होना है। किंतु अब विधेयक के गिर जाने से 2029 लोकसभा चुनाव में यह लागू नहीं हो सकता। इसके लिए हमें 2034 की प्रतीक्षा करनी पड़ेगी। दरअसल, 2023 के अधिनियम में यह प्रावधान था कि अगली जनगणना और फिर परिसीमन हो जाने के बाद इसे लागू किया जाएगा। तब अनुमान यह था कि जनगणना और परिसीमन की प्रक्रिया 2029 तक पूरी हो चुकी होगी इसलिए इसे लागू करने में समस्या नहीं होगी। चूंकि यह पूरी नहीं हुई तो नरेंद्र मोदी सरकार ने इसे संविधान संशोधन के जरिए तत्काल लागू करने का रास्ता चुना। पूरे प्रकरण का कठोर सच यह है कि इन तीनों विधेयकों में ऐसा कुछ नहीं था जिसको आशंका की दृष्टि से देखा जाए और जिसका इस सीमा तक विरोध हो कि काले झंडे और काले बिल्ले तक पार्टियां व सांसद लगा लें। इनमें संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026 लोकसभा की सीटों की अधिकतम संख्या को बढ़ाकर 850 करने का प्रावधान करता था जिनमें राज्यों के लिए 815 और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए 35 सीटें थीं। दूसरा, परिसीमन विधेयक, 2026 नई जनगणना के आधार पर निर्वाचन क्षेत्रों के पुनर्निर्धारण के लिए परिसीमन आयोग के गठन का प्रावधान करता था। और तीसरा, केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक, 2026 दिल्ली, जम्मू-कश्मीर और पुडुचेरी जैसे केंद्र शासित प्रदेशों में महिला आरक्षण लागू करने के लिए था। विपक्ष का मुख्य विरोध पहले विधेयक से था। वस्तुतः संसद का विशेष सत्र आरंभ होने के पहले ही विपक्ष ने अविश्वसनीय रूप से विरोधी रख अपनाकर अपने संसदीय व्यवहार का संकेत दे दिया था। विपक्ष के सभी नेताओं ने, जिनमें महिला सांसद भी शामिल हैं नारी शक्ति वंदन अधिनियम संशोधन संबंधी विधेयकों का जैसा विरोध किया उसमें साफ हो गया कि इनका पारित होना संभव नहीं है। भाजपा के मंत्रियों ने विपक्ष के नेताओं से बात करनी शुरू की। स्वयं प्रधानमंत्री ने दो पोस्ट से अपील की। इसके पहले वे अपने भाषण में अपील कर चुके थे कि श्रेय आप लोग ले लीजिए लेकिन महिला आरक्षण में बाधा मत बनिए। उन्होंने यहां तक कहा कि मैं इसके लिए तैयार हूं कि कल आप सबकी तस्वीर समाचार पत्रों में छपवाकर श्रेय दूंगा। लेकिन विपक्ष पहले से मन बनकर बैठा था। उन्होंने अपनी अपील में लिखा कि अपने घर में मां-बहन- बेटी -पत्नी सबको देखिए और उनके अधिकार के लिए विचार कर मतदान करिए। निष्पक्ष होकर विवेक, तथ्य और तर्क के साथ विचार करनेवालों का निष्कर्ष है कि पूरा विरोध एकपक्षीय अतिवाद से ग्रस्त रहा। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने तो इसे देश विरोधी और देश को बांटने वाला विधायक तक करार दिया। उन्होंने कहा कि ये देश का भूगोल बदलना चाहते हैं जो हम कभी नहीं होने देंगे। इससे अधिक अतिवादी वक्तव्य और कुछ नहीं हो सकता। उनका भाषण भाजपा के वरिष्ठ सांसदों को भी इतना आपत्तिजनक लगा कि राजनाथ सिंह जैसे नेताओं को लोकसभा अध्यक्ष से अपील करनी पड़ी कि इन्हें रिकॉर्ड से हटाया जाए। राहुल गांधी के भाषण के एक बड़े अंश को असंसदीय करार देकर हटा दिया गया। सदन में विपक्ष के नेता के भाषण के अंशों को असंसदीय श्रेणी में ला दिया जाए इससे दुखद स्थिति कुछ नहीं हो सकती। अगर इरादा विधेयक पर बहस कर इसमें उचित संशोधन करना हो तो आपके भाषण में उससे संबंधित सुझाव होते हैं। सरकार की राजनीतिक आलोचना में समस्या नहीं है। किंतु पूरी बहस सामान्य आलोचना ही नहीं विधेयक के विषय वस्तु से भी काफी दूर चला गया था। प्रश्न उठाया जा रहा था कि आखिर 850 सीटों का आपका आधार क्या है? इसी तरह के दक्षिण के राज्यों को इसमें नजरअंदाज किया जा रहा? बजट सत्र में गृह मंत्री अमित शाह ने विपक्ष के नेताओं से बातचीत शुरू की तो बताया होगा कि हर राज्य की 50% लोकसभा एवं विधानसभा की सीटें बढ़ाने का फार्मूला तय हुआ है। सोचा गया कि आज परिसीमन हो तो लोकसभा एवं विधानसभाओं की कितनी सीटें बढ़ सकतीं हैं। गृह मंत्री ने स्पष्ट किया कि अगर उत्तर प्रदेश की सीट 80 से 120 हो रही है तो तमिलनाडु की 39 से 59। इसी तरह अन्य राज्यों के भी विवरण दिए गए। हंगामा इस पर भी था कि 2011 की जनगणना को आधार क्यों बनाया गया? गृह मंत्री का उत्तर था कि 2011 की जनगणना का आधार बनाते तो तमिलनाडु की सुट केवल 49 होती। यही सच है। यहां दो बातें समझने की है। एक, वर्तमान 543 सीटों में 33% आरक्षण क्यों नहीं दिया गया? 2023 में जब विधेयक पारित हुआ तभी उसमें जनगणना और परिसीमन का प्रावधान था। विपक्ष ने विरोध नहीं किया? 1996 से उसके विरोध के पीछे सबसे बड़ा कारण यही था कि आपसी बातचीत में नेता बोलते थे कि 543 में से 33% महिलाओं को मिल गया तो अनेक पुरुष नेताओं को घर बैठ जाना पड़ेगा और राजनीति का नाश हो जाएगा। पिछड़ों के आरक्षण आदि का बहाना बनाया गया। तो पुराने अनुभवों का ध्यान रखते हुए मोदी सरकार ने रास्ता निकाला कि 543 सीटें जस की तस रहें और बढ़ी 272 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंश सहमति हुई तभी 2023 में कानून बन सका। आज यह तर्क देने वाले अपनी सरकारों में इसके लिए तैयार नहीं थे। 1996 में विरोध करने वाले उस संयुक्त मोर्चा सरकार के साथी थे तो 2008 से 2010 तक विरोध करने वाले संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन के साथी। इनमें समाजवादी पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल और कुछ समय तक जनता दल यूनाइटेड अग्रणी रहे। दूसरे दलों के सांसद भी साथ देते रहे। अटल बिहारी वाजपेयी सरकार ने 1998 और 1999 में महिला आरक्षण विधेयक चलाया किंतु आम सभमति नहीं बन सकी। 2010 में राज्यसभा में भाजपा के समर्थन से विधेयक पारित हुआ किंतु उनके साथी दलों ने विरोध किया और लोकसभा में पारित करना मुश्किल था। इस पृष्ठभूमि को जानने वाले यह प्रश्न नहीं उठाएंगे। दूसरे, हर 10 वर्ष पर संविधान लोकसभा एवं विधानसभा क्षेत्रों के जनसंख्या के आधार पर परिसीमन का प्रावधान करता है। 1971 तक नियमित होता रहा। 1976 में आपातकाल के समय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी सरकार ने 42वां संशोधन कर 2001 तक लोकसभा एवं विधानसभाओं की सीटें न बढ़ाने का प्रावधान कर दिया। इस कारण 1981 और 91 में परिसीमन आयोग का गठन नहीं हुआ। 1976 में लगभग 57.5 करोड़ आबादी थी और आज 140 करोड़ से ऊपर। क्या उस आधार पर आज लोकसभा या विधानसभाओं की सीटें होनी चाहिए? 2001 में वाजपेयी सरकार ने भी परिसीमन आयोग तो बनाया लेकिन केवल क्षेत्र का समायोजन हुआ संख्या नहीं बढ़ाई। हर सरकार इस विषय को स्पर्श करने से घबराती रही, क्योंकि दक्षिणी राज्यों की आबादी उत्तर के अनुपात में कम होने के कारण उनको सीटें कम मिलती और विरोध होता। मोदी सरकार ने उसी का रास्ता निकाला। थोड़े शब्दों में कहें तो अगर दल वाकई महिला आरक्षण के पक्ष में होते तो विरोध जताते हुए कुछ संशोधन डालकर पारित कर देते। सीटों की संख्या की लिखित गारंटी के प्रश्न पर गृह मंत्री ने कहा कि आप विधेयक पारित करते हैं तो हम नया संशोधन सीटों की संख्या डालकर पेश करने को तैयार हैं। वास्तव में यह कहीं पे निशाना कहीं पे निगाहें वाली बात थी। कांग्रेस और कुछ विपक्षी दलों को दिखाना था कि हम संसद में नरेंद्र मोदी सरकार को पराजित कर सकते हैं। किसी नेता ने महिलाओं को आरक्षण न मिलने पर अफसोस प्रकट नहीं किया। श इसे लोकतंत्र की विजय बताते हुए नए दौर की शुरुआत बताया जा रहा है।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने घोषणा किया कि विधेयक के पक्ष में 298 तथा विरोध में 230 मत पड़े। हालांकि सदन के बहुमत में विधायक के पक्ष में वोट डाला किंतु संविधान संशोधन विधेयक होने के कारण दो तिहाई बहुमत यानी चाहिए था और इसलिए यह पारित नहीं हो सका। यानी कुल 528 लोकसभा सदस्य उपस्थित थे तो 352 सदस्यों का समर्थन चाहिए था वैसे उपस्थिति से 34 ज्यादा सांसदों ने सरकार के पक्ष में वोट डाला। अगर सामान्य विधेयक होता तो पारित हो गया होता। 1996 से महिलाओं को लोकसभा और राज्य की विधानसभा में आरक्षण देने का मामला लटका हुआ है और विरोधी किसी न किसी बहाने इसमें अड़चन डालते आ रहे हैं। किसी का तर्क कुछ भी हो निष्कर्ष यही है वही प्रक्रिया फिर दोहराई गई है। अब इसमें गुणात्मक अंतर यह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार ने सितंबर 2023 में नारी शक्ति वंदन अधिनियम के नाम से 33% महिलाओं के आरक्षण का कानून संसद द्वारा पारित करवा लिया है।

देश दुनीया से

पर्वतीय विकास के लिए कौन से मानदंड जरूरी

हिमालय की गोद में बसा हिमाचल प्रदेश अपनी प्राकृतिक सुंदरता और पारिस्थितिक संपदा के लिए लंबे समय से प्रशंसित रहा है। फिर भी, हाल के वर्षों में, राज्य की पहचान एक अलग ही वास्तविकता से होने लगी है- बार-बार होने वाले भूस्खलन, अचानक बाढ़ और बादल फटने जैसी आपदाएं एक गंभीर प्रश्न खड़ा कर रही हैं। क्या इतने संवेदनशील क्षेत्र में विकास को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। इसका उत्तर विकास को अस्वीकार करने में नहीं, बल्कि उसे पुनर्परिभाषित करने में निहित है। हिमाचल प्रदेश को विकास की आवश्यकता है, लेकिन ऐसे विकास की जो पहाड़ों की भौगोलिक संवेदनशीलता और जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न बढ़ते जोखिमों के अनुरूप हो। 2023 का मानसून एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ। शिमला, मंडी और कुल्लू जैसे जिलों में भारी बारिश के कारण व्यापक तबाही हुई। यह सिलसिला यहीं नहीं रुका। 2024 में, बार-बार बादल फटने और अचानक आई बाढ़ ने कुल्लू और मंडी जैसे क्षेत्रों को प्रभावित किया। एक बड़ी घटना में चार लोगों की मौत हो गई और लगभग 49 लोग लापता हो गए, जबकि पूरे मौसम में 50 से अधिक आपदाएं दर्ज की गईं और कम से कम 23 लोगों की जान गई। बुनियादी ढांचे को हुए नुकसान ने एक बार फिर दैनिक जीवन और आर्थिक गतिविधियों को बाधित कर दिया। 2025 तक, संकट एक नियमित चक्र में तब्दील हो चुका था। अकेले मानसून के मौसम में ही 448 लोगों की मौत हो गई। मंडी, कुल्लू और कांगड़ा जैसे जिलों में व्यापक तबाही मची। 2018 से 2025 तक की लंबी अवधि में, राज्य में हजारों भूस्खलन और सैकड़ों बाढ़ की घटनाएं हुईं, जिनसे कुल आर्थिक नुकसान 46000 करोड़ रुपए से अधिक हो गया। ये आंकड़े एक कड़वी सच्चाई को उजागर करते हैं, हिमाचल प्रदेश में आपदाएं अब दुर्लभ घटनाएं नहीं बल्कि एक आम बात बन गई हैं। हालांकि, यह समझना भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि ये केवल प्राकृतिक घटनाएं नहीं हैं। हिमालय की नाजुक भू-आकृति इस क्षेत्र को स्वाभाविक रूप से संवेदनशील बनाती है, लेकिन मानवीय हस्तक्षेप ने जोखिमों को काफी हद तक बढ़ा दिया है। खड़ी ढलानों पर अनियंत्रित निर्माण, सडक विस्तार के लिए अंधाधुंध पहाड़ी कटाई और नदी तटों पर अतिक्रमण ने भूभाग को अस्थिर कर दिया है। प्राकृतिक जल निकासी व्यवस्था बाधित हो गई है, जिससे भारी बारिश के दौरान बाढ़ और भूस्खलन की संभावना बढ़ गई है। विकास को समर्थन देने के लिए निर्मित अवसंरचना कई मामलों में जोखिम को और बढ़ा रही है। इस बिंदु पर, विकास का पूरी तरह से विरोध करना तर्कसंगत प्रतीत हो सकता है। लेकिन ऐसा दृष्टिकोण पर्वतीय राज्य में जीवन की वास्तविकताओं को नजरअंदाज करता है। हिमाचल प्रदेश में विकास विलासिता नहीं, बल्कि एक आवश्यकता है। उदाहरण के लिए, सडकें जीवन रेखा हैं जो दूरस्थ समुदायों को स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और बाजारों से जोड़ती हैं। आपदा के समय, ये निकासी और बचाव कार्यों के लिए आवश्यक हैं। इसी प्रकार, पर्यटन और जलविद्युत जैसे क्षेत्र राज्य की अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण हैं, जो रोजगार और राजस्व प्रदान करते हैं। निरंतर विकास के बिना, राज्य को आर्थिक गतिरोध, बेरोजगारी और ग्रामीण आबादी के बढ़ते अलगाव का खतरा है। इसके अलावा विकास लचीलापन बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। बेहतर बुनियादी ढांचा, जैसे मजबूत पुल, बेहतर जल निकासी व्यवस्था और पूर्व चेतावनी तंत्र आपदाओं के प्रभाव को कम कर सकते हैं। इस अर्थ में, समस्या विकास स्वयं नहीं है, बल्कि जिस तरीके से इसे वर्तमान में आगे बढ़ाया जा रहा है, वह है। बुनियादी ढांचे का बार-बार विनाश एक गहरे आर्थिक विरोधाभास को भी उजागर करता है। हर साल. सडकें फिर से बनाई जाती हैं, पुलों की मरम्मत की जाती है और व्यवस्थाएं बहाल की जाती हैं, लेकिन अगले मानसून में फिर से क्षतिग्रस्त हो जाती हैं। विनाश और पुनर्निर्माण का यह चक्र न केवल आर्थिक रूप से बोझिल है, बल्कि अस्थिर भी है। हजारों करोड़ रुपए के नुकसान के साथ, यह स्पष्ट है कि अवैज्ञानिक विकास लाभ से कहीं अधिक महंगा साबित हो रहा है। आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है कि हम अनियोजित और तीव्र विस्तार से हटकर सतत और आपदा-प्रतिरोधी विकास की ओर बढ़ें। इसके लिए दृष्टिकोण में मूलभूत परिवर्तन आवश्यक है। वैज्ञानिक भूमि उपयोग नियोजन सभी विकास गतिविधियों का आधार होना चाहिए। आपदा क्षेत्र निर्धारण मानचित्रों के माध्यम से यह निर्धारित किया जाना चाहिए कि निर्माण की अनुमति कहां है और कहां इसे प्रतिबंधित किया जाना चाहिए। प्रमुख अवसंरचना परियोजनाओं, विशेष रूप से भूस्खलन-संभावित क्षेत्रों में, से पहले विस्तृत भूवैज्ञानिक और भू-तकनीकी आकलन किए जाने चाहिए। निर्माण पद्धतियों में भी बदलाव की आवश्यकता है। पर्यावरण के अनुकूल तकनीकें, जैसे ढलान स्थिरीकरण, उचित जल निकासी प्रबंधन और स्थानीय रूप से उपयुक्त सामग्रियों का उपयोग, पर्यावरण पर पडने वाले प्रभाव को काफी हद तक कम कर सकती हैं। पर्यटन अवसंरचना को वहन क्षमता के आधार पर विनियमित किया जाना चाहिए, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि नाजुक पारिस्थितिक तंत्र पर अत्यधिक दबाव न पड़े। जलविद्युत विकास, यद्यपि महत्वपूर्ण है, फिर भी इसे सावधानीपूर्वक अपनाना चाहिए। एक ही नदी बेसिन के भीतर कई परियोजनाओं के दीर्घकालिक परिणामों का मूल्यांकन करने के लिए संचयी प्रभाव आकलन आवश्यक हैं। साथ ही, वनीकरण, जलसंभर प्रबंधन और प्राकृतिक जल निकासी प्रणालियों की बहाली जैसे प्रकृति-आधारित समाधान भूदृश्य के लचीलेपन को बढ़ा सकते हैं। आपदा से निपटने की तैयारियों को मजबूत करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली, सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रम और कुशल आपातकालीन प्रतिक्रिया तंत्र जीवन बचा सकते हैं और नुकसान को कम कर सकते हैं। बहरहाल, प्रदेश को टिकाऊ विकास की जरूरत है। प्रकृति की सीमाओं का सम्मान जरूरी है।

हिमाचल प्रदेश को विकास की आवश्यकता है, लेकिन ऐसे विकास की जो पहाड़ों की भौगोलिक संवेदनशीलता और जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न बढ़ते जोखिमों के अनुरूप हो। 2023 का मानसून एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ। शिमला, मंडी और कुल्लू जैसे जिलों में भारी बारिश के कारण व्यापक तबाही हुई। यह सिलसिला यहीं नहीं रुका। 2024 में, बार-बार बादल फटने और अचानक आई बाढ़ ने कुल्लू और मंडी जैसे क्षेत्रों को प्रभावित किया।

आप का नजरीया

जीवन को पढने की कला

स्कूली माहौल की दुरुस्ती में कई बदलाव गाहे बगाहे नीतियों के खाकों में होते रहते हैं, लेकिन सोच के दायरे को विस्तृत आकार देने की आवश्यकता आज भी है। पाठ्यक्रमों की उत्कृष्टता का मूल्यांकन अकसर परीक्षा परिणामों की प्रक्रिया में समाया रहता है, इसलिए व्यक्तित्व विकास की स्वाभाविकता गौण होने लगी है। बच्चों को शिक्षा के आरंभिक कक्ष से ही परीक्षाओं के लिए तैयार होना सिखाया जाता है, जहां मौलिक टेलेंट और क्षमता के दोहन को नजरअंदाज होना पड़ता है। ऐसे में छठी से आठवीं कक्षा के आर्ट एंड क्राफ्ट पाठ्यक्रम के जरिए नृत्य व संगीत की गीतात्मक ऊर्जा से बच्चों को जोडने का लिया गया फैसला प्रशंसनीय है। हालांकि यह अल्पावधि के लिए सीखने के मंच को बड़ा कर रहा, लेकिन छात्र जीवन की अभिरुचियों को इससे एक संस्थागत संगत जरूर मिलेगी। जीवन की ऊबड़ खाबड़ जमीन पर सीधे चलने की जमात भी अगर स्कूलों में लगे, तो छात्रों की व्यावहारिक कुशलता के कई आयाम भी आगे बढ़ेंगे। पढ़ते-पढ़ते कुछ क्षेत्र ऐसे भी हों कि आसानी से आगे बढ़ा जाए, जबकि प्रथम कक्षा से जमा दो तक का स्कूली सफर कई बेचैनियों, दबावों और अनिश्चितताओं से ही गुजर जाता है। बेशक पहले भी ड्राइंग व हस्त कलाओं के साथ स्कूली ज्ञान की कार्यशालाएं चलती रही हैं, मगर अब नृत्य और संगीत के सुर सुनाई देंगे, तो अभिव्यक्ति का एहसास कहीं आत्मशक्ति का नया प्रयोग बन सकता है। खास बात यह है कि इससे 'लोक शक्ति', लोक भाषा, लोक मर्यादा और लोकाचारण सुदृढ़ होगा। हिमाचल की लोकनृत्य व गीत-संगीत की शैलियां हमारी सांस्कृतिक परंपराओं की पहचान हैं और अगर इनके बीच आर्ट-क्राफ्ट के शैक्षणिक लक्षण भी खोजे जाते हैं, तो शिक्षा का अवतरण सहज और सरल हो सकता है। बच्चे आरंभिक आयु के दौर में जिस हुनर के करीब खुद खड़ा कर सकते हैं, वहां अगर स्कूल परिसर भी बाहें फैला दें, तो यह सोने पर सुहागा होगा। सीखने की कला को आदत बनाने के उपक्रम में आर्ट एंड क्राफ्ट, स्पोर्ट्स, लीडरशिप अभियान, स्काउटिंग-एनसीसी, भाषण प्रतियोगिताएं तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भागीदारी काम आती है, लेकिन शिक्षा के उच्चारण में ये कसौटियां फिजूल साबित होती हैं। स्कूल की हर गतिविधि का संयोग प्रोफेशनल उत्थान से जुडना चाहिए। उन सपनों को इबारत देने की जरूरत है, जो विज्ञान से बाहर अन्य विषयों की बुलंदी लिख सकें। शिक्षा की आंखें नहीं होती हैं, यह पाठ्यक्रम के चश्मे से वही देखती हैं, जो नीतियां दिखाना चाहती हैं। ऐसे में स्कूल के माहौल में व्यक्तित्व विकास की गुणवत्ता के मार्ग प्रशस्त करने के लिए, कम्प्यूटर लैब को तो प्राथमिकता मिल जाती है, लेकिन पुस्तकालय में रखी किताबों या अतिरिक्त ज्ञान की कुंजी तक छात्रों को कौन पहुंचाएगा। प्रायः देखा यह जाता है कि छात्र जीवन के बाद अपनी क्षमता खोजते युवाओं को विभिन्न प्रोफेशनल या रोजगार की उपलब्धता से जूझना पड़ता है। स्कूलों में आठवीं और उसके बाद ऐसे मौके आ सकते हैं, जब छात्र अपने आसपास की दुनिया को देख व महसूस कर सकें। इन दोनों संभावनाओं के बीच आठवीं तक प्रदेश भ्रमण और बारहवीं तक देश भ्रमण की अनिवार्यता का पाठ्यक्रम बने, तो दुनिया और खुद को देखने का नजरिया बदलेगा। स्कूल शिक्षा बोर्ड, शिक्षा विभाग, सरकार और अभिभावकों के योगदान से स्कूल स्तर की दो यात्राएं बच्चे को प्रदेश और देश से मुलाकात करवा कर उन्हें व्यापक दृष्टि विकसित करने में मदद कर सकती हैं। हिमाचल में कम से कम एक साइंस सिटी विकसित करके बच्चों के वैज्ञानिक सोच को आधुनिक युग की व्यावहारिकता से जोडना होगा। आश्चर्य यह कि स्कूली सपनों में आजकल कुछ निजी अकादमियों के व्यावसायिक लक्ष्य, प्रेरणा स्रोत बन जाते हैं और इसलिए बच्चे आंख मूंद कर अपने हुनर या व्यक्तित्व की ऊर्जा व शक्ति को देखादेखी या होड़ में खो देते हैं।

पाठ्यक्रमों की उत्कृष्टता का मूल्यांकन अकसर परीक्षा परिणामों की प्रक्रिया में समाया रहता है, इसलिए व्यक्तित्व विकास की स्वाभाविकता गौण होने लगी है। बच्चों को शिक्षा के आरंभिक कक्ष से ही परीक्षाओं के लिए तैयार होना सिखाया जाता है, जहां मौलिक टेलेंट और क्षमता के दोहन को नजरअंदाज होना पड़ता है। ऐसे में छठी से आठवीं कक्षा के आर्ट एंड क्राफ्ट पाठ्यक्रम के जरिए नृत्य व संगीत की गीतात्मक ऊर्जा से बच्चों को जोडने का लिया गया फैसला प्रशंसनीय है। हालांकि यह अल्पावधि के लिए सीखने के मंच को बड़ा कर रहा, लेकिन छात्र जीवन की अभिरुचियों को इससे एक संस्थागत संगत जरूर मिलेगी। जीवन की ऊबड़ खाबड़ जमीन पर सीधे चलने की जमात भी अगर स्कूलों में लगे, तो छात्रों की व्यावहारिक कुशलता के कई आयाम भी आगे बढ़ेंगे। पढ़ते-पढ़ते कुछ क्षेत्र ऐसे भी हों कि आसानी से आगे बढ़ा जाए, जबकि प्रथम कक्षा से जमा दो तक का स्कूली सफर कई बेचैनियों, दबावों और अनिश्चितताओं से ही गुजर जाता है। बेशक पहले भी ड्राइंग व हस्त कलाओं के साथ स्कूली ज्ञान की कार्यशालाएं चलती रही हैं, मगर अब नृत्य और संगीत के सुर सुनाई देंगे, तो अभिव्यक्ति का एहसास कहीं आत्मशक्ति का नया प्रयोग बन सकता है। खास बात यह है कि इससे 'लोक शक्ति', लोक भाषा, लोक मर्यादा और लोकाचारण सुदृढ़ होगा।

दृष्टि कोण

ग्रोथ पर केंद्रित है रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति

अप्रैल माह में प्रथम सप्ताह में रिजर्व बैंक द्वारा घोषित मौद्रिक नीति में, रेपो रेट और अन्य नीतिगत ब्याज दरों को समान रखने और साथ ही अपने रुख को भी यथावत 'न्यूट्रल' यानी तटस्थ रखते हुए केंद्रीय बैंक ने एक मजबूत संदेश दिया है कि कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि, सप्लाई चेन में बाधाओं, अंतरराष्ट्रीय मार्ग अवरुद्ध होने और विश्व में उथल-पुथल के बावजूद भारत के नीति निर्माता देश के बुनियादी बातों (फंडामेंटल्स) के बारे में तो आश्वस्त है ही, साथ ही साथ देश में ग्रोथ के वातावरण को बनाए रखने के लिए भी प्रतिबद्ध है। हालांकि मौद्रिक नीति घोषणा से पूर्व यह आशंका व्यक्त की जा रही थी कि 2025 के दौरान रेपो रेट में लगातार कमी का जो मार्ग अपनाया गया था, उसमें अवरोध आ सकता है और मुद्रास्फीति की अपेक्षाओं के चलते रेपो रेट में वृद्धि हो सकती है अथवा कम से कम मौद्रिक नीति रुख को डाउनग्रेड कर उसे तटस्थ से उदार, यानी 'एकोमोडेटिव' किया जा सकता है। लेकिन उन आशंकाओं को निर्मूल सिद्ध करते हुए रिजर्व बैंक ने अर्थव्यवस्था का जो खाका देश के समक्ष प्रस्तुत किया है वह यह बताता है कि वैश्विक उथल-पुथल, बढ़ती तेल कीमतों और उन वैश्विक समस्याओं के बावजूद अर्थव्यवस्था मजबूत स्थिति में है और उसके ग्रोथ के मार्ग को प्रशस्त रखते हुए रेपो रेट को 5.25 प्रतिशत ही रखना एक उचित नीति है। गौरतलब है कि मौद्रिक नीति में रेपो रेट को कम रखते हुए देश में निवेश, चिरस्थाई वस्तुओं और घरों की मांग को बढ़ाने के लिए प्रेरित किया जा सकता है, जिससे ग्रोथ बढने का मार्ग प्रशस्त होता है। लेकिन रेपो रेट को घटाने की पहली शर्त यह होती है कि देश में मुद्रास्फीति कम हो। यदि मुद्रास्फीति अधिक हो अथवा भविष्य में मुद्रास्फीति की अपेक्षाएं ज्यादा हों, तो रेपो रेट को घटाने से मुद्रास्फीति और अधिक बढ़ सकती है। इसलिए केंद्रीय बैंक (भारतीय रिजर्व बैंक) मुद्रास्फीति अधिक होने की स्थिति में रेपो रेट घटाने का जोखिम नहीं ले सकता। लेकिन वर्तमान भू-राजनीतिक स्थितियों और मुद्रास्फीति बढने के डर और बाधित सप्लाई चेन के बावजूद रिजर्व बैंक ने सोच-समझकर जोखिम उठाते हुए रेपो रेट को स्थिर रखने का कठिन फैसला लेकर, ग्रोथ के इंजन को चालू रखने का महत्वपूर्ण कार्य किया है। मुद्रास्फीति का पूर्वानुमान यह है कि यह वर्ष 2026-27 में 4.5 प्रतिशत से 4.6 प्रतिशत रह सकती है। हालांकि यह 2025-26 की मुद्रास्फीति 2.1 प्रतिशत से काफी अधिक है, फिर भी यह मौद्रिक नीति समिति के लिए निर्धारित लक्ष्य 2 से 6 प्रतिशत के बीच ही रहने का अनुमान है। मौद्रिक नीति अप्रैल 2026 के अनुसार, मौद्रिक नीति बनाते हुए इस बात का ध्यान रखना होगा कि यह मुद्रास्फीति की सीमा 4 प्रतिशत, जमा-घटा 2 प्रतिशत के बीच ही रहे। और ऐसे में जैसे ही यह सीमा के उल्लंघन होने का खतरा हो, रेपो रेट को बढ़ाना और मुद्रा के संकुचन के अन्य उपाय अपनाना आवश्यक हो जाता है। इसीलिए चूंकि मुद्रास्फीति, मौद्रिक नीति समिति के लिए निर्देशित सीमा में ही होने के कारण रिजर्व बैंक ने रेपो रेट स्थिर रखने का निर्णय लिया। रिजर्व बैंक ने 2026-27 में ग्रोथ संभावनाओं को 6.2 प्रतिशत पर रखा है। गौरतलब है कि 2025-26 में जीडीपी ग्रोथ 7.4 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। इसका मतलब है कि ग्रोथ में थोड़ी ही सही, कुछ कमी होने की संभावना है। ध्यातव्य है कि वैश्विक उथल-पुथल का ग्रोथ पर पडने वाला प्रभाव रिजर्व बैंक को विचलित नहीं कर सका। इसका कारण यह है कि भारतीय अर्थव्यवस्था की बुनियाद मजबूत है और वैश्विक हलचल भारत की ग्रोथ संभावनाओं को प्रभावित नहीं कर पाएगी। समझना होगा कि तरलता को इष्टतम स्तर पर रखना भी उतना ही जरूरी है।

लखनऊ में जन आक्रोश महिला पदयात्रा

तपती धूप में बिना रुके, बिना थके महिलाओं ने दिखाया सपा, कांग्रेस को आईना

लखनऊ (हिंस)। नारी शक्ति वंदन संशोधन विधेयक को लोकसभा में गिराने के खिलाफ राजधानी लखनऊ में महिलाओं का भारी आक्रोश देखने को मिला। मंगलवार सुबह 7 बजे से ही हजारों महिलाओं का 5 कालिदास मार्ग (मुख्यमंत्री आवास) पर पहुंचना शुरू हो गया। जैसे-जैसे दिन चढ़ता गया, सूरज की तपिश बढ़ती गई, लेकिन महिलाओं में आक्रोश कम नहीं हुआ। हाथों में सपा-कांग्रेस के खिलाफ पोस्टर लिए वे मुख्यमंत्री योगी के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने के लिए तैयार दिखीं। मुख्यमंत्री आवास पहुंची महिलाएं विपक्ष को करारा जवाब देने के लिए कई तरह के पोस्टर-बैनर लिए थीं। इन पोस्टरों पर कांग्रेस व सपा पर महिला विरोधी होने और महिला आरक्षण पर विश्वासघात से संबंधित संदेश लिखे हुए थे। पदयात्रा शुरू होने से पहले ही मुख्यमंत्री आवास के बाहर हजारों महिलाओं का हुजूम एकत्र हो चुका था। इस दौरान मंच से तमाम नेता व मंत्रीगण महिलाओं की इस शक्ति को नमन करते रहे। सुबह करीब 9 बजे जैसे ही मंत्रियों ने महिलाओं को संबोधित करना शुरू किया, आक्रोशित बहन-बेटियों ने पोस्टर लहराने शुरू कर दिए। इन पोस्टरों में *सपा की पहचान नारी शक्ति का अपमान, महिला आरक्षण पर घटिया राजनीति सपाइयों की रही है पुरानी नीति , 230 सांसदों का विरोध किसके खिलाफ,* जैसे नारों के जरिए महिलाओं ने विपक्ष के प्रति अपना गुस्सा जाहिर किया। करीब 9.40 बजे मंच पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पहुंचते ही वहां मौजूद महिलाओं ने केंद्र व प्रदेश सरकार के पक्ष में नारे लगाने शुरू कर दिए। महिलाओं ने मुख्यमंत्री योगी के सामने ही सपा-कांग्रेस का यूपी में भविष्य खत्म करने का वादा किया। उन्होंने अपने नारों के जरिए कहा कि आधी आबादी के आरक्षण का विरोध विपक्ष की राजनीति को खत्म कर देगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में लगभग 10 बजे हजारों महिलाओं ने मुख्यमंत्री आवास से जन आक्रोश पदयात्रा शुरू की। तपती धूप में सड़क पर पैदल चल रहे मुख्यमंत्री, उनके मंत्रियों और हजारों महिलाओं को देखकर सारा शहर थम गया। इस दौरान सिविल अस्पताल के सामने से विधानसभा की तरफ जा रहीं महिलाओं के नारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा।

पूर्णिया लेंसकार्ट शोरूम में श्री राम सेवा संघ ने कर्मियों को तिलक लगाया

पूर्णिया (हिंस)। बिहार में पूर्णिया शहर के लेंसकार्ट शोरूम में मंगलवार को श्री राम सेवा संघ के सदस्यों द्वारा एक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें वहां कार्यरत कर्मचारियों को टीका (तिलक) लगाया गया और *जय श्री राम* के नारे लगाए गए। इस दौरान संगठन के राणा प्रताप सिंह, कुंदन मंडल, गोलू जायसवाल, आदित्य कर्ण समेत कई लोग मौजूद रहे और सभी कर्मचारियों के साथ मिलकर आपसी भाईचारे का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान राणा प्रताप सिंह ने कहा कि देश में व्यवसाय धर्म के आधार पर नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि बड़ी कंपनियों को किसी एक समुदाय के पक्ष या विरोध में खड़ा नहीं होना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि किसी भी तरह की एकाधिकार (मोनोपॉली) की स्थिति को न तो देश में और न ही बिहार या पूर्णिया में स्वीकार किया जाएगा। दो दिनों के अंदर लेंसकार्ट के सीओ को देश और हिंदू समाज से माफी मांगना चाहिए। अन्यथा और बड़ा आंदोलन होगा। शोरूम के फ्रेंचाइजी संचालक केशव पंसारी ने इन कहा कि उनके यहां सभी धर्मों के लोग मिलजुल कर काम करते हैं। उन्होंने बताया कि किसी तरह का भेदभाव नहीं किया जाता और अगर ऊपर से कोई निर्देश भी आता है तो स्थानीय स्तर पर सभी के बीच सौहार्द बनाए रखा जाता है। उन्होंने कर्मचारियों के बीच आपसी एकता का उदाहरण देते हुए बताया कि यहां महिलाएं सिंदूर धारण करती हैं और कर्मचारी टीका लगाकर रहते हैं। पता नहीं क्यों ऊपर से ऐसा विवादित आदेश पारित किया गया।

गोली लगने से एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स में तैनात पंजाब पुलिस के डीएसपी की मौत

चंडीगढ़(हिंस)। पंजाब के फगवाड़ा में मंगलवार को एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स में तैनात एक डीएसपी की गोली लगने से मौत हो गई। डीएसपी योगेश कुमार का तीन दिन पहले ही चंडीगढ़ तबादला हुआ था। डीएसपी अपनी सरकारी रिवॉल्वर साफ कर रहे थे। इसी दौरान गोली चली और उनके सीने में लगी। कपूरथला की एसपी माधवी शर्मा ने कहा है कि यह घटना सुबह करीब साढ़े 7 बजे की है। उस समय डीएसपी योगेश कुमार अपने परिवार के सदस्यों, पत्नी, माता-पिता, बेटा और बेटी के साथ घर पर ही मौजूद थे। डीएसपी अपनी सरकारी रिवॉल्वर साफ कर रहे थे। इसी दौरान गोली चली और उनके सीने में लगी। घटना के बाद उन्हें तुरंत जालंधर के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। परिवार के बयान पर मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल, मामला गलती से गोली चलने का ही है।

महिला आरक्षण बिल पर बोले पूर्व मंत्री कृपलानी, विपक्ष फैला रहा भ्रम

चित्तौड़गढ़ (हिंस)। लोकसभा में नारी शक्ति वंदन अधिनियम संशोधन बिल गिरने के बाद देश की राजनीति में इसे लेकर आरोप -प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है। भारतीय जनता पार्टी जहां इस मुद्दे को महिला आरक्षण से जोड़कर पेश कर रही है, वहीं विपक्ष इसके विरोध में खड़ा नजर आ रहा है। इसी परिप्रेक्ष्य में मंगलवार को चित्तौड़गढ़ स्थित भाजपा कार्यालय में एक पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया, जिसमें पूर्व कैबिनेट मंत्री श्रीचंद कृपलानी ने मीडिया से विस्तार से बातचीत की। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कृपलानी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का स्पष्ट दृष्टिकोण है कि लोकसभा सीटों में जनसंख्या के अनुपात के आधार पर वृद्धि की जाए और उसमें महिलाओं को एक-तिहाई आरक्षण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष ने इस बिल का विरोध कर देशभर की महिलाओं की भावनाओं को ठेस पहुंचाई है, जिससे महिलाओं में आक्रोश का माहौल बना हुआ है। कृपलानी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि आज विपक्ष जातिगत आरक्षण के मुद्दे को लेकर भ्रम फैला रहा है, जबकि संविधान में इस प्रकार के प्रावधान को लेकर स्पष्ट नियम नहीं हैं। उन्होंने यह भी कहा कि विपक्ष द्वारा यह आरोप लगाना कि यह बिल पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु सहित अन्य राज्यों के चुनावों को ध्यान में रखकर लाया गया है, पूरी तरह निराधार है। उनके अनुसार इस विधेयक का चुनावों से कोई सीधा संबंध नहीं है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस तरह के बड़े संवैधानिक बदलाव को लागू करने में समय लगता है और इसके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए कम से कम दो वर्षों का समय आवश्यक होगा। ऐसे में यह संभावना है कि यह व्यवस्था वर्ष 2029 के लोकसभा चुनाव में लागू हो सके। संसद में बिल गिरने को लेकर कृपलानी ने कहा कि वर्ष 1976 के बाद यह पहला अवसर है जब भाजपा लोकसभा में प्रतिनिधित्व बढ़ाने का प्रयास कर रही थी, लेकिन विपक्ष ने इसे विफल कर दिया। उन्होंने एनडीए से अलग दलों पर भी तीखा प्रहार करते हुए कहा कि विपक्ष को इसके राजनीतिक परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। पत्रकार वार्ता के दौरान जब कृपलानी से यह सवाल पूछा गया कि 16 अप्रैल को राष्ट्रपति द्वारा महिला आरक्षण विधेयक को अधिसूचित किया जा चुका है, तो फिर भाजपा इसे दोबारा क्यों प्रचारित कर रही है, इस पर उन्होंने कहा कि भाजपा लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाकर आरक्षण को अधिक प्रभावी रूप से लागू करने की पक्षधर है। हालांकि, बातचीत के दौरान भाजपा के अंदर महिला नेतृत्व को लेकर उठे सवालों पर कृपलानी स्पष्ट जवाब देने से बचते नजर आए। पार्टी में अब तक एक भी महिला राष्ट्रीय अध्यक्ष नहीं बनने और पूर्व महिला मुख्यमंत्री को दरकिनार किए जाने जैसे मुद्दों पर उन्होंने कोई ठोस प्रतिक्रिया नहीं दी।

महिला कांग्रेस ने आरक्षण और परिसीमन मुद्दे पर केंद्र सरकार को घेरा

जयपुर (हिंस)। अखिल भारतीय महिला कांग्रेस अध्यक्ष अल्का लांबा ने कहा है कि संसद में 2023 में सर्वसम्मति से पारित नारी शक्ति वंदन अधिनियम (महिला आरक्षण कानून) को लागू करने में सरकार ने अनावश्यक देरी की है। उन्होंने आरोप लगाया कि करीब 30 महीने बाद 16 अप्रैल 2026 को इसका नोटिफिकेशन जारी किया गया। अल्का लांबा ने कहा कि 16 से 18 अप्रैल 2026 के बीच बुलाए गए संसद के विशेष सत्र में सरकार ने परिसीमन संशोधन विधेयक पेश किया, जबकि विपक्ष की मांग थी कि पहले सर्वदलीय बैठक बुलाकर मसौदा साझा किया जाए। लांबा ने मंगलवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि नरेंद्र मोदी सरकार ने विपक्ष की मांगों को नजरअंदाज किया और विशेष सत्र ऐसे समय बुलाया जब पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु के सांसद चुनावों में व्यस्त थे। महिला कांग्रेस ने मांग की कि वर्तमान लोकसभा की 543 सीटों में से 180 सीटों पर तुरंत महिला आरक्षण लागू किया जाए। साथ ही ओबीसी वर्ग की महिलाओं को भी आरक्षण में शामिल करने की मांग उठाई गई। प्रेसवार्ता में कहा गया कि सरकार बिना नई जनगणना के परिसीमन करना चाहती है, जो लोकतांत्रिक व्यवस्था के खिलाफ है। कांग्रेस ने मांग की कि 2026-27 में प्रस्तावित जातिगत जनगणना के आधार पर ही परिसीमन किया जाए। महिला कांग्रेस ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के समय 73वें और 74वें संविधान संशोधन का हवाला देते हुए कहा कि पंचायत और नगर निकायों में महिलाओं को आरक्षण देकर राजनीतिक भागीदारी बढ़ाई गई थी, जिसका असर आज भी दिख रहा है। महिला कांग्रेस ने चेतावनी दी कि महिला आरक्षण लागू नहीं होने तक आंदोलन जारी रहेगा। पार्टी ने आगामी मानसून सत्र में इस मुद्दे को जोरदार तरीके से उठाने की बात कही। महिला आरक्षण और परिसीमन को लेकर केंद्र और विपक्ष के बीच टकराव तेज होता जा रहा है, जिसका असर राज्यों में भी दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की यूपीए सरकार ने 2010 में राज्यसभा में बहुमत होने पर महिला आरक्षण बिल पारित करवाया था। लोकसभा में कांग्रेस का बहुमत नहीं होने से यह बिल पारित नहीं हो सका, क्योंकि सहमति नहीं बन सकी और उक्त समय भाजपा के सांसदों ने भी इस कानून को लागू करने का विरोध किया था। भाजपा की केन्द्र सरकार ने कांग्रेस के दबाव में महिला आरक्षण कानून के लिए बिल 2023 में प्रस्तुत किया क्योंकि 2024 के लोकसभा चुनाव होने थे। प्रधानमंत्री केवल राजनैतिक लाभ लेने के लिए कांग्रेस को कोस रहे हैं और यह काम 29 अप्रेल तक चलेगा, क्योंकि तब बंगाल और तमिलनाडू के चुनाव सम्पन्न होंगे।

राजस्थान के 66 लाख किसानों को मिलेगा बड़ा लाभ

जयपुर (हिंस)। राजस्थान के किसानों के लिए राहत भरी खबर है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा 22 अप्रैल को मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की छठीं किस्त जारी करेंगे। इस दौरान राज्य के 66 लाख से अधिक किसानों के बैंक खातों में 665 करोड़ रुपए से अधिक की राशि सीधे ट्रांसफर की जाएगी। यह राशि ओसियां (जोधपुर) में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में जारी की जाएगी। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसानों की भागीदारी होगी, वहीं जिला, ब्लॉक और ग्राम स्तर पर भी विशेष आयोजन किए जाएंगे। सहकारिता राज्य मंत्री गौतम कुमार दक ने बताया कि इस योजना के तहत अब तक 5 किश्तों में 71 लाख से अधिक किसान परिवारों को 2726 करोड़ रुपए से ज्यादा की राशि डीबीटी के माध्यम से दी जा चुकी है। इसके अलावा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत राज्य में 76 लाख से अधिक किसानों को 6 किश्तों में 9583 करोड़ रुपए हस्तांतरित किए गए हैं।

चंडीगढ़ में होगी किसान महापंचायत : राकेश टिकैत

जींद (हिंस)। भाकियू के प्रदेश प्रवक्ता राकेश टिकैत ने कहा कि किसानों की समस्याओं व मांगों को लेकर सरकार कुछ नही कर रही है। जल्द ही किसानों के आंदोलन को अगले चरण में ले जाते हुए चंडीगढ़ में महापंचायत का आयोजन किया जाएगा। महापंचायत को लेकर सभी जानकारी समय-समय पर किसानों को उपलब्ध करवा दी जाएगी। भाकियू के प्रदेश प्रवक्ता राकेश टिकैत मंगलवार को नई अनाज मंडी मार्केट कमेटी कार्यालय में पहुंचे और यहां पिछले 15 दिन से चल रहे अनिश्चितकालीन धरने को समाप्त करवाया। किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा कि महापंचायत को लेककर जो भी निर्णय लिए जाएंगे, उसके बारे में किसानों को अवगत करवा दिया जाएगा। इसके बाद उन्होंने धरना स्थल पर बनी 10 सदस्यीय कमेटी के साथ बंद कमरे में लगभग आधे घंटे तक रणनीतिक मंथन किया। बैठक के बाद मंच से संबोधित करते हुए टिकैत ने कहा कि अब समय आ गया है कि किसान अपने आंदोलन को और मजबूत करते हुए चंडीगढ़ की ओर कूच करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि महापंचायत की तिथि की औपचारिक घोषणा जल्द की जाएगी। जबकि संकेत देते हुए 27 मई को बड़ी बैठक का कोडवर्ड भी साझा किया। टिकैत ने किसानों को निर्देश दिए कि चंडीगढ़ कूच से पहले प्रदेश के सभी जिलों में बैठकें आयोजित कर रणनीति तैयार की जाए ताकि अधिक से अधिक किसान इस आंदोलन से जुड़ सकें। टिकैत ने कहा कि यदि चंडीगढ़ जाते समय कहीं भी पुलिस किसानों को रोकती है तो किसान वहीं अपना डेरा डालकर धरना शुरू कर देंगे। उन्होंने सरकार पर आरोप लगाया कि किसानों की मांगों को लेकर संवाद की प्रक्रिया स्पष्ट नहीं है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री से मिलने के लिए समय मांगा गया था लेकिन उचित समय और स्थान को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं की गई। इस अवसर पर भाकियू के जिलाध्यक्ष बिंद्र नंबरदार, महासचिव राजेंद्र पहलवान, रामराजी ढुल, सतेंद्र कोथ, गुरनाम, प्रकाश लोहान, जयबीर, जोगिंद्र नैन, अजमेर और सुरेश कोथ मौजूद रहे।

यूथ अगेंस्ट माफिया संगठन का अखिलेश यादव पर सीधा हमला, फियर कैलेंडर से खोला 2017 से पहले के डर का सच

लखनऊ (हिंस)। माफिया संस्कृति के विरुद्ध सामाजिक चेतना का निर्माण और युवाओं को संगठित कर एक मजबूत जनदबाव खड़ा करना यूथ अगेंस्ट माफिया संगठन का मूल उद्देश्य है। इसी क्रम में संगठन ने मंगलवार को लखनऊ विश्वविद्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर न केवल अपनी वैचारिक भूमिका स्पष्ट की, बल्कि आगामी अभियानों की रूपरेखा भी सामने रखी। संगठन ने बताया कि प्रदेश के 35 जनपदों में उसका विस्तार हो चुका है और अब *विक्टिम आउटरीच प्रोग्राम* की शुरुआत की जा रही है, जिसके तहत पदाधिकारी विभिन्न जिलों में जाकर माफिया पीड़ित परिवारों से संवाद करेंगे, उनकी पीड़ा को समझेंगे और उसे सार्वजनिक विमर्श का हिस्सा बनाएंगे। इस दौरान संगठन ने समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव पर सीधा और तीखा हमला बोला। आरोप लगाया कि उनका कुख्यात गैंगस्टर हाजी रजा के साथ सार्वजनिक रूप से दिखना अत्यंत गंभीर प्रश्न खड़े करता है। संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि हत्या, लूट और संगठित अपराध से जुड़े आरोपों में घिरे व्यक्ति के साथ इस प्रकार की निकटता राजनीतिक संदेश देती है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। संगठन ने आरोप लगाया कि सपा शासनकाल में प्रदेश में माफिया संस्कृति को संरक्षण मिला, जिससे अपराधियों का मनोबल बढ़ा और आम नागरिक भय के वातावरण में जीने को विवश हुआ। इसी संदर्भ में संगठन ने *फियर कैलेंडर* जारी किया, जिसमें वर्ष 2017 से पहले की प्रमुख आपराधिक घटनाओं का क्रमबद्ध उल्लेख किया गया है। संगठन का दावा है कि यह कैलेंडर उस दौर की सजीव तस्वीर प्रस्तुत करता है, जब कानून का भय समाप्त हो गया था और अपराधियों का दबदबा चरम पर था। इसके साथ ही संगठन ने उत्तर प्रदेश आर्थिक सर्वे रिपोर्ट भी जारी की। रिपोर्ट में यह रेखांकित किया गया है कि असुरक्षा और अराजकता का वातावरण किसी भी प्रदेश की अर्थव्यवस्था को किस प्रकार प्रभावित करता है। संगठन के अनुसार, जब कानून-व्यवस्था कमजोर होती है तो निवेश ठहर जाता है और विकास की गति बाधित होती है। राष्ट्रीय अध्यक्ष आशुतोष सिंह ने कहा कि *अखिलेश यादव को प्रदेश की जनता के समक्ष यह स्पष्ट करना चाहिए कि वह किन परिस्थितियों में ऐसे आपराधिक छवि वाले व्यक्ति के साथ दिखाई दे रहे हैं। यह केवल व्यक्तिगत संबंध का विषय नहीं, बल्कि सार्वजनिक जीवन की जवाबदेही का प्रश्न है।* उपाध्यक्ष योगेश वर्मा ने कहा कि *फियर कैलेंडर* हमारे लिए मात्र एक प्रकाशन नहीं, बल्कि उस दौर की ऐतिहासिक स्मृति है, जिसे प्रदेश ने भुगता है। हमारा उद्देश्य है कि समाज उस अनुभव को भूले नहीं और भविष्य में ऐसे हालात दोबारा न बनने दे। उपाध्यक्ष अर्पित जगदीश ने कहा कि हम युवाओं और छात्रों के बीच जाकर संवाद कर रहे हैं। आज की पीढ़ी यह जानना चाहती है कि क्या उत्तर प्रदेश फिर उसी अराजक दौर की ओर लौटेगा। यह सवाल केवल राजनीति का नहीं, बल्कि भविष्य की दिशा का है। महामंत्री अनुभव तिवारी ने कहा कि आर्थिक सर्वे रिपोर्ट स्पष्ट संकेत देती है कि अपराध और माफिया तंत्र किसी भी राज्य की प्रगति के लिए सबसे बड़ा अवरोध होते हैं। यदि निवेश और विकास को गति देनी है, तो कानून-व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी ही होगी। संगठन ने यह भी आरोप लगाया कि हाजी रजा को माफिया अतीक अहमद का राइट हैंड माना जाता है।

लुधियाना में कबाड़ी की दुकान में धमाका, एक की मौत, एक घायल

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के लुधियाना में कबाड़ी की दुकान में मंगलवार को जोरदार धमाका होने से एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि एक अन्य घायल हो गया। घटना लुधियाना के हंबड़ा स्थित बंसल स्क्रैप में उस समय घटी जब कबाड़ी का कारिंदा स्क्रैप तोड़ रहा था। सीसीटीवी फुटेज के अनुसार दुकान मालिक शिव कुमार निब्बी के दो कर्मचारी कबाड़ में से स्क्रैप निकालने के लिए आग जलाकर काम कर रहे थे। इसी दौरान उन्होंने अनजाने में कोई संदिग्ध चीज आग में फेंक दी, जिससे जोरदार विस्फोट हो गया। दोनों कर्मचारी सीधे तौर पर धमाके की चपेट में आ गए। घटना की सूचना मिलते ही लाडोवाल थाना के प्रभारी अमृतपाल सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस के अनुसार हादसे की चपेट में आए चंदन कुमार और बाबा फूल पासवान को अस्पताल पहुंचाया गया।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की मौजूदगी में 21 जोड़े बंधे परिणय सूत्र में

भीलवाड़ा (हिंस)। जोगणियां माता शक्तिपीठ की पावन धरा एक बार फिर सामाजिक एकता, परंपरा और संस्कारों के अद्भुत संगम की साक्षी बनी। रावणा राजपूत समाज (भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, कोटा, बूंदी) के तत्वावधान में आयोजित नौवां सामूहिक विवाह सम्मेलन भव्यता और गरिमा के साथ हजारों लोगों की मौजूदगी में सम्पन्न हुआ। मंदिर परिसर शहनाइयों की मधुर धुन, वैदिक मंत्रोच्चार और खुशियों के रंग से सराबोर नजर आया। इस अवसर पर देश के लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने आशीर्वाद समारोह को संबोधित करते हुए समाज के गौरवशाली इतिहास को याद किया। उन्होंने कहा कि रावणा राजपूत समाज साहस, वीरता और समर्पण की परंपरा का प्रतीक रहा है और समय के साथ खुद को ढालते हुए निरंतर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने हाइफा के वीर नायक मेजर दलपत सिंह के शौर्य का उल्लेख करते हुए कहा कि उनका इतिहास आज भी युवाओं को प्रेरित करता है। कार्यक्रम में सामाजिक और राजनीतिक मांगों की भी गूंज सुनाई दी। सेवा संस्थान के प्रदेश अध्यक्ष रणजीत सिंह सोजाला ने समाज का एक नाम राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज कराने की मांग लोकसभा अध्यक्ष के समक्ष रखी। उन्होंने समाज के लोगों से आह्वान किया कि आने वाले चुनावों में एकजुट होकर ऐसे जनप्रतिनिधियों का समर्थन करें जो समाज के हितों के लिए कार्य करें। मुख्य संरक्षक दलपत सिंह सांखला ने एक कदम आगे बढ़ते हुए जोधपुर हवाई अड्डे का नाम हाइफा हीरो मेजर दलपत सिंह देवली के नाम पर रखने की मांग रखी। साथ ही उन्होंने राजनीतिक क्षेत्र में रावणा राजपूत समाज को उचित प्रतिनिधित्व देने की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यक्रम में बेगूं विधायक सुरेश धाकड़ ने समाज के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताते हुए बड़ा एलान किया। उन्होंने जोगणियां माता में रावणा राजपूत समाज की धर्मशाला निर्माण के लिए विधायक कोष से 10 लाख रुपए देने की घोषणा कर तालियां बटोरीं। उनके इस एलान से समाज के लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला। आयोजन समिति के अध्यक्ष शंभु सिंह सोलंकी ने जानकारी देते हुए बताया कि सम्मेलन के दौरान तुलसी विवाह की परंपरा के साथ कुल 21 जोड़ों का वैदिक रीति-रिवाजों के साथ विवाह संपन्न कराया गया। दूल्हा-दुल्हन पारंपरिक परिधानों में सजे-धजे नजर आए और परिवारों के चेहरों पर खुशी साफ झलक रही थी। कार्यक्रम में भीलवाड़ा के पूर्व सांसद सुभाष चन्द्र बहेड़िया और जोगणियां माता शक्ति पीठ प्रबंधन एवं विकास संस्थान के अध्यक्ष सत्यनारायण जोशी ने भी अपने विचार रखे। जोशी ने समाज को हरसंभव सहयोग देने का भरोसा दिलाया। पूरे आयोजन के दौरान सामाजिक एकता, सहयोग और संस्कारों की अनूठी मिसाल देखने को मिली। हजारों की भीड़ के बीच संपन्न यह सामूहिक विवाह सम्मेलन न केवल समाज के लिए गर्व का क्षण बना, बल्कि नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जुड़े रहने का संदेश भी दे गया।

सरकारी स्कूलों का इस्लामीकरण करना बंद करें शिक्षा विभाग : नन्हें

सहरसा (हिंस)। जिला अंतर्गत कई सारे हिंदी भाषी विद्यालय को उर्दू मकतब के नियमानुसार चलाने के विरोध में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ धर्म जागरण के जिला संयोजक सागर कुमार नन्हें ने जिला शिक्षा पदाधिकारी से मिलकर ज्ञापन सौपा। ज्ञापन में उन्होंने कहा बार बार हमलोगों को जिले के अंतर्गत जिला प्रशासन के द्वारा संचालित होने वाले विद्यालयों के अध्यापक, पढ़ने वाले छात्र छात्राओं के अभिभावक एवं समाज के कई गणमान्य के द्वारा यह शिकायत लगातार मिल रही है, कि हिंदी विद्यालयों को उर्दू मकतब के अनुसार संचालित किया जा रहा है। इस वजह से वहां पढ़ने वाले अधिसंख्य हिंदू छात्र-छात्राओं अभिभावक, शिक्षकों को कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे कितने विद्यालय हैं जो कि हिंदी भाषी हैं और वहां उर्दू मकतब के अनुसार छुट्टी से लेकर हर नियम परिनियम से चल रहा है जिस वजह से समाज के अंदर कई गंभीर प्रश्न उठ रहे हैं। उन्होंने कहा ऐसा प्रतीत हो रहा है कि हिंदी स्कूलों का उर्दू मकतब के अनुसार संचालित कर इस्लामीकरण करने का प्रयास किया जा रहा है जबकि अधिसंख्य पढ़ने वाले छात्र-छात्रा और पढ़ाने वाले शिक्षक हिंदू हैं। उन्होंने कहा 7 दिनों के अंदर उक्त विषय को संज्ञान में लेकर ऐसे सभी विद्यालय जो हिंदी हैं उन्हें हिंदी भाषी नियम परिनियम से ही संचालित किया जाय, अन्यथा स्कूल को इस्लामीकर करने का प्रयास करेंगे तो हमलोगो आंदोलन करेंगे एवं विधानसभा और लोकसभा में भी आवाज उठेगा। मौके पर सिंडीकेट मेंबर मेजर डॉ. गौतम कुमार, भाजपा युवा मोर्चा जिला महामंत्री राणा करणजीत सहित अन्य मौजूद थे।

स्कूटर यामाहा फासिनो 125 एफआई हाइब्रिड 2026 पेश

नई दिल्ली

जापानी वाहन निर्माता यामाहा मोटर कंपनी ने अपना नया हाइब्रिड स्कूटर यामाहा फासिनो 125 एफआई हाइब्रिड 2026 पेश किया है। कंपनी ने इसे विशेष रूप से उन उपभोक्ताओं को ध्यान में रखकर तैयार किया है, जो रोजमर्रा के उपयोग के लिए एक किफायती, आधुनिक और विश्वसनीय विकल्प की तलाश में हैं।

यह स्कूटर अपने पहले के संस्करणों के मुकाबले अधिक आकर्षक डिजाइन, उन्नत तकनीक और बेहतर ईंधन दक्षता के साथ बाजार में उतारा गया है। यामाहा फासिनो 125 एफआई हाइब्रिड 2026 के डिजाइन में इस बार व्यापक बदलाव किए गए हैं, जिससे यह स्कूटर पहले से ज्यादा आधुनिक और प्रीमियम दिखता है। इसके पिछले हिस्से को पूरी तरह से नया रूप दिया गया है, जिससे इसकी उपस्थिति और अधिक आकर्षक बन गई है। नई शैली की पिछली रोशनी और संकेतक इसे एक अलग पहचान देते हैं।

इसके अतिरिक्त, नए ग्राफिक्स और रंग संयोजन स्कूटर को ताजगी भरा और युवा वर्ग के अनुरूप बनाते हैं, जो इसे भीड़ में अलग दिखाने का काम करते हैं। इस स्कूटर में 125 घन सेंटीमीटर क्षमता का वायु-शीतित और ईंधन प्रवाह प्रणाली से लैस इंजन दिया गया है। यह इंजन हाइब्रिड तकनीक के साथ आता है, जिसमें एक विशेष मोटर जनरेटर प्रणाली जोड़ी गई है। यह प्रणाली वाहन को चालू करने और रोकने की स्वचालित व्यवस्था के साथ काम करती है, जिससे ईंधन की बचत होती है और चलाने का अनुभव अधिक सहज हो जाता है। कंपनी के अनुसार, यह स्कूटर लगभग 65 किलोमीटर प्रति लीटर तक का शानदार माइलेज देने में सक्षम है, जो इसे दैनिक उपयोग के लिए बेहद किफायती बनाता है।

यामाहा फासिनो 125 एफआई हाइब्रिड 2026 में कई उपयोगी सुविधाएं भी दी गई हैं, जो इसे सुरक्षित और सुविधाजनक बनाती हैं। इसमें साइड स्टैंड इंजन कट-आफ जैसी सुरक्षा सुविधा शामिल है, जो दुर्घटनाओं को रोकने में मदद करती है। इसके अलावा, इसमें 21 लीटर क्षमता का अंडर-सीट स्टोरेज दिया गया है, जिसमें हेलमेट या अन्य जरूरी सामान आसानी से रखे जा सकते हैं। यह स्कूटर ई20 ईंधन के अनुकूल भी है, जो भविष्य के पर्यावरणीय मानकों को ध्यान में रखते हुए एक महत्वपूर्ण विशेषता मानी जा रही है। यामाहा मोटर कंपनी ने इस स्कूटर को तीन अलग-अलग वेरिएंट्स में पेश किया है, जिससे ग्राहक अपनी जरूरत और बजट के अनुसार विकल्प चुन सकते हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

आरबीआई ने रुपए के ट्रेड पर लगी पाबंदियां हटाईं, अब फारेक्स डीलर्स एनडीएफ मार्केट में पोजीशन ले सकेंगे

मुंबई। रिजर्व बैंक आफ इंडिया ने 20 अप्रैल को रुपए की अस्थिरता को रोकने के लिए विदेशी मुद्रा डीलरों (फारेक्स डीलर्स) पर लगाए गए कुछ प्रतिबंधों को वापस ले लिया है। अब डीलर्स आफशोर नान-डेलिवरेबल फारवर्ड मार्केट (एनडीएफ) में फिर से पोजीशन ले सकेंगे। आरबीआई के यह कदम उठाने से कुछ दिन पहले ही गवर्नर संजय मल्होत्रा ने संकेत दिया था कि ये पाबंदियां अनिश्चित काल के लिए लागू नहीं रहेंगी। केंद्रीय बैंक ने स्पष्ट किया है कि अधिकृत डीलरों (आथोराइज्ड डीलर्स) को अब रेजिडेंट या नान-रेजिडेंट यूजर्स को रुपए से जुड़े नान-डेलिवरेबल डेरिवेटिव कान्ट्रैक्ट्स आफर करने से रोकने की जरूरत नहीं होगी। कान्ट्रैक्ट रीबुक करने की भी अनुमति मिली नए नियमों के अनुसार, बैंक अब यूजर्स को रुपए से जुड़े किसी भी फारेन एक्सचेंज डेरिवेटिव कान्ट्रैक्ट को रीबुक करने की अनुमति भी दे सकते हैं। यह फैसला तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। हालांकि, आरबीआई ने स्पष्ट किया है कि अधिकृत डीलरों को संबंधित पक्षों के साथ रुपए में फारेन एक्सचेंज डेरिवेटिव कान्ट्रैक्ट करने की अनुमति नहीं होगी। रिलेटेड पार्टीज के मामले में छूट केवल मौजूदा कान्ट्रैक्ट्स को रद्द करने या रोलओवर करने और नान-रिलेटेड, नान-रेजिडेंट यूजर्स के साथ किए गए बैक-टू-बैक ट्रांजैक्शन तक ही सीमित है। इसके साथ ही, बैंकों को प्रत्येक कारोबारी दिन के अंत में आनशोर डेलिवरेबल रुपए मार्केट में अपनी नेट ओपन पोजीशन को 10 करोड़ डालर (100 मिलियन डालर) तक सीमित रखना होगा ।

एयू बैंक ने कंपनी सेक्रेटरीज़ के लिए पेश किया रायल बैंकिंग प्रोग्राम

मुंबई। एयू स्माल फाइनेंस बैंक ने अपने 31वें स्थापना दिवस को यादगार बनाते हुए देश के कंपनी सेक्रेटरीज के लिए विशेष एयू रायल बैंकिंग प्रोग्राम का शुभारंभ किया है। इसे भारत का पहला प्रोफेशन-फर्स्ट प्रीमियम बैंकिंग इकोसिस्टम माना जा रहा है जो विशेष रूप से कारपोरेट गवर्नेंस प्रोफेशनल्स की वित्तीय जरूरतों को पूरा करने के लिए बनाया गया है। यह पहल बैंक और इंस्टीट्यूट आफ कंपनी सेक्रेटरीज आफ इंडिया के बीच हुए उस समझौते का परिणाम है जिसका उद्देश्य सीएस प्रोफेशनल्स को प्राथमिकता के आधार पर अनुकूलित सेवाएं देना है। इस कार्यक्रम के तहत कंपनी सेक्रेटरीज को विशेष करंट और सेविंग्स अकाउंट की सुविधा दी गई है जिसमें न्यूनतम बैलेंस रखने की अनिवार्यता नहीं होगी। बैंक ने उनके पेशेवर खर्चों को ध्यान में रखते हुए एक विशेष एयू सीएस क्रेडिट कार्ड भी पेश किया है जो पूरी तरह लाइफटाइम फ्री है और वार्षिक मेंबरशिप नवीनीकरण व टैक्स भुगतान जैसे कार्यों पर विशेष छूट प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त पात्र सदस्यों को आकर्षक ब्याज दरों पर बिना किसी परेशानी के 15 लाख रुपये तक के पर्सनल लोन की सुविधा भी मिल सकेगी। लान्च के अवसर पर बैंक के डिप्टी सीईओ उत्तम त्रिवेदी ने बताया कि कंपनी सेक्रेटरीज देश के नियामकीय ढांचे को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और यह प्रोग्राम उनके प्रति बैंक के सम्मान और भरोसे का प्रतीक है।

यूएई की तेल व्यापार में डालर को छोड़कर युआन अपनाने की चेतावनी, अमीरात ने अमेरिकी नीतियों को ठहराया जिम्मेदार

मुंबई। पश्चिम एशिया में गहराते तनाव और अमेरिका-ईरान संघर्ष के मद्देनजर, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने अपनी तेल व गैस बिक्री के लिए अमेरिकी डालर के बजाय चीनी युआन या अन्य वैकल्पिक मुद्राओं को अपनाने की चेतावनी दी है। यूएई ने इस स्थिति के लिए डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों को जिम्मेदार ठहराया है, साथ ही संभावित डालर संकट से निपटने के लिए अमेरिका से डालर स्वैप लाइन की मांग की है। मैक्रोइकोनामिक विश्लेषकों का कहना है कि यदि यूएई तेल व्यापार में युआन को अपनाता है, तो यह वैश्विक स्तर पर दशकों से कायम डालर के प्रभुत्व को गंभीर चुनौती देगा। चीन पहले ही कई देशों के साथ मुद्रा स्वैप समझौते कर चुका है, जिससे युआन का अंतरराष्ट्रीय उपयोग बढ़ रहा है।

स्कोडा कोडियाक की खरीदी पर मिल रही आकर्षक छूट

नई दिल्ली

कार निर्माता कंपनी स्कोडा आटो अपनी प्रीमियम एसयूवी स्कोडा कोडियाक पर चालू महीने में आकर्षक छूट प्रदान कर रही है। कंपनी अपनी इस गाड़ी पर कुल रुपये 3.50 लाख तक का लाभ दे रही है। स्कोडा आटो द्वारा वर्ष 2025 माडल की कोडियाक पर रुपये 2 लाख तक की सीधी नकद छूट दी जा रही है। इसके अतिरिक्त, ग्राहक रुपये 50,000 तक का एक्सचेंज बोनस और रुपये 1 लाख तक के अन्य विशेष लाभ भी प्राप्त कर सकते हैं, जिससे कुल बचत रुपये 3.50 लाख तक पहुंच जाती है। वहीं, नए वर्ष 2026 माडल पर भी विभिन्न लाभों को मिलाकर लगभग रुपये 50,000 तक की छूट उपलब्ध है। स्कोडा कोडियाक की कीमत भारतीय बाजार में लगभग रुपए 39.99 लाख से शुरू होकर रुपये 46.49 लाख तक जाती है, जो इसे प्रीमियम एसयूवी सेगमेंट में एक मजबूत दावेदार बनाती है। इस एसयूवी में 2.0 लीटर का चार-सिलेंडर टर्बो पेट्रोल इंजन दिया गया है, जो लगभग 201 ब्रेक हार्स पावर की शक्ति और 320 न्यूटन मीटर का टार्क उत्पन्न करता है।

यह इंजन सात-गति स्वचालित गियर प्रणाली और चारों पहियों को शक्ति देने वाली प्रणाली (आल-व्हील ड्राइव) से जुड़ा है, जिससे यह वाहन हर प्रकार के रास्तों पर शानदार और संतुलित प्रदर्शन करता है। नए संस्करण में इस एसयूवी की लंबाई बढ़ाई गई है, जिससे केबिन में बैठने वालों को अतिरिक्त स्थान और आरामदायक अनुभव मिलता है, विशेष रूप से दूसरी और तीसरी पंक्ति के यात्रियों के लिए लंबी यात्राएं अधिक सुखद हो जाती हैं। आधुनिक तकनीकी सुविधाओं से लैस, कोडियाक में एक बड़ा स्पर्श-आधारित सूचना-मनोरंजन तंत्र, डिजिटल चालक प्रदर्शन स्क्रीन, तीन-क्षेत्रीय तापमान नियंत्रण और चारों ओर देखने की सुविधा देने वाला कैमरा शामिल है। उच्च संस्करणों में आगे की सीटों पर गर्माहट, ठंडक, मालिश और मेमोरी जैसी उन्नत सुविधाएं भी मिलती हैं। डिजाइन के मामले में, यह एसयूवी नई शैली की एलईडी लाइट्स, मजबूत छत रेल, आकर्षक ग्रिल और बड़े पहियों के साथ अधिक आधुनिक और आकर्षक नजर आती है, जो इसे सड़क पर एक विशिष्ट पहचान प्रदान करती है।

जल्द लान्च होगी किआ की नई हाइब्रिड एसयूवी सोरेंटो

नई दिल्ली। हाल ही में किआ मोटर्स की नई प्रीमियम थ्री-रो एसयूवी, सोरेंटो हाइब्रिड दमदार 7-सीटर एसयूवी को दिल्ली के पास टेस्टिंग के दौरान पहली बार देखा गया है। बाजार में इसका सीधा मुकाबला टोयोटा फार्च्यूनर और स्कोडा कोडियाक जैसी स्थापित गाड़ियों से होगा। जानकारी के अनुसार, इस एसयूवी को साल 2026 तक लान्च किए जाने की उम्मीद है, जो प्रीमियम एसयूवी सेगमेंट में प्रतिस्पर्धा को और बढ़ा देगी। सोरेंटो के लुक और डिजाइन की बात करें तो यह काफी लंबी और चौड़ी नजर आती है। लीक हुई तस्वीरों से पता चलता है कि यह लगभग 4.8 मीटर लंबी होगी, जो इसे एक प्रभावशाली रोड प्रेजेंस देगी। इसका डिजाइन काफी हद तक किया की ग्लोबल डिजाइन लैंग्वेज पर आधारित है, जिसमें वर्टिकल हेडलैंप्स और अपराइट सिल्हूट मिलता है। ग्लोबल मार्केट में इस एसयूवी की चौड़ाई 1,900 मिलीमीटर और ऊंचाई 1,700 मिलीमीटर है, जबकि इसका व्हीलबेस 2,815 मिलीमीटर का है। बड़े 19-इंच के अलाय व्हील्स इसकी प्रीमियम अपील को और ज्यादा बढ़ाते हैं। गाड़ी के पिछले हिस्से में भी वर्टिकल टेललाइट्स दी गई हैं, जो इसके आधुनिक डिजाइन को पूरा करती हैं। यह एसयूवी किया के पोर्टफोलियो में सेल्टोस और कैरेंस से ऊपर फिट होगी, जो इसे कंपनी की सबसे प्रीमियम पेशकशों में से एक बनाएगी। हालांकि, टेस्टिंग के दौरान इसके इंटीरियर की झलक नहीं मिल पाई है, लेकिन उम्मीद है कि इसमें एक बड़ा पैनोरमिक सनरूफ, एडवांस टचस्क्रीन सिस्टम और प्रीमियम मटीरियल वाला आरामदायक केबिन देखने को मिलेगा। और भारतीय बाजार के मुकाबले को देखते हुए, किया सोरेंटो की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत करीब 30 लाख रुपये के आसपास रह सकती है, जो इसे सीधे अपने प्रतिद्वंद्वियों से मुकाबला करने में सक्षम बनाएगी।

मार्च 2026 में होंडा एक्टिवा ने फिर हासिल की टाप पोजिशन

नई दिल्ली

मार्च 2026 में होंडा एक्टिवा ने एक बार फिर टाप पोजिशन हासिल कर लिया है। भारतीय दोपहिया बाजार में स्कूटरों की मांग लगातार बढ़ रही है। मार्च महीने में होंडा एक्टिवा को कुल 2,59,670 नए ग्राहक मिले, जो इसकी बेजोड़ लोकप्रियता को दर्शाता है। इस दौरान सालाना आधार पर एक्टिवा की बिक्री में 36.86 प्रतिशत की उल्लेखनीय बढ़ोतरी देखी गई, जबकि पिछले साल इसी महीने यह आंकड़ा 1,89,735 यूनिट्स था। यह वृद्धि स्कूटर सेगमेंट में एक्टिवा के मजबूत पकड़ की पुष्टि करती है। बिक्री की इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर टीवीएस जुपिटर ने अपनी जगह पक्की की है। जुपिटर ने मार्च 2026 में 17.89 प्रतिशत की सालाना बढ़ोतरी के साथ कुल 1,24,771 यूनिट्स की बिक्री की। वहीं, तीसरे नंबर पर सुजुकी एक्सेस रहा, जिसने इस दौरान 9.49 प्रतिशत की सालाना बढ़ोतरी के साथ कुल 72,658 यूनिट्स की सेल दर्ज की। ये दोनों ही स्कूटर्स अपनी माइलेज और आरामदायक सवारी के लिए भारतीय मार्केट में खूब पापुलर हैं। इलेक्ट्रिक स्कूटर सेगमेंट में भी जबरदस्त प्रतिस्पर्धा देखने को मिल रही है। टीवीएस आईक्यूब ने बिक्री की इस लिस्ट में चौथे नंबर पर अपनी धाक जमाई है। टीवीएस आईक्यूब ने इस दौरान 46.26 प्रतिशत की सालाना बढ़ोतरी के साथ कुल 38,757 यूनिट्स स्कूटर की बिक्री की। इसी तरह, पांचवें नंबर पर बजाज चेतक रहा, जिसने इस दौरान 18.75 प्रतिशत की सालाना बढ़ोतरी के साथ कुल 34,416 यूनिट्स की बिक्री की। इन दोनों इलेक्ट्रिक ब्रांड्स के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिल रही है। बिक्री की इस लिस्ट में छठे नंबर पर युवाओं की पहली पसंद टीवीएस एनटार्क रही, जिसने इस दौरान 48.52 प्रतिशत की सालाना बढ़ोतरी के साथ कुल 32,598 यूनिट्स स्कूटर की बिक्री की। वहीं, सातवें नंबर पर रहकर होंडा डियो ने सबको हैरान कर दिया। डियो ने इस दौरान 85.25 प्रतिशत की सालाना बढ़ोतरी के साथ कुल 31,180 यूनिट्स स्कूटर की बिक्री की, जो इसकी बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाता है। बिक्री की इस लिस्ट के आखिरी दो पायदानों पर यामाहा रे-जेडआर और हीरो डेस्टिनी ने कब्जा किया।

क्रिप्टो करेंसी के 2700 करोड़ के टोकन चोरी

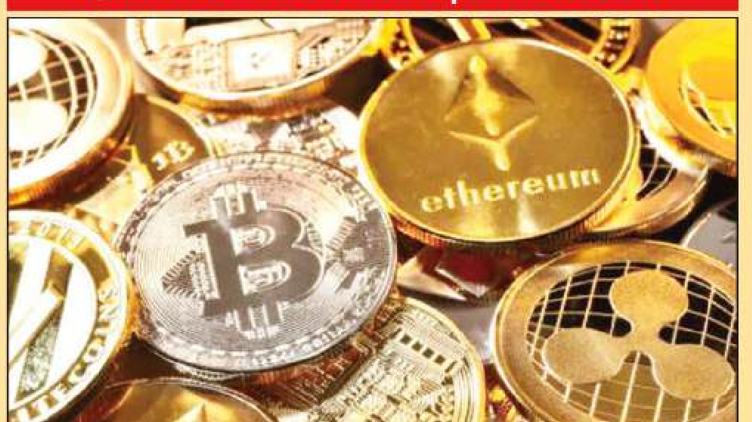

बंगलुरु। भारत में 2026 की सबसे बड़ी क्रिप्टो चोरी सामने आई है, जहां हैकर्स ने एक प्लेटफार्म के लेयर में सेंध लगाकर करीब 1.16 लाख (आरएस ईटीएच) टोकन चुरा लिए, जिनकी कीमत लगभग 2,700 करोड़ रुपये आंकी गई है। हमले के बाद प्लेटफार्म ने कान्ट्रैक्ट फ्रीज कर आगे की चोरी रोकी। इस घटना से कई ब्लाकचेन नेटवर्क पर जोखिम बढ़ा है। दूसरी ओर, पश्चिम एशिया में तनाव और हार्मुज जलमार्ग बंद होने की आशंका से बाजार दबाव में है। बिटकाइन करीब 2 प्रतिशत गिरकर 75,064 डालर पर आ गया, हालांकि निवेशकों का भरोसा बना हुआ है।

सर्राफा बाजार में फिसला सोना चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली

सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में लगातार दूसरे दिन कमजोरी नजर आ रही है। वहीं चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ है। कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,55,280 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,55,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना 1,42,340 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,42,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में भी सोमवार के भाव यानी 2,74,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर ही बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,55,430 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,42,490 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,55,280 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,42,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,55,330 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,42,390 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,55,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,42,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,55,280 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,42,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,55,330 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,42,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,55,430 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,42,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,55,330 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,42,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में तेजी का रुख

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जान्स फ्यूचर्स बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान बिकवाली का दबाव बना रहा। वहीं एशियाई बाजार में आमतौर पर तेजी का रुख बना हुआ है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान मुनाफा वसूली के कारण बिकवाली का दबाव बना रहा, इसकी वजह से वाल स्ट्रीट के सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। डाउ जान्स इंडस्ट्रियल एवरेज 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक कमजोरी के साथ 49,442.56 अंक के स्तर पर आ गया। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 0.24 प्रतिशत की गिरावट के साथ 7,109.14 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 0.26 प्रतिशत फिसल कर 24,404.39 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.12 प्रतिशत की मजबूती के साथ 49,500.20 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान गिरावट का रुख बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.55 प्रतिशत लुढ़क कर 10,609.08 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 94.08 अंक यानी 1.13 प्रतिशत टूट कर 8,331.05 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 284.44 अंक यानी 1.16 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,417.80 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में आमतौर पर खरीदारी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। एशिया के नौ बाजार में से सात के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि दो सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.77 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,535.71 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.24 प्रतिशत फिसल कर 4,072.39 अंक के स्तर पर आ गया है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 109 अंक यानी 0.45 प्रतिशत की मजबूती के साथ 24,450.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.11 प्रतिशत की तेजी के साथ 5,009.65 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। कोस्पी इंडेक्स ने बड़ी छलांग लगाई है। फिलहाल यह सूचकांक 143.81 अंक यानी 2.31 प्रतिशत उछल कर 6,362.90 अंक के स्तर पर आ गया है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 680.27 अंक यानी 1.84 प्रतिशत की बढ़त के साथ 37,639.07 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा निक्केई इंडेक्स 753.11 अंक यानी 1.28 प्रतिशत की मजबूती के साथ 59,578 अंक के स्तर पर, हैंग सेंग इंडेक्स 95.93 अंक यानी 0.36 प्रतिशत की तेजी के साथ 26,457 अंक के स्तर पर और सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.31 प्रतिशत की छलांग लगा कर 1,486.37 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

बीसीसीआई एक साथ दो टी20 टीमें उतरने की योजना बना रहा

मुम्बई

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अब दो दो अलग-अलग टी20 टीमें बनाने पर विचार कर रहा है। जिससे की व्यस्त कार्यक्रम के दौरान एक साथ दो टीमों को खेलने भेजा जा सके। इस साल भारतीय टीम को कई अंतरराष्ट्रीय आयोजनों, जैसे एशियाई खेल और वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज खेलने हैं और इस दौरान तारीखों में टकराव की संभावना है। इसके अलावा बोर्ड चाहता है कि देश में जिस प्रकार से उभरती हुई प्रतिभाएं सामने आ रही है। ऐसे में दो टीमें बनाने से अधिक से अधिक खिलाड़ियों को अवसर दिया जा सकेगा।

अगर ये योजन अमल में आती है तो इससे न केवल अधिक से अधिक प्रतिभाओं को वैश्विक मंच पर अपने को साबित करने का अवसर मिलेगा बल्कि अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम के प्रबंधन में भी आसानी रहेगी। दो टीम तैयार करने की योजना के पीछे बीसीसीआई का मुख्य उद्देश्य देश में उपलब्ध क्रिकेट प्रतिभाओं को भी अवसर देना है। बोर्ड का लक्ष्य 30-35 खिलाड़ियों का एक मजबूत पूल तैयार करना है, जिससे एक साथ दो अंतरराष्ट्रीय स्तर की टीमें तैयार की जा सकें। इसका साफ है कि अब पहले से कहीं अधिक खिलाड़ियों को देश की ओर से खेलने का अवसर मिलेगा, जिससे राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा और गहराई दोनों बढ़ेगी। इस साल के अंत में होने वाले कई अंतरराष्ट्रीय आयोजनों, जैसे एशियाई खेल और वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज के कार्यक्रम को देखते हुए भी यह फैसला और भी अहम हो जाता है। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने बताया, इस साल एशियाई खेल और भारत-वेस्टइंडीज टी20 सीरीज एक ही समय पर आयोजित होने जा रही हैं। ऐसे में हमें दो अलग-अलग टीमों को उतारना होगा। अधिकारी ने आगे कहा, इसके लिए अभी से ही 30-35 खिलाड़ियों का एक एक अच्छा पूल तैयार करना जरुरी है, जिसके खिलाड़ियों को अंतर्राष्ट्रीय मैचों के लिए शामिल किया जा सके। इसके तहत आयरलैंड दौरे के लिए भी खिलाड़ियों का एक बड़ा पूल रखा जाएगा, और एशियाई खेलों के लिए भी यही नीति लागू होगी।

न्यूज ब्रीफ

फुटबाल विश्व कप 2026 ब्राज़ील के लिए सुनहरा मौकाः काफू

मैड्रिड। ब्राजील के दिग्गज फुटबालर काफू का मानना है कि 2026 फुटबाल विश्व कप ब्राज़ील के लिए 24 साल बाद फिर से चैंपियन बनने का सबसे सही समय है। काफू, जिन्होंने 2002 में टीम की कप्तानी करते हुए ब्राज़ील को उसका पांचवां विश्व खिताब दिलाया था, ने कहा कि मौजूदा टीम में संतुलन और अनुभव दोनों मौजूद हैं। उन्होंने 1994 में भी विश्व कप जीतने वाली टीम का हिस्सा रहते हुए देश को गौरव दिलाया था। लारेंस अवार्ड्स समारोह में उन्होंने पत्रकारों से कहा, पिछले खिताब के 24 साल बाद, यह ब्राज़ील के लिए बिल्कुल सही मौका है। काफू ने टीम के कोच कार्लो अंचेलोटी की सराहना करते हुए उन्हें लगातार जीत दिलाने वाला कोच बताया। उनके अनुसार, टीम का आक्रमण और मिडफील्ड पहले से मजबूत है, इसलिए इस बार रक्षापंक्ति पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। काफू ने स्टार खिलाड़ी विनीसियस जूनियर पर भरोसा जताते हुए कहा कि विश्व कप किसी भी खिलाड़ी के लिए खुद को साबित करने का सबसे बड़ा मंच होता है। 19 वर्षीय एंड्रिक को लेकर काफू ने कहा कि फ्रांस के क्लब लियोन मे खेलने से उन्हें काफी फायदा मिला है और वह ब्राजील के लिए अहम खिलाड़ी साबित हो सकते हैं। 2026 फुटबाल विश्व कप का आयोजन अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा में किया जाएगा।

बुमराह के मैच की शुरुआत में गेंदबाजी करने पर बोले हार्दिक

अहमदाबाद। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इस 19 वें सत्र में लगातार हार से परेशान मुम्बई इंडियंस को आंखिरकार जीत मिल ही गयी। मुम्बई की टीम ने गुजरात टाइटंस को हराकर लीग में वापसी की है। इस मैच में मुम्बई के मुम्बई के मुख्य तेज गेंदबाज जसपीत बुमराह ने पहले ही ओवर में विकेट लेकर गुजरात के बल्लेबाजों पर दबाव बना दिया जिससे टीम उबर नहीं पायी। इस मुकाबले में मुम्बई के मुख्य तेजी गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने पारी की शुरुआत करते हुए इस सीजन का अपना पहला विकेट हासिल लिया। मुंबई के कप्तान हार्दिक पंड्या से जब बुमराह के नए गेंद से गेंदबाजी करने को लेर पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि बुमराह एक विशेष गेंदबाज है जिन्हें टीम के जरुरत के अनुसार कभी भी गेंदबाजी दी जा सकती है। पंड्या ने कहा कि बुमराह ने अपने 151 आईपीएल मैचों में से केवल आठ या नौ बार ही पहला ओवर किया है पर इससे कोई फर्क नही पड़ता है। बुमराह इतने खास गेंदबाज हैं कि उन्हें टीम की जरूरत के अनुसार किसी भी स्थिति में लगाया जा सकता। इस मैच में जरुरत थी, इसलिए उन्हें शुरुआत में ही गेंदबाजी दी गयी। साथ ही कहा कि इस काम के लिए उनसे बेहतर कोई नहीं था। बुमराह ने इस मैच में गुजरात टाइटंस के सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन को पहली ही गेंद पर आउट कर अपनी टीम को बढ़त दिली दी। बुमराह ने इस मैच में 3 ओवर में सिर्फ 15 रन देकर 1 विकेट लिया।

अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद बोले, मुझे भारत और आस्ट्रेलिया ने दिया था खेलने का प्रस्ताव

नई दिल्ली। अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद खान ने कहा है कि उन्हें भारतीय ओर आस्ट्रेलियाई क्रिकेट से खेलने के साथ ही नागरिकता का प्रस्ताव मिला था पर उन्होंने उसे ठुकरा दिया था क्योंकि वह अपने ही देश अफगानिस्तानी की ओर से खेलना चाहते थे। राशिद के अनुसार वह अपने देश से प्यार करते हैं और उसके लिए समर्पित हैं। राशिद खान ने ये खुलासा अपनी किताब राशिद खान : फ्राम स्ट्रीट्स टू स्टारडम में किया है। उन्होंने कहा कि साल 2023 आईपीएल सीजन के दौरान उन्हें अनौपचारिक रूप से प्रस्ताव मिले थे पर मैंने ठुकरा दिये थे। इस किताब में राशिद के हवाले से लिखा है, मुझे आस्ट्रेलिया और भारत दोनों से खेलने के प्रस्ताव मिले थे पर मैंने इससे इंकार करते हुए कहा था कि मैं किसी अन्य देश के लिए नहीं खेलूंगा उन्होंने कहा कि तब आईपीएल के दौरान ही भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक बड़े अधिकारी ने कहा था कि आपके देश अफगानिस्तान की हालत ठीक नहीं है अगर आप चाहें तो भारत में खेल सकते हैं। इससे में हैरान हो गया पर मैंने उन्हें साफ तौर पर मना कर दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वह अपने वतन अफगानिस्तान से बेहद प्यार करते हैं और उसके लिए पूरी तरह समर्पित हैं। उनके लिए, किसी अन्य देश का प्रतिनिधित्व करना उनके अपने देश के गौरव और पहचान से समझौता करने जैसा होता, जिसे वह कभी स्वीकार नहीं कर सकते थे ।यह घटना राशिद के चरित्र और उनके मूल्यों को उजागर करती है।

चेन्नई के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ पर है दबाव : अश्विन

मुम्बई

पूर्व भारतीय क्रिकेटर रविचंद्रन अश्विन ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ के खराब प्रदर्शन को लेकर कहा है कि गायकवाड़ इस समय काफी दबाव में हैं, जिसके चलते वे न तो सही निर्णय ले पा रहे हैं और न ही अपनी बल्लेबाजी में प्रभाव छोड़ पा रहे हैं। इसी कारण सीएसके की हालत भी खराब है और अंकतालिका में काफी नीचे है। इस सत्र में ऋतुराज अब तक खेली गई छह पारियों में केवल 82 रन बना पाये हैं, जिसमें उनका औसत सिर्फ 13.67 रहा है। यह आंकड़ा एक कप्तान और प्रमुख बल्लेबाज के लिए निराशाजनक है और टीम प्रबंधन के साथ-साथ प्रशंसकों के लिए भी चिंता का विषय बन गया है। हाल ही में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ हुए मुकाबले में भी गायकवाड़ बड़ी पारी खेलने में विफल रहे। इस मैच में गायकवाड़ ने 13 गेंदों पर सिर्फ 19 रन बनाए।

हालांकि युवा बल्लेबाज आयुष ने पावरप्ले में टीम को अच्छी शुरुआत दी थी, लेकिन उनके आउट होने के बाद मध्यक्रम दबाव में आ गया, जिसका असर गायकवाड़ की बल्लेबाजी पर भी साफ दिखा और रन गति धीमी पड़ गई। इससे अंत में टीम के हाथ से मैच निकल गया। अश्विन ने गायकवाड़ की खराब फार्म की असली वजह बताते हुए कहा, इस मैच में उनके लिए रन बनाने का सबसे अच्छा अवसर था। उन्हें ज्यादा जोखिम लेने की जरूरत नहीं थी क्योंकि टीम पहले ही अच्छी शुरुआत कर चुकी थी। वह समय लेकर अपनी पारी को संभाल सकते थे पर ऐसा नहीं कर पाये। उन्होंने आगे कहा, मुझे ऐसा लगता है कि वह काफी दबाव में हैं और उनका दिमाग सही फैसले नहीं ले पा रहा है ।गायकवाड़ से ही टीम को उनसे सबसे ज्यादा उम्मीदें हैं और उनके असफल होने से अन्य खिलाड़ियों पर भी विपरीत प्रभाव पड़ा है। सीएसके ने सीजन की शुरुआत तीन लगातार हार के साथ की थी, हालांकि बाद में दो मैच जीतकर वापसी की, लेकिन सनराइजर्स के खिलाफ मिली हार ने एक बार फिर टीम का मनोबल गिरा दिया है।

कोनोली ने बताया पंजाब किंग्स की सफलत का राज

मुल्लांपुर। आईपीएल के इस सत्र में शानदार प्रदर्शन कर रहे पंजाब पंजाब किंग्स के युवा बल्लेबाज आस्ट्रेलिया के कूपर कोनोली ने कहा है कि टीम के अंदर काफी अच्छा माहौल है और सभी एकदूसरे की सहायता कर रहे हैं उसी कारण टीम जीत रही है। साथ ही कहा कि सभी को एकदूसरे के मजबूत पक्ष से सीखने को मिला रहा है। कोनोली ने कहा, हम सभी इस बात पर विचार करते हैं कि एक-दूसरे के लिए क्या फायदेमंद है। हम एक-दूसरे से छोटी-छोटी बातें सीखते हैं। हमें एक-दूसरे से छोटी-छोटी चीजें सीखने से लाभ भी हुआ है। उन्होंने कहा, हम सभी बेहतर होने का प्रयास कर रहे हैं। खेल का भी लक्ष्य होता है कि एक सर्वश्रेष्ठ टीम बनायी जाये। हम एक टीम के रूप में एक-दूसरे से सीख कर अपनी कमियों को दूर कर रहे हैं। कोनोली ने कहा कि टीम की सफलता में कप्तान श्रेयस अय्यर की भी अहम भूमिका है। श्रेयस काफी अच्छी कप्तानी कर रहे हैं। उनके नेतृत्व में टीम लगातार आगे बढ़ रही है। पंजाब इस सत्र में अब अब अपने 6 में एक भी मैच नहीं हारी है। वह पांच मैच जीती है जबकि एक मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया। टीम अंक तालिक में अभी नंबर एक पर है। कोनोली ले कहा, श्रेयस स्वयं आगे रहकर टीम को प्रेरित करते हैं। वह हमेशा यह प्रयास करते हैं कि टीम के सभी खिलाड़ी सहज महसूस करें। वह खिलाडियों को हमेशा बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि सभी खिलाड़ी उत्साहित होकर अपनी जिम्मेदारी निभाएं।

अश्विन के अनुसार टीम की कमान संभालने का बोझ और व्यक्तिगत प्रदर्शन में गिरावट से भी गायकवाड़ के खेल पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के मार्गदर्शन की कमी भी उन्हें महसूस हो रही है। इससे उनकी उनकी मानसिक स्थिति प्रभावित हुई है ।अब सीएसके का अगला मुकाबला 23 अप्रैल को मजबूत मुंबई इंडियंस के खिलाफ है। इसमें कप्तान को पूरी ताकत से उतरना होगा। प्लेआफ की दौड़ में बने रहने के लिए टीम के लिए इस मैच में जीत जरुरी है। ऐसे में गायकवाड़ को बड़ी पारी खेलकर अपनी टीम को जीत दिलानी होगी। जिससे की उसका अभियान पटरी पर आ सके।

गुजरात पर जीत से मुंबई इंडियंस ने लगायी तीन पायदान की छलांग सातवें नंबर पर पहुंची

अहमदाबाद

गुजरात टाइटंस के खिलाफ मिली 99 रनों की जीत से मुंबई इंडियंस को आईपीएल 2026 की अंकतालिका में भी खास लाभ मिला है। इस जीत से मुंबई की टीम अंक तालिका में तीन स्थान ऊपर आकर सातवें नंबर पर पहुंच गई है। मुंबई के अब छह मैचों में 4 अंक हो गये हैं।

इस जीत से वह चेन्नई सुपर किंग्स, लखनऊ सुपर जायंट्स और कोलकाता नाइट राइडर्स हैं से भी आगे हो गयी है। केकेआर के अब तक 7 मैचों में 3 अंक ही हैं, जबकि सीएसके और सुपर जायंट्स के भी मुम्बई के बराबरी ही 4-4 अंक हैं पर बेहतर नेट रन रेट के कारण मुंबई उनसे आगे है. वहीं गुजरात टाइटंस 6 अंक के साथ ही अंक तालिका में छठे स्थान पर है।

आरेंज कैप : हेनरिक क्लासेन

वहीं सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली आरेंज कैप की दौड़ में सनराइजर्स हैदराबाद के बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन छह मैचों में 283 रनों के साथ ही शीर्ष पर हैं। वहीं दूसरे नंबर पर गुजरात के कप्तान शुभमन गिल हैं। गिल ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ 14 रन बनाए जिससे उनके पांच मैचों में कुल 265 रन हैं। आरसीबी के विराट कोहली 247 रन के साथ तीसरे जबकि राजस्थान रायल्स के वैभव सूर्यवंशी 246 रनों के साथ ही चौथे और आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार 230 रनों के साथ ही पांचवें नंबर पर हैं।

पर्पल कैप : अंशुल कम्बोज

सीएसके के तेज गेंदबाज अंशुल कम्बोज सबसे अधिक विकेट के लिए मिलने वाली पर्पल कैप की दौड़ में नंबर एक पर हैं। कम्बोज नेछह मैचों में 13 विकेट लिए हैं। गुजरात के प्रसिद्ध कृष्णा 12 विकेट के साथ ही दूसरे जबकि कसीगो रबाडा कुल 10 विकेट लेकर तीसरे नंबर पर हैं।

युवाओं के दम पर पंजाब किंग्स अब किसी एक खिलाड़ी पर निर्भर नहीं : मार्गन

लंदन। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान इयोन मार्गन ने आईपीएल सत्र में पंजाब किंग्स टीम के अच्छे प्रदर्शन की प्रशंसा करते हुए कहा है कि अब यह टीम अपने कप्तान या किसी एक एक खिलाड़ी पर निर्भर नहीं है, बल्कि युवा प्रतिभाओं के प्रदर्शन पर निर्भर है। मार्गन ने कहा है पंजाब किंग्स का ये अंदाज काफी अनूठा है। टीम बहुत ही मजबूत स्थिति में पहुंच गई है जिसमें हर खिलाड़ी अपनी भूमिका निभाना जानता है। टीम में इतनी गहराई है कि वह 230 से 240 रनों का लक्ष्य भी हासिल कर सकती है।। उन्होंने जोर दिया कि इससे प्रमुख खिलाड़ियों पर से अनावश्यक दबाव कम गया है। मार्गन ने आगे कहा, जब बाकि बल्लेबाजी इकाई अच्छा प्रदर्शन कर रही होती है, तो टीम पर से दबाव कम होता ही है। उन्होंने युवा बल्लेबाज प्रियांश आर्य ने जिस प्रकार से बल्लेबाजी की है उससे पता चलता है कि टीम में कितन आत्सविश्वास है। वह एक ऐसे खिलाड़ी के तौर पर सामने आते है जो साफ सोच रखते हैं और समय के साथ मिलने वाले अवसरों का पूरा लाभ उठा रहे हैं। टीम के कोच रिकी पोंटिंग ने जो रणनीति बनायी है सभी खिलाड़ी उसपर चल रहे हैं।

प्रीमियर लीग से वूल्वरहैम्प्टन वांडरर्स बाहर, वेस्ट हैम-क्रिस्टल पैलेस के ड्रा से तय हुई किस्मत

लंदन

इंग्लैंड की शीर्ष फुटबाल लीग प्रीमियर लीग में सोमवार को वेस्ट हैम यूनाइटेड और क्रिस्टल पैलेस के बीच गोलरहित ड्रा के बाद वूल्वरहैम्प्टन वांडरर्स (वूल्व्स) का रेलीगेशन तय हो गया।

वूल्व्स अब अंकतालिका में वेस्ट हैम यूनाइटेड से 16 अंक पीछे है और केवल पांच मैच शेष होने के कारण टीम का नीचे गिरना तय हो गया है। अब वूल्व्स अगले सीजन में ईएफएल चैम्पियनशिप में खेलती नजर आएगी।

नवंबर से कोच राब एडवर्ड्स के नेतृत्व में खेल रही वूल्व्स ने इस सीजन में 33 मैचों में सिर्फ तीन जीत दर्ज की।

हालांकि एस्टन विला और लिवरपूल के खिलाफ कुछ अहम जीत मिलीं, लेकिन टीम लंबे समय से रेलीगेशन के खतरे में थी। इसके साथ ही प्रीमियर लीग में उसका आठ साल का सफर समाप्त हो गया।

सीजन की शुरुआत में टीम के कोच रहे वीटोर परेरा को खराब प्रदर्शन के चलते नवंबर में हटा दिया गया। बाद में राब एडवर्ड्स को जिम्मेदारी दी गई, लेकिन वह टीम को बचा नहीं सके।

अंकतालिका में नीचे चल रही बर्नली अगर बुधवार को मैनचेस्टर सिटी से हारती है, तो उसका रेलीगेशन भी तय हो जाएगा।

अन्य टीमों की स्थिति

टोटेनहैम हाट्सपर ब्राइटन के खिलाफ 2-2 ड्रा के बाद भी रेलीगेशन जोन से बाहर नहीं निकल सका।

नाटिंघम फारेस्ट और लीड्स यूनाइटेड ने जीत दर्ज कर खुद को सुरक्षित स्थिति में पहुंचाया।

कोवेंट्री सिटी ने चैम्पियनशिप में शीर्ष स्थान हासिल कर 25 साल बाद प्रीमियर लीग में वापसी सुनिश्चित कर ली है।

लारियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवार्ड्स 2026: कार्लोस अल्कराज़ और आर्यना सबालेंका बने साल के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

मैड्रिड

प्रतिष्ठित लारियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवार्ड्स 2026 में टेनिस खिलाड़ियों का दबदबा देखने को मिला। स्पेन के स्टार टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्कराज़ और बेलारूस की आर्यना सबालेंका को क्रमशः महिला और पुरूष वर्ग में वर्ष का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया है। अल्कराज़ ने फ्रेंच ओपन और यूएस ओपन जैसे दो ग्रैंड स्लैम खिताब जीतकर वर्ष का अंत विश्व नंबर-1 के रूप में किया। वहीं सबालेंका ने पूरे सीजन में शानदार प्रदर्शन करते हुए कई बड़े टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई। समारोह की मेजबानी नोवाक जोकोविच और एलीन गू ने की। लारियस अवार्ड्स की शुरुआत वर्ष 2000 में हुई थी और यह खेल जगत के सबसे प्रतिष्ठित सम्मानों में गिना जाता है।

लारियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवार्ड्स 2026 के मुख्य विजेता

वर्ष के सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी: कार्लोस अल्कराज़

वर्ष की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी: आर्यना सबालेंका

वर्ष की सर्वश्रेष्ठ टीम: पेरिस सेंट जर्मेन

वर्ष का उभरता खिलाड़ी: लैंडो नारिस

वर्ष की सर्वश्रेष्ठ वापसी: रोरी मैकइलराय

वर्ष का सर्वश्रेष्ठ युवा खिलाड़ी: लामिन यामाल

स्पोर्टिंग इंस्पिरेशन अवार्ड: टोनी क्रोस।

(इंदौर) जूनियर टेनिस : ओजस, अद्विश, लावन्या और ईरा प्री-क्वार्टरफाइनल में

इंदौर। मध्य प्रदेश टेनिस संघ के तत्वावधान में इंदौर टेनिस क्लब पर आयोजित क्वींस कालेज आल इंडिया टैलेंट सीरीज जूनियर टेनिस टूर्नामेंट में खिलाड़ियों ने शानदार शुरुआत की। बालक एवं बालिका 12 वर्ष आयु वर्ग के पहले दौर के मुकाबलों में जीत दर्ज कर प्रमुख खिलाड़ियों ने प्री-क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह सुरक्षित कर ली है। प्रतियोगिता का औपचारिक शुभारंभ मुख्य अतिथि क्वींस कालेज के निदेशक रमेश मूलचंदानी, इंदौर टेनिस क्लब के ट्रस्टी हेमंत पटवा, प्राचार्य गीता सोमशेखर और मध्य प्रदेश टेनिस संघ के संयुक्त सचिव अर्जुन धूपर के आतिथ्य में हुआ। अंडर-12 बालक एकल के मुकाबलों में मध्य प्रदेश के खिलाड़ियों का प्रदर्शन प्रभावी रहा। ओजस मिश्रा ने जियान दुर्रानी को और अद्विश भार्गव ने अर्जुन कचोलिया को सीधे सेटों में 6-0, 6-0 के अंतर से शिकस्त दी। गुजरात के सान्या अगरिया ने रियान सुराना को 6-2, 6-0 से हराया, वहीं विहान देवधरे ने अद्विक गोयल पर 6-1, 6-1 से जीत दर्ज की। अर्जुन बिंद्रा ने विहान कालानी को 6-3, 6-0 से पराजित किया। दिन का सबसे रोमांचक मुकाबला अयान संवत्सर और गुजरात के साबिर अग्रेरिया के बीच खेला गया, जिसमें अयान ने पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी की और 4-6, 7-6(5), 6-2 से संघर्षपूर्ण जीत हासिल कर अगले दौर का टिकट पक्का किया। वहीं, अंडर-12 बालिका वर्ग में भी मध्य प्रदेश की प्रतिभाओं ने उत्कृष्ट खेल दिखाया। लावन्या शर्मा ने मान्यता कौशल को 6-0, 6-0 से करारी शिकस्त दी। प्रीशा शर्मा ने अनाया वाजपेयी को और वेदांशी खंडेलवाल ने वामिका शर्मा को एक समान अंतर 6-1, 6-1 से पराजित किया।

एक दूसरे को मेसेज करने से मजबूत होते हैं रिश्ते

लंदन। अगर अपने जीवनसाथी के साथ आपके रिश्तों में उथल-पुथल चल रही है तो इसमें सुधार के लिए आप एक दूसरे को मेसेज भेज सकते हैं। इससे दोनों व्यक्तियों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार के साथ-साथ रिश्ते में संतुष्टि का भाव भी पैदा होता है। हाल ही में सामने आए एक शोध में पाया गया है कि एक दूसरे को मेसेज भेजने से आप संबंधों में स्थिरता ला सकते हैं। ब्रिटेन में नॉर्थ ब्रिआ यूनिवर्सिटी से सैयुरी नरुस ने कहा, शारीरिक और मानसिक रूप से रिश्ते में सुधार के लिए एक दूसरे को प्यार दिखाने का सरल और प्रभावी तरीका है मेसेजिंग यानी संदेश भेजना। संदेश से सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। यह भावनात्मक है और संदेश पाने वाले और भेजने वाले के संबंधों के लिए बेहतर होता है। यह परिणाम ब्राइटन में ब्रिटिश साइकोलॉजिकल सोसायटी के वार्षिक सम्मेलन में पेश किए गए थे।

हेल्थ अलर्ट

एलर्जी, नाक बंद, साइनस प्रॉब्लम में लाभकारी है जलनेति

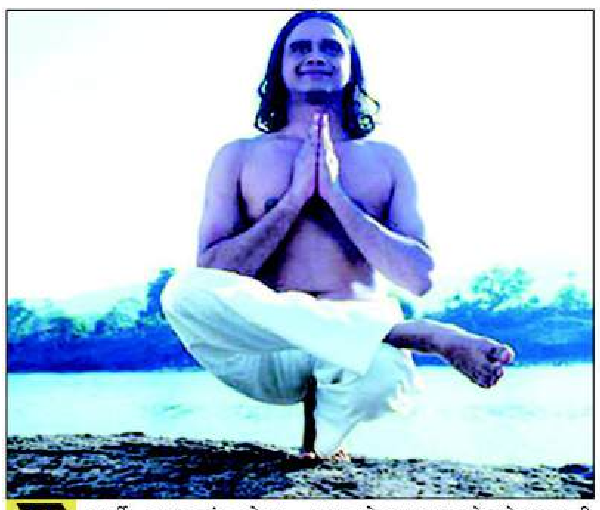

एलर्जी, नाक बंद होना, बदलते मौसम में नजला-जुकाम होना, दमा और ब्रोंकाइटिस आदि रोगों में जलनेति बड़ी लाभकारी है। इसके अभ्यास से नाक के अंदर इकट्ठे म्यूकस और बैक्टीरिया की सफाई हो जाती है, जिससे साइनस ब्लॉकेज दूर होती है। यह मस्तिष्क को तरो-तरोताजा रखती है। दिमाग शांत, हल्का, तनाव व थकान मुक्त रहता है। आंख, कान व गले के रोगों की रोकथाम के लिए बड़ी उपयोगी है। इसके फायदों और करने के तरीकों के बारे में बता रहे हैं योग गुरु सुरक्षित।

इसके लिए टोंटीदार लोटे की आवश्यकता है। इसे लेकर सुबह खाली पेट एक लीटर पानी उबालकर ठंडा होने रख दें। जब पानी गुनगुना रह जाए, तब उसमें एक चम्मच नमक मिला दें। पानी को लोटे में भर लें, फिर कागासन में बैठ जाएं और जिस नासिका से सांस आ जा रही हो, उसी हाथ की हथेली पर लोटा रख लें। अब टोंटी को चलती हुई नासिका पर लगाएं, गर्दन को दूसरी तरफ थोड़ा झुकाएं, मुंह खोलकर मुंह से सांस लेना व निकालना शुरू करें। लोटे को थोड़ा ऊपर की ओर उठाएं, ऐसा करते ही दूसरी नाक से पानी आना शुरू हो जाएगा। पूरे लोटा खाली होने पर फिर पानी भरें व दूसरी नासिका से इसका अभ्यास कर लें। इसके बाद खड़े होकर हाथों को पीछे बांधकर कमर को थोड़ा आगे झुकाकर कपालभाति का अभ्यास करें। जिसमें गर्दन को सामने, नीचे, दाएं व बाएं घुमाकर कपालभाती करें, ऐसा करने से नाक के अंदर रुका पानी भी निकल जाएगा।

सावधानी

शुरू में इसका अभ्यास योग विशेषज्ञ के मार्गदर्शन में ही करें । अपने योग टीचर अपने आप बनें योग की बारीकियों को सीखाने के लिए लाइफ गुरु सुरक्षित जी बेसिक योग टीचर ट्रेनिंग कोर्स शुरू करने जा रहे हैं। जिसमे आसन, प्राणायाम, ध्यान आदि योग की बारीकियों के साथ-साथ यौगिक चिकित्सा की जानकारी और योग कराने के तरीके को भी सिखाया जाएगा। जो सुबह 8 बजे से 1 बजे तक, दिनांक 13 मई शनिवार से शुरू होगा और आने वाले तीन शनिवार व तीन रविवार क्लास होगी। तीस घंटे यह कोर्स ईस्ट दिल्ली में होगा। इच्छुक जिज्ञासु surakshityoga@gmail.com पर ईमेल कर सकते हैं।

हमारे जीवन पर रंगों का आध्यात्मिक दृष्टि से प्रभाव

ईश्वरीय दृष्टि से रंगों धार्मिक मान्यता- भगवान कृष्ण को पीतांबरधारी भी कहते हैं, क्योंकि वे पीले रंग के वस्त्रों से सुशोभित रहते हैं। दरअसल, पीला रंग शुद्ध और सात्विक प्रवृत्ति का परिचायक है। यह सादगी और निर्मलता का भी प्रतीक है। सृष्टि के पालनकर्ता भगवान विष्णु को भी पीला रंग प्रिय है। पीला रंग धारण करने से हमारी सोच सकारात्मक होती है। यह हमारे सृजन का भी प्रतीक है। यह हमें परोपकार करने की प्रेरणा देता है। माता सरस्वती सफेद वस्त्र धारण करती है, दुर्गाजी सभी रंगों के वस्त्रों को धारण करती है।जो की उनके स्वरुप के अनुसार होते है।

रंगों की आध्यात्मिक दृष्टि- सात्विक अथवा तामसिक, जो भी मूल स्वभाव होता है, लाल रंग उसे गतिमान करता है। श्वेत, पीले तथा नीले जैसे रंग हमारे सर्व ओर की पवित्रता (शुद्धता) में वृद्धि करने में सहायक होते हैं। दूसरी ओर काले रंग में हानिकारक स्पंदन होते हैं, जो न केवल अनिष्ट शक्तियों को आकर्षित करते हैं; अपितु अच्छी शक्तियों को दूर भी करते हैं।

प्रतिदिन हम रंगों के संदर्भ में चयन करते हैं। उदाहरण के लिए यह चयन करना कि दिन में कौन से रंग के वस्त्र पहनें। आध्यात्मिक स्तर पर हमें ज्ञात हुआ है कि अपनी रुचि के रंग के अनुसार (चाहे वह वस्त्र हों अथवा आसपास की वस्तुएं) हम आध्यात्मिक स्तर पर प्रभावित होते हैं। सूक्ष्म तथा अदृश्य स्तर पर संपूर्ण ब्रह्मांड सत्त्व, रज और तम इन तीन सूक्ष्म गुणों से बना है। तीन सूक्ष्म-गुणों के आधार पर रंगों का वर्गीकरण भी सात्त्विक, राजसिक अथवा तमासिक; इस प्रकार किया गया है। सत्त्व का अर्थ है, आध्यात्मिक शुद्धता और रज तथा तम का क्रमशः अर्थ है, क्रिया और आध्यात्मिक अज्ञान। सात्त्विक रंग के वस्त्र पहनना साधना के लिए सहायक होता है, जबकि रज-तम प्रधान रंग आध्यात्मिक प्रगति के लिए हानिकारक है। रज-तमप्रधान वस्त्र पहनने से हमारे आसपास नकारात्मक स्पंदन बढ जाते हैं। इससे हमारी ओर अनिष्ट शक्तियों के आकर्षित होने की संभावना अधिक होती है; क्योंकि वे भी रज-तम प्रधान होती हैं। अर्थ यह है कि संबंधित रंग सकारात्मक स्पंदनों को आकर्षित करता है और नकारात्मक स्पंदनों को दूर हटाता है। हानिकारक का अर्थ है, नकारात्मक स्पंदनों को आकर्षित करने की क्षमता के साथ ही आध्यात्मिक दृष्टि से सकारात्मक स्पंदनों को हमसे दूर करने की क्षमता।

जानें, खाना खाने के तुरंत बाद पानी क्यों नहीं पीना चाहिए

खाने की टेबल सजाते वक्त पानी ही वह चीज है, जिसे हम सबसे पहले डाइनिंग टेबल पर रखते हैं। घर के बुजुर्ग हमें अक्सर खाना खाते वक्त पानी न पीने की सलाह देते हैं। आइए जानते हैं कि आखिर उनकी इस सलाह के पीछे क्या वजह है...

» खाना खाने के तुरंत बाद पानी पीने से हमारे पाचन तंत्र की वह ऊर्जा जो भोजन पचाने का काम करती है, मंद हो जाती है। जिससे खाना पचने में बहुत वक्त लगता है और सेहत को नुकसान होता है।

»जब खाना बहुत देर तक नहीं पच पाता तो शरीर में कभी ऐसिड की मात्रा बढ़ जाती है तो कभी गैस की समस्या हो जाती है।

»खाना खाने से तुरंत पहले भी ज्यादा पानी न पिएं। खाना खाने के दौरान पानी का सेवन न करने की सलाह भी आयुर्वेद में दी जाती है।

» खाने के दौरान धसका उठने या फंदा लगने पर आप सीमित मात्रा में पानी का सेवन कर सकते हैं।

» बच्चों में यह आदत बचपन से ही डालनी शुरू कर देनी चाहिए। ताकि बड़े होने पर ऐसा करने में उन्हें दिक्कत न आए।

सौंदर्य

इस तरह करें गर्मी के मौसम में बालों की केयर

गर्मी के मौसम के साथ कई परेशानियां भी हो सकती है और उसमें भी हमारे बालों की केयर की भी एक चिंता लगी रहती है। इस मौसम में ह्यूमिडिटी और पसीने के कारण परेशानी होती है तो तेज धूप भी इसे डैमेज करते हैं। आइए ऐसे में जानते हैं कि आप बालों की केयर इस गर्मी में कैसे कर सकते हैं।

शैंपू करें पर ध्यान से

ह्यूमिडिटी और पसीने की वजह से आपके बाल चिपके तो हो सकते हैं लेकिन इसके साथ ही धूप की वजह से वो ड्राई भी होते हैं इसलिए रोजाना शैंपू न करें। हफ्ते में दो बार शैंपू करना काफी है। ज्यादा गंदे होने पर तीन बार शैंपू किया जा सकता है। क्लीन करने के लिए कूलिंग इंग्रेडिएंट्स वाले माइल्ड हर्बल शैंपू सिलेक्ट करें। सिर्फ स्कैल्प पर शैंपू करें। बालों में अलग से शैंपू लगाने से वो ड्राई हो जाते हैं।

धूप में बालों को ढंक बाहर निकले

सबसे पहले तो धूप में बाहर निकलने से बचें पर, अगर आपको धूप में निकलना ही पड़ता है तो बाल स्कार्फ, हैट या कैप से ढ़ककर निकलना चाहिए। इसके साथ ही लीव-इन कंडीशनर्स का यूज जरूर करें ताकि बाल प्रोटेक्टेड रहें। सनस्क्रीन वाले लीव-इन कंडीशनर्स को प्रिफरेंस दें क्योंकि ये बालों को धूप से बचाने में हेल्प करेंगे। बालों में हेयर सीरम लगाने से भी वो सुरक्षित रहते हैं।

कंडीशनर लगाना कभी ना भूलें

वैसे तो आप बालों को कंडीशन करते ही हैं, लेकिन गर्मियों में इसका खास ध्यान रखें क्योंकि गर्म हवाओं की वजह से बाल ड्राई हो जाते हैं इसलिए शैंपू करने के बाद कंडीशनर का यूज जरूर करें। वैसे कहा जाता है कि कंडीशनर सिर्फ बालों में लगाना चाहिए, बालों की रूट्स पर नहीं, लेकिन ये सही नहीं है। रूट्स पर कंडीशनर लगाने से बालों को मॉइश्चर मिलता है और वो हेल्दी रहते हैं। आप चाहें तो हेयर मास्क के जरिए भी कंडीशनिंग कर सकते हैं।

बालों को दो मुहा ना होने दें

ह्यूमिडिटी और ड्राइनेस दोनों ही बालों को नुकसान पहुंचाती हैं और इससे डैंड्रफ, हेयरफॉल, फ्रिजिनेस की प्रॉब्लम कॉमन हो जाती है। दोमुहे को कंट्रोल करने का सबसे अच्छा तरीका है कि बालों को ज्यादा से ज्यादा बांधकर रखें। इससे उनमें मॉइश्चर लॉक रहता है और वो डैमेज भी नहीं होते। इसके अलावा बालों की डीप कंडीशनिंग करें ताकि उनमें मॉइश्चर बना रहे।

ट्रिमिंग कराते रहें

अगर आपके बालों के सिरे तेजी से फट रहे हैं तो ये बताता है कि या तो वो दो मुहे हो रहे हैं या फिर डैमेज या दोनों। अगर ऐसा है तो बालों की ट्रिमिंग करवाएं। आइडियली 6 से 8 हफ्तों में ट्रिमिंग करवा ही लेनी चाहिए। इसके अलावा हीटिंग प्रोडक्ट्स जैसे ब्लो ड्रायर, स्ट्रेटनर से दूर रहें क्योंकि इनसे निकलने वाली हीट बालों को ड्राई करती है।

अच्छे और विश्वसनीय उत्पादों का इस्तेमाल करें

सही हेयर प्रोडक्ट्स यूज करना सबसे इंपॉर्टेंट हेयर केयर रिजीम है। इसके लिए सबसे पहले अपने बालों के टाइप को कंसीडर करें और उसके अकॉर्डिंग प्रोडक्ट चुनें। ऐसे प्रोडक्ट्स यूज करें जिनमें रेपलिनिशिंग, हायड्रेटिंग और मॉइश्चराइजिंग लिखा हो। वॉल्यूमाइजिंग और बाउंसी टैग वाले हेयर प्रोडक्ट्स को न यूज करें।

रूखे बालों के लिए

एक-चौथाई कप दही में बराबर मात्रा में मेयोनीज और एक अंडे का व्हाइट पार्ट मिलाकर बालों में करीब 30 मिनट के लिए लगाएं। इससे बालों की ड्राइनेस खत्म होगी।

शाइनी बालों के लिए

डीप कंडीशनर एक कप मेयोनीज में आधा कप ऑलिव ऑयल और तीन अंडों के येलो पार्ट को मिक्स करके 20 मिनट के लिए लगाएं और फिर साफ पानी से धो लें।

ये 5 टिप्स अपनाएंगे तो घूमने-फिरने के दौरान होगी बचत

गर्मी की छुट्टियों में आप परिवार के साथ घूमने-फिरने का प्लान बना रहे हैं तो आपको ट्रेवल बजट के बारे में भी सोचना होता है। आप अपने बजट में घूमने का आनंद तभी ले सकते हैं जब आप बेफिजुल के खर्चे से बचें। लेकिन ऐसा मुश्किल से हो पाता है। यहां ऐसे ही 5 टिप्स दिए जा रहे हैं जो कि आपके खर्चे पर लगाम लगा सकते हैं और ऐसी चीजों को अपना सकते हैं जो कि आपके लिए फायदेमंद हो। अब इन टिप्स के साथ आप घूमने-फिरने का भरपूर आनंद ले सकते हैं।

पॉड्स इन होटल

यह छोटा और कॉम्पैक्ट कैप्सूल की तरह होता है। जहां यात्री आराम कर सकता है। मुंबई में खुले सबसे पहले पॉड होटल का नाम अर्बन पॉड है। यह 140 पॉड्स ऑफर करता है जिसमें आपको बेड, एसी, वाई-फाई, टी.वी., यूएसबी पोर्ट और पर्सनल सेफ समेत कई फैसिलटी मिलेगी। इन पॉड्स में एक रात रुकने के लिए 2,030 रु चुकाने पड़ सकते हैं।

सोशल मीडिया

यात्रा के दौरान आप सोशल मीडिया का इस्तेमाल करके भी पैसा बचा सकते हैं। इसके लिए एयरलाइन कंपनी के ट्विटर हैंडल पर साइन-इन करना होगा। जहां आपको लास्ट मिनट फ्लाइट डिस्काउंट और फ्लैश सेल के बेनिफिट्स मिल सकते हैं। इसके अलावा स्टेट टूरिज्म के फेसबुक पेज पर भी कई तरह के डिस्काउंट ऑफर किए जाते हैं।

यहां से बुक करें फ्लाइट

गूगल फ्लाइट्स, और अन्?य साइट्स के जरिए आप मल्टीपल एयरलाइन और सिंगल एयरलाइन कंपनियों में से सबसे सस्ती फ्लाइट का चुनाव कर सकते हैं। इसके अलावा आप और साइटों को भी चेक कर सकते हैं। जहां आपको लिस्टिंग डिस्काउंट्स, पेबैक्स और क्रेडिट कार्ड पर अच्छा डिस्काउंट मिल सकता है।

कुछ घंटो के पैसे

माइक्रो स्टे का प्रचलन भी भारत में धीरे-धीरे जोर पकड़ रहा है। भारत में कई होटल्स, वेबसाइट और ऐप्स भी रेगुलर कॉस्ट के स्थान पर घंटों के हिसाब से पेमेंट का ऑप्शन दे रहे हैं। बिजनेस ट्रैवलर और किसी स्थान पर कुछ घंटों के लिए समय बिताने के लिए यह पैसा बचाने का सबसे बढ़िया तरीका है। इसे आप अपनी जर्नी में प्रयोग कर सकते हैं।

इन साइट को करें चेक

यात्रा के दौरान कई वेबसाइट आप की बहुत मदद कर सकती हैं। इसलिये ऑनलाइन रहना आप के लिये फायदेमंद साबित हो सकता है। कुछ साइट्स आपको ट्रैवल एग्रीगेटर की तरह डिस्काउंट और डील ऑफर करती हैं। इसमें आपको होटल, फ्लाइट, रेल बुकिंग, कैब बुकिंग जैसी कई और चीजें एक ही जगह मिल जाएंगी।

थर्मोमीटर से थायरॉयड की जांच..

आजकल थायरॉयड की समस्या बहुत आम है। ऐसा कोई संदेह लग रहा हो तो घर बैठे थर्मोमीटर से ही आप इसको जांच सकते हैं। अगर किसी को सुबह उठने में परेशानी होती हो या कब्ज, थकान, एकाग्रता की कमी, रूखी त्वचा जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है तो ये सारे लक्षण अंडरऐक्टिव थायराइड यानी हाइपोथायरायडिज्म के हैं। अगर ऐसी परेशानी हो तो घर बैठे थर्मोमीटर से ही इस बात का पता लगा सकते हैं कि थायराइड है या नहीं। थर्मोमीटर से थायराइड जांचने के स्टेप्स पढ़े।

इम्यून सिस्टम में गड़बड़ी

हाइपोथायरायडिज्म शुरू में थायरॉयड की समस्या के रूप में पैदा नहीं होती है। इम्यून सिस्टम में गड़बड़ी से इसकी शुरुआत होती है लेकिन ज्यादातर डॉक्टर एंटी बॉडी टेस्ट नहीं करते हैं जिससे ऑटो इम्युनिटी दिखाई देती है। इसलिए, थायराइड का इलाज करने के लिए, आपको असंतुलन की जड़ तक जाना जरूरी है, दवा लेते हुए लक्षणों को बढ़ते हुए देखना तो एक गलत दिशा में जाने जैसा है ।

बेसल तापमान

बेसल तापमान का मतलब होता है रातभर की नींद से सुबह उठते ही जो शरीर का पहला तापमान होता है। जैसे ही आप बिस्तर से उठ जाते हैं आपकी मांसपेशिया शरीर के तापमान को बढ़ा देती है। इसलिए थायराइड की सही जांच के लिए इसे सुबह उठते ही किया जाना आवश्यक होता है।

मरकरी थर्मोमीटर अगर आप मरकरी थर्मोमीटर का प्रयोग कर रहे हैं तो सुबह बिस्तर छोड़ने से पहले 10 मिनट के लिए इसे अपनी आर्मपिट मे लगाए। थर्मोमीटर को आर्मपिट मे लगाकर वापस से रिलैक्स होकर लेट जाए। 10 मिनट बाद इसका तापमान को कहीं लिख लें।

रेसिपी

पोहा कटलेट

सामग्री

1 कप पोहा, 2 चम्मच मैदा, 3 आलू (उबले और मैश किए हुए),1/2 चम्मच राई, तेल **तलने के लिए,**1 प्याज (बारीक कटा हुआ),1 चम्मच लाल मिर्च पाऊडर,2 चम्मच हरी मिर्च (बारीक कटी हुई),1/4 हल्दी पाऊडर,1/2 चम्मच नींबू का रस, थोड़ा सा हरा धनिया(बारीक कटा हुआ),नमक स्वादअनुसार

विधि

सबसे पहले पोहे को पानी में 5 मिनट के लिए भिगो कर रख दें। अब एक पैन में तेल गर्म करें और उसमें राई, प्याज और मैदा डाल कर फ्राई करें। अब इसमें लाल मिर्च पाऊडर, हरी मिर्च, हल्दी पाऊडर डालकर मिक्स करें। इस मिश्रण को एक कटोरे में निकाल लें। इस मिश्रण में भिगोया हुआ पोहा, नमक, हरा धनिया,आलू और नींबू का रस डाल कर मिक्स करें। अब इस मिश्रण को थोड़ा सा हाथ में ले और कटलेट की शेप दें। ऐसे ही बाकी कटलेस तैयार करें।अब एक कड़ाही में तेल गर्म करें। इसमें कटलेट्स को फ्राई करें। पोहा कटलेट तैयार है। इन्हें गरमा-गर्म चटनी के साथ परोसे।

ब्रेड भजीया

सामग्री

5 किलो ब्रेड स्लाईस, 1/2 कप ताजा गाढ़ा दही, 3/4 कप बेसन, 1 टी-स्पून हरी मिर्च का पेस्ट, 2 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया, 1 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर 1/4 टी-स्पून हींग, 1/4 कप बारीक कटा हुआ प्याज, नमक स्वादअनुसार, तेल , तलने के लिए, **परोसने के लिए,** टमैटो कैचप

विधि

ब्रेड स्लाईस के किनारे निकाल लें। ब्रेड को छोटे टुकड़ो में तोड़ लें, सभी सामग्री के साथ एक गहरे बाउल में डाल लें और 1/4 कप पानी डालकर अच्छी तरह मिला लें। एक नॉन-स्टिक कढ़ाई में तेल गरम करें, चम्मच भर घोल डालकर, सभी तरफ से सुनहरा होने तक तल लें। तेल सोखने वाले कागज पर निकाल ले। टमैटो कैचप के साथ तुरंत परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**